बालाघाट
रविवार 25 जनवरी 2026
कृष्ण शुक्ल 07 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 124
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

27 जनवरी को बैंकों की हड़ताल

नई दिल्ली । बैंक कर्मचारी संगठनों ने पांच दिन के कार्य सप्ताह की अपनी लंबे समय से अनसुनी मांग को लेकर 27 जनवरी को देशव्यापी हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया है। अगर यह हड़ताल होती है, तो सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में कामकाज लगातार तीन दिनों तक बाधित रहेंगे, क्योंकि 25 और 26 जनवरी को पहले से ही छुट्टियां हैं। ज्यादातर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने पहले ही अपने ग्राहकों को बता दिया है कि अगर हड़ताल होती है, तो बैंकिंग सेवाएं बाधित हो सकती हैं। अधिकारियों और कर्मचारियों के नौ संगठनों के शीर्ष निकाय-यूनाइटेड फोरम आफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) द्वारा दिए गए हड़ताल के नोटिस के जवाब में मुख्य श्रम आयुक्त ने बुधवार और गुरुवार को एक सुलह बैठक आयोजित की थी।

रॉबर्ट वाड्रा मामले पर सुनवाई टली

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ दाखिल की गई चार्जशीट पर संज्ञान लेने को लेकर शनिवार को राऊज एवेन्यू कोर्ट में होने वाली सुनवाई टाल दी गई। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 26 फरवरी की तारीख तय की है। सुनवाई के दौरान ईडी ने चार्जशीट से संबंधित कुछ आवश्यक दस्तावेज दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय की मांग की, जिस पर कोर्ट ने नाराजगी जताई। अदालत ने ईडी को कड़ी फटकार लगाते हुए स्पष्ट किया कि जरूरी कागजात जमा करने के लिए यह एजेंसी को दिया जा रहा अंतिम अवसर है। कोर्ट ने कहा कि जांच एजेंसी को समय पर सभी औपचारिकताएं पूरी करनी चाहिए, ताकि न्यायिक प्रक्रिया में अनावश्यक देरी न हो। यह चार्जशीट ब्रिटेन स्थित डिफेंस डीलर संजय भंडारी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दाखिल की गई है। मामले में विदेशी संपत्तियों और कथित अवैध वित्तीय लेन-देन से जुड़े पुराने आरोपों की एक बार फिर गहन जांच की जा रही है।

पंजाब में गणतंत्र दिवस से पहले धमाका

चंडीगढ़। गणतंत्र दिवस से पहले पंजाब में रेल लाइन पर धमाका हुआ है। शुक्रवार रात करीब नौ बजे सरहिंद रेलवे स्टेशन की एक आउटर लाइन पर इंजन के गुजरने के दौरान धमाका हुआ। देर रात करीब 11 बजे इसकी सूचना राजकीय रेलवे पुलिस को दी गई। हमले में एक लोको पायलट के घायल होने की भी सूचना है। जीआरपी ने इस संदर्भ में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच के दौरान पुलिस पुलिस और एफएसएल की टीम ने मौके से कुछ सबूत जुटाए हैं ताकि फॉरेंसिक जांच के बाद यह मालूम किया जा सके कि यह धमाका किसी आतंकी साजिश का हिस्सा था या नहीं। रोपड़ रेंज के डीआईजी नानक सिंह भी मौके पर पहुंचे हैं।

कुछ ना कहना

ट्रम्प की कनाडा पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी : कहा-

चीन से कोई भी समझौता करना महंगा पड़ेगा; कनाडाई पीएम को गवर्नर बताया

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कनाडा को चीन के साथ व्यापार को लेकर सख्त चेतावनी दी है। ट्रम्प शनिवार ने कहा कि अगर गवर्नर मार्क कार्नी (कनाडाई पीएम) ये सोचते हैं कि वे कनाडा को चीन का ऐसा रास्ता बना देंगे, जहां से चीन अपना सामान अमेरिका भेज सके, तो वे गलत हैं।

ट्रम्प ने कहा कि चीन, कनाडा को पूरी तरह नुकसान पहुंचा देगा। चीन, कनाडा के कारोबार, समाज और जीवनशैली को खत्म कर देगा और देश को पूरी तरह निगल जाएगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने साफ कहा कि अगर कनाडा ने चीन के साथ कोई समझौता किया, तो अमेरिका तुरंत कनाडा से आने वाले सभी सामानों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगा देगा।

ट्रम्प ने शुक्रवार को भी कहा था कि चीन, कनाडा को एक साल के अंदर ही खा जाएगा। दरअसल, कनाडा के मार्क कार्नी ट्रम्प के 'गोल्डन डोम' मिसाइल प्रोजेक्ट का विरोध कर रहे हैं। ट्रम्प इससे नाराज हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि कनाडा हमारे बजाय चीन से दोस्ती बढ़ा रहा, जो उन्हें पहले ही साल में बर्बाद कर देगा। कनाडा पर आरोप लगाते हुए ट्रम्प ने कहा कि वह नॉर्थ अमेरिका की सुरक्षा के लिए खतरा है।

कार्नी ने क्या कहा जिसे सुनकर ट्रम्प नाराज हुए

कनाडाई पीएम ने वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम पर 'नए वर्ल्ड ऑर्डर' पर भाषण दिया था। इसे लंबे समय से किसी भी राजनेता के दिए गए सर्वश्रेष्ठ भाषणों में से एक बताया जा रहा है।

कार्नी ने बड़े देशों के दबदबे के खिलाफ अपनी राय रखी। उन्होंने कहा- हमें बार-बार याद दिलाया जाता है कि आज की दुनिया बड़ी ताकतों की आपसी होड़ का दौर है। जो नियमों पर चलने वाली अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था थी, वह अब कमजोर पड़ रही है। ताकतवर देश वही करते हैं जो वे करना चाहते हैं, और छोटे या कमजोर देशों को उसे झेलना पड़ता है।

कार्नी आगे कहते हैं कि नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की जो कहानी सुनाई जाती रही है, वह पूरी तरह सच नहीं थी। जब बड़े देशों को फायदा होता है, तो वे खुद के लिए नियमों से छूट ले लेते हैं। व्यापार के नियम सब पर बराबर लागू नहीं होते।

वे कहते हैं कि अंतरराष्ट्रीय कानून भी सख्ती से इस बात पर निर्भर करता है कि मामले में आरोपी कौन है और पीड़ित कौन। उन्होंने कहा कि महाशक्तियां अकेले चलने का जोखिम उठा सकती हैं। उनके पास बड़ा बाजार होता है, मजबूत सेना होती है और शर्तें तय करने की ताकत भी होती है। लेकिन कमजोर देशों के पास ये चीजें नहीं होतीं। जब ऐसे देश किसी बहुत ताकतवर देश से आमने-सामने बातचीत करते हैं, तो वे कमजोर स्थिति में होते हैं। इसलिए उन्हें वही मानना पड़ता है, जो सामने वाला देश देने को तैयार होता है।

कनाडा-चीन के व्यापार समझौते से ट्रम्प नाराज

कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने 13 जनवरी से 17 जनवरी तक चीन की यात्रा की और वहां व्यापार समझौते किए। रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रम्प इससे नाराज बताए जा रहे हैं।

करीब एक साल पहले कार्नी खुद चीन को कनाडा के सामने 'सबसे बड़ा सुरक्षा खतरा' बता चुके थे, लेकिन एक साल बाद हालात बदल चुके हैं। चीन दौरे पर उन्होंने कई अहम करार किए हैं। इसमें कनाडा, चीन की इलेक्ट्रिक गाड़ियों (EV) पर लगाए गए टैरिफ को कम करेगा।

कनाडा ने 2024 में अमेरिका के साथ मिलकर चीनी गाड़ियों पर 100ब्र टैरिफ लगाया था। अब नए समझौते के तहत इस टैरिफ को घटाकर 6.1ब्र किया जा रहा है। हालांकि यह हर साल 49 हजार इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर लागू होगा। 5 साल में इसे बढ़ाकर 70 हजार तक किया जा सकता है।

इसके बदले में चीन, कनाडा के कुछ अहम कृषि उत्पादों पर लगाए गए जवाबी टैरिफ को घटाएगा। पहले यह टैरिफ 84प्रतिशत तक था, जिसे अब घटाकर 15ब्र कर दिया गया है। साल के अंत तक इसे जीरो किया जा सकता है।

राज्यपाल से विवाद पर भड़के सीएम स्टालिन बोले...

किसी को भी हमें राष्ट्रवाद का पाठ पढ़ाने की जरूरत नहीं

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने दावा किया है कि राज्यपाल आरएन रवि विधानसभा के संयुक्त सत्र में कैबिनेट द्वारा मंजूर भाषण को न पढ़कर गवर्नर पद का अपमान कर रहे हैं। शनिवार को तमिलनाडु विधानसभा में सीएम स्टालिन ने राज्यपाल की आलोचना की। हाल ही में तमिलनाडु विधानसभा के संयुक्त सत्र की शुरुआत में राष्ट्रगान न बजाए जाने पर राज्यपाल सत्र को संबोधित किए बिना ही सदन से चले गए थे, जिसे लेकर खूब विवाद हुआ।

शनिवार को इस मुद्दे पर बोलते हुए सीएम स्टालिन ने कहा कि राज्यपाल,सरकार के खिलाफ काम कर रहे हैं। वे बार-बार एक ही मुद्दे पर आपत्ति जताकर सदन से चले जाते हैं। मेरे मन में देश और राष्ट्रगान के प्रति गहरा सम्मान है। किसी को भी हमें राष्ट्रवाद का पाठ पढ़ाने की जरूरत नहीं है। विधानसभा सत्र की शुरुआत में तमिल थाई वझ्थु गाने की परंपरा रही है और सत्र के अंत में राष्ट्रगान गाया जाता है। सीएम ने कहा कि द्रविडियन मॉडल की सरकार की उपलब्धियों के चलते तमिलनाडु का सिर ऊंचा है। तमिलनाडु अन्य राज्यों की तुलना में ज्यादा विकसित हुआ है। इसका कारण हमारी योजनाएं हैं। एक के बाद एक उपलब्धियां हासिल करना डीएमके सरकार की पहचान है।

राज्यपाल को लेकर सीएम ने कहा कि मैं ये संकट झेल रहा हूं, लेकिन मेरे पहले के मुख्यमंत्रियों सीएन अन्नादुरई, एम करुणानिधि, एमजी रामचंद्रन और जे जयललिता आदि ने इस संकट को नहीं झेला था। राज्यपाल कैबिनेट द्वारा मंजूर भाषण को न पढ़कर और सत्र की शुरुआत में राष्ट्रगान गाए जाने की जिद करके अपने पद का अपमान कर रहे हैं। स्टालिन ने कहा कि हम किसी के भी राष्ट्रवाद से घबरा नहीं रहे हैं और हमें राष्ट्रवाद का पाठ पढ़ाने की भी जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि ये संकट उनके लिए नया नहीं है और वे पहले भी कई तरह की चुनौतियां झेल चुके हैं। सीएम ने कहा कि राज्य में अपराध का ग्राफ कम हो रहा है और पिछली एआईएडीएमके सरकार की तुलना में ये डीएमके सरकार में नीचे आया है।

आई-पैक अधिकारी की गुहार पर सुप्रीम कोर्ट ने पूछा-आप इतने डरे हुए क्यों हैं?

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आई-पैक पदाधिकारी जितेंद्र मेहता के मोबाइल से जानकारी लेने से रोकने से इनकार कर दिया है, जिसे 8 जनवरी को पॉलिटिकल कंसल्टेंसी फर्म के दिल्ली ऑफिस में तलाशी के दौरान ईडी ने जब्त किया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईडी का कहना है कि 20 करोड़ रुपए हवाला के जरिये कोलकाता से आई-पैक गोवा ऑफिस भेजे गए। गुरुवार को सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच के सामने पेश होते हुए, सीनियर एडवोकेट सी ए सुंदरम ने कहा कि ईडी को फोन खोलने की अनुमति देना मेहता की प्राइवेसी का उल्लंघन होगा और उन्होंने गुहार लगाई कि मंगलवार को अगली सुनवाई की तारीख तक ईडी को ऐसा करने से रोका जाए, लेकिन बेंच ने उनसे पूछा कि आप इतने डरे हुए क्यों हैं?

सुंदरम ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट को उनके मौलिक अधिकार की रक्षा के लिए दखल देना चाहिए, लेकिन बेंच ने कहा कि हम जानते हैं कि एक निर्दोष नागरिक की रक्षा कैसे करनी है। ईडी ने 8 जनवरी को सर्च ऑपरेशन के दौरान आई-पैक के दिल्ली ऑफिस से डिजिटल डिवाइस जब्त किए थे। वह कोलकाता में ऐसा नहीं कर पाई, क्योंकि पुलिस के अधिकारियों के साथ टीएमसी प्रमुख और सीएम ममता बनर्जी भी तलाशी अभियान के दौरान दौरान पहुंच गई थीं।

सीजेई के नेतृत्व वाली बेंच ने ईडी को अन्य मनी लॉन्ड्रिंग मामले के आरोपियों के फोन और डिजिटल डिवाइस तक पहुंचने पर लगाई गई रोक से संबंधित सभी मामलों को भी एक साथ जोड़ दिया और मंगलवार को सुनवाई तय की।

एमपी में रेल हादसा : मक्सी स्टेशन के पास मालगाड़ी पटरी से उतरी, दो हिस्सों में बंटी

शाजापुर। मध्यप्रदेश के शाजापुर जिले में एक बड़ा रेल हादसा होते-होते टल गया, जब मक्सी रेलवे स्टेशन के पास एक मालगाड़ी अचानक पटरी से उतर गई। हादसे में मालगाड़ी दो हिस्सों में बंट गई, हालांकि राहत की बात यह रही कि घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार हादसा मेन लाइन की पटरी टूटने के कारण हुआ। बताया जा रहा है कि मालगाड़ी का संतुलन बिगड़ते ही उसके कई डिब्बे पटरी से उतर गए और जमीन में धंस गए। गनीमत यह रही कि घटना के समय इस रूट से कोई यात्री ट्रेन नहीं गुजर रही थी, अन्यथा नुकसान कहीं अधिक हो सकता था। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन में हड़कंप मच गया। रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

राजस्थान में पारा 10 डिग्री गिरा, माउंट आबू में माइनस 7 डिग्री

मप्र-यूपी समेत 5 राज्यों में बारिश, उत्तरकाशी-चमोली में 24 घंटे से रुक-रुककर बर्फबारी

नई दिल्ली/भोपाल। देश के सबसे उत्तरी 3 राज्यों जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में गुरुवार-शुक्रवार से शुरू हुई बर्फबारी शनिवार देर शाम तक चली। शिमला, मनाली, मसूरी, कटरा में चारों तरफ बर्फ ही बर्फ नजर आ रही है। उधर, उत्तराखंड के उत्तरकाशी, चमोली और जम्मू के डोडा में पिछले 24 घंटे से रुक-रुककर बर्फबारी हो रही है। मैदानी इलाकों में लगभग एक फुट और ऊपरी पहाड़ी क्षेत्रों में 2-3 फीट बर्फ जम गई है।श्रीनगर एयरपोर्ट शनिवार को भी नहीं खुल सका। एनएच-44 लगातार दूसरे दिन बंद है। मौसम विभाग ने तीनों राज्यों में ऊंचे इलाकों में एवलांच (हिमस्खलन) की चेतावनी जारी की है।

इधर वेस्टर्न डिस्टरबेंस के असर से राजस्थान में ओले-बारिश के बाद तापमान 10 डिग्री तक गिर गया है। राज्य के इकलौते हिल स्टेशन माउंट आबू में पारा माइनस 7 डिग्री तक पहुंच गया। सीकर में ओस जम गई। यूपी, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, मध्य प्रदेश के कई जिलों में भी हल्की बारिश हो रही है। राजधानी दिल्ली में बारिश के बाद कोहरा और धुंध छंट गई है, लेकिन तापमान 11 डिग्री पर पहुंच गया है। यहां पहाड़ों से आने वाली तेज सर्द हवाओं के कारण ठिठुरन बढ़ गई है। वहीं, भारी बर्फबारी के कारण एक दिन तक बंद रहने के बाद शनिवार को श्रीनगर एयरपोर्ट पर फ्लाइट ऑपरेशन फिर से शुरू हो गए हैं। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने बीआरओ के साथ मिलकर शनिवार सुबह मौसम में सुधार के बाद रनवे को चालू करने के लिए एप्रन और टैक्सीवे को साफ कर दिया।

ट्रेनों पर पत्थरबाजी करने वालों को होगी 1 से 10 साल की जेल, जुर्माना भी लगेगा

-छह महीनों में देशभर में कुल 1,698 घटनाएं हुई, 665 को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने ट्रेनों पर पत्थरबाजी करने वालों के खिलाफ देशव्यापी अभियान चलाया। जुलाई से दिसंबर 2025 के बीच के आंकड़ों के मुताबक पिछले छह महीनों में देशभर में पत्थरबाजी की कुल 1,698 घटनाएं हुई। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने इन मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए अब तक 665 संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि पत्थरबाजी की यह प्रवृत्ति न केवल सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचा रही है, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आरपीएफ की जांच में सामने आया है कि पत्थरबाजों के निशाने पर सबसे ज्यादा वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी प्रीमियम ट्रेनें हैं। हालांकि इन आधुनिक ट्रेनों में बेहद मजबूत रीइन्फोर्स्ड कांच लगाए गए हैं, लेकिन भारी पथराव के कारण वे भी टूट रहे हैं। वहीं, सामान्य यात्री ट्रेनों में खिड़की के शीशे टूटने से कई यात्रियों के घायल होने की खबरें हैं। रेलवे ने उन संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान की है जहां ऐसी घटनाएं बार-बार होती हैं। इन क्षेत्रों में आरपीएफ की गश्त बढ़ा दी गई है और अपराधियों को पकड़ने के लिए सीसीटीवी फुटेज के साथ-साथ स्थानीय मुखबिरों की मदद ली जा रही है।

रेलवे प्रशासन ने साफ कहा है कि यात्रियों की जान जोखिम में डालने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। पकड़े गए आरोपियों पर भारतीय रेलवे अधिनियम की गंभीर धाराओं के तहत मुकदमे चलाए जा रहे हैं। इन धाराओं के तहत अपराध की गंभीरता के आधार पर एक साल से लेकर 10 साल तक की जेल का प्रावधान है। रेलवे ने कहा कि वे इन मामलों में जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रहे हैं ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। रेलवे केवल कानूनी कार्रवाई तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इस समस्या की जड़ तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

इसके लिए रेलवे ट्रैक के किनारे स्थित स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं ताकि बच्चों को इसके कानूनी परिणामों के बारे में बताया जा सके। पटरियों के पास बसी बस्तियों के लोगों को शिक्षित किया जा रहा है कि पत्थरबाजी कैसे किसी की जान ले सकती है। संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए ड्रोन और आधुनिक कैमरों का भी इस्तेमाल किया जा रहा है।

सरकार ला रही नियम, जन गण मन की तरह 'वंदे मातरम' के लिए खड़े होना अनिवार्य होगा

नई दिल्ली। जिस तरह राष्ट्रगान जन गण मन के लिए सभी लोगों का खड़े होना अनिवार्य है ठीक उसी तरह राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के लिए भी सम्मान में खड़े होना जरूरी हो जाएगा। इसके लिए केंद्र सरकार नए नियम बना रही है। रिपोर्ट के अनुसार, इस महीने की शुरुआत में गृह मंत्रालय द्वारा आयोजित एक उच्च-स्तरीय बैठक में इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की गई है।

भारत के संविधान के अनुसार, राष्ट्रगान और राष्ट्रीय गीत दोनों को समान सम्मान प्राप्त है, लेकिन कानूनी और अनिवार्य प्रोटोकॉल के मामले में दोनों में बड़ा अंतर है। राष्ट्रगान के गायन के समय खड़ा होना अनिवार्य है और इसका अपमान करने पर राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण अधिनियम, 1971 के तहत सजा का प्रावधान है। वहीं, राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के गायन के समय खड़े होने या किसी विशेष मुद्रा को अपनाने के लिए कोई कानूनी अनिवार्यता या लिखित नियम नहीं है।

रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा है कि गृह मंत्रालय की बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा हुई है। इस दौरान राष्ट्रीय गीत के गायन के नियम और निर्देश सहित सम्मान के तरीके पर चर्चा हुई। बैठक में इन बिंदुओं पर चर्चा की गई, क्या वंदे मातरम को गाने के समय, स्थान और तरीके के लिए स्पष्ट नियम बनाए जाने चाहिए? क्या इसके गायन के दौरान राष्ट्रगान की तरह खड़ा होना अनिवार्य किया जाए?

1937 के कांग्रेस अधिवेशन के दौरान वंदे मातरम के कुछ छंदों को हटा दिया गया था। बीजेपी का आरोप है कि इसी नीति ने विभाजन की नींव रखी, जबकि कांग्रेस का कहना है कि बीजेपी इतिहास को तोड़-मरोड़ रही है और पश्चिम बंगाल के आगामी चुनावों को देखते हुए इस मुद्दे को हवा दे रही है। पिछले कुछ वर्षों में अदालतों में कई याचिकाएं दायर की गई हैं जिनमें मांग की गई है कि वंदे मातरम के लिए भी राष्ट्रगान जैसा ही फ्रेमवर्क तैयार किया जाए। साल 2022 में केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि अभी तक राष्ट्रीय गीत के लिए ऐसे कोई दंडात्मक प्रावधान या निर्देश जारी नहीं किए गए हैं।बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा लिखित वंदे मातरम स्वदेशी आंदोलन (1905-08) के दौरान आजादी का सबसे बड़ा नारा बनकर उभरा था। अब सरकार इसे फिर से उसी गौरवशाली स्थान पर स्थापित करने की कोशिश कर रही है।

पेंचवेली का गोंदिया विस्तार प्रोजेक्ट अटका, लगा अड़ंगा

सिंगल लाईन और प्लेटफार्म व्यस्तता बनी बाधा, क्या अब जिलेवासियों को नही मिलेगी पेंचवली एक्सप्रेस?

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

पंचवेली एक्सप्रेस को बालाघाट या गोंदिया रेलवे स्टेशन से चलाए जाने की मांग पिछले कई वर्षों से जिले वासियों द्वारा की जा रही है।जहां मांग के अनुरूप पिछले दिनों नवंबर में इंदौर से नैनपुर तक चल रही पेंचवेली एक्सप्रेस का विस्तार बालाघाट होते हुए गोंदिया तक किए जाने का प्रस्ताव रखा गया था। उम्मीद जताई जा रही थी कि इस प्रस्ताव पर रेलवे अधिकारियों से जल्द ही मोहर लगेगी और पेचवेली एक्सप्रेस ट्रेन का लाभ न केवल बालाघाट बल्कि गोंदिया के निवासियों को भी भरपूर मिलेगा।वही पेचवेली एक्सप्रेस बालाघाट स्टेशन से होकर गुजरने से एक बार फिर से स्थानीय लोगों की पुरानी यादें ताजा हो जाएगी। लेकिन जिले वासियों का यह सपना फिलहाल पूरा होता नजर नहीं आ रहा है। क्योंकि प्लेटफॉर्म व्यस्तता और सिंगल लाइन पटरी पेंचवेली एक्सप्रेस विस्तारीकरण प्रोजेक्ट में एक बड़ी बाधा बनकर सामने आई है।जिसके चलते नवंबर माह में बना यहां प्रोजेक्ट शुरू होने के पूर्व ही एक बार फिर से ठंडे बस्ते में चला गया है।जिसको लेकर लोगो मे खासी नाराजगी देखी जा रही है।

पेंचवेली से टूटी रेल यात्रियों की उम्मीदें

इंदौर से नैनपुर तक चलने वाली पेंचवेली एक्सप्रेस को गोंदिया तक विस्तारित करने का प्रस्ताव फिलहाल अटक गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्तमान समय में पेंचवेली एक्सप्रेस इंदौर से दोपहर 1:05 बजे रवाना होकर दूसरे दिन प्रातः साढ़े 6.30 बजे नैनपुर पहुंचती है। जिसके बाद पूरे दिन यह ट्रेन, जिले के पाद्रीगंज स्टेशन या फिर मंडला के आउटर खड़ी रहती हैं और शाम 7 बजे, नैनपुर स्टेशन से रवाना होकर, दूसरे दिन इंदौर पहुँचती है।इसी ट्रेन को जिलेवासी बालाघाट या गोंदिया से चलाए जाने की माग कर रहे है।

गोंदिया प्लेटफार्म वयस्त तो बालाघाट की सिंगल लाइन बनी रोडा

बताया गया कि इंदौर से नैनपुर तक चलने वाली पेंचवेली एक्सप्रेस का विस्तार बालाघाट और गोंदिया तक किए जाने की जिलेवासियों की मांग को देखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने नवंबर में इसका प्रस्ताव पश्चिम मध्य रेलवे को भेजा था, लेकिन अब यह संभव नहीं हो पा रहा है। नागपुर मंडल के ऑपरेटिंग डिपार्टमेंट ने गोंदिया स्टेशन पर प्लेटफार्म की अत्यधिक व्यस्तता और बालाघाट सेक्शन के सिंगल लाइन होने को इसकी मुख्य वजह बताया है। हाल ही में हुई एक बैठक में यह जानकारी सामने आई, जिससे जिले के रेल यात्रियों की उम्मीदें टूट गई हैं। वही जब तक यह दो बड़ी बाधाए दूर नहीं हो जाती तब तक इस ट्रेन का विस्तारीकरण फिलहाल संभव नहीं है।

तो इंदौर का सफर होता आसान, जिलेवासियों को मिलती सुविधाए

बताया गया कि यदि यहां प्रोजेक्ट नहीं अटकता तो पेंचवेली एक्सप्रेस का विस्तार गोंदिया तक होने से इसका लाभ न केवल बालाघाट के लोगों को मिलता बल्कि महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के यात्रियों को भी फायदा मिलता। इससे रेलवे विभाग को राजस्व के रूप में भी अधिक लाभ होता।इसके अतिरिक्त, गोंदिया में ट्रेन की सफाई और वाँशिंग की सुविधा भी उपलब्ध हो जाती।इसी की लंबे से दरकार थी। लेकिन यहां प्रोजेक्ट अब अटक गया है।

बसों में महंगा किराया देकर लोग भोपाल इंदौर का कर रहे सफर

आपको बताए कि बालाघाट से कई लोग भोपाल और इंदौर, शासकीय कार्य के साथ ही पढ़ाई के लिए जाते है, जिनके लिए कोई सीधी रेलसुविधा नहीं है। जिसके कारण, लोगों को बसों में महंगे किराए पर यात्रा करना मजबूरी बन गया है। पेंचवेली एक्सप्रेस का यदि विस्तार, गोंदिया तक होगा, तो इसका सीधा और सबसे बड़ा लाभ जिले के रेलयात्रियों को होगा और उन्हें सीधी, सस्ती तथा सुलभ रेलसेवा मिल जाएगी। लेकिन फिलहाल ऐसा होता नजर नहीं आ रहा है।

डॉ. एस. राधाकृष्णन स्कूल में मनाया गया मातृ पित्र पूजन दिवस

विद्यार्थियों ने आरती उतारकर की माता पिता की पूजा मांगा आशीर्वाद, भावुक पल देख हर किसी की आँखे हुई नम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी नगर के वार्ड नं 30 सरस्वती नगर स्थित डॉ. एस राधाकृष्णन स्कूल में शनिवार 24 जनवरी को मातृ पितृ पूजन दिवस का आयोजन किया गया।जिसमें मुख्य रूप से समस्त स्कूली बच्चों ने संस्कार प्रेम और माता पिता की भक्ति ही सर्वश्रेष्ठ मानकर अपने माता पिता की पूजा अर्चना की। इस दौरान स्कूली विद्यार्थियों ने माता-पिता को कुर्सी पर बैठकर आरती की थाली सजाई, तो

वहीं माता-पिता का तिलक वंदन कर, उन पर फूलों की वर्षा की, जिसके उपरांत सामूहिक रूप से उनकी आरती उतारी तो वहीं चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद ग्रहण किया।स्कूल प्रांगण में आयोजित यह कार्यक्रम संस्था के डायरेक्टर रामकुमार गुप्ता एवं प्राचार्य एस आर पांचे की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

पाश्चात्य संस्कृति के बजाय बच्चो को भारतीय संस्कारों से जोड़ना ही उद्देश्य

बताया गया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को पाश्चात्य संस्कृति के बजाय भारतीय संस्कारों से जोड़ना है। इस विशेष कार्यक्रम में स्कूली विद्यार्थियों ने अपने माता-पिता को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया।कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के प्राचार्य एस.आर. पाँचे एवं डॉ एस. राधाकृष्णन वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष रामकुमार गुप्ता के द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।बताया गया कि इस संस्था में बच्चो को ना सिर्फ शिक्षा बल्कि उनके मानसिक, बौध्दिक एवं शारिरिक विकास के साथ-साथ, समय-समय पर हिन्दु परम्परा के अनुसार राष्ट्र के प्रति सदभावना एवं धार्मिक वातावरण स्थापित करने के उद्देश्य से कार्यक्रम आयोजित किए जाते है।इसी को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

अभिभावकों की आंखों में दिखे खुशी के आंसू

कार्यक्रम के प्रारंभ में सर्वप्रथम विद्यार्थियों ने अपने अभिभावकों को तिलक लगाकर, माला पहनाकर और आरती उतारकर अपने माता-पिता की पूजा कर, उनकी चरण वंदना की। इस भावुक अवसर पर कई अभिभावकों की आंखों में खुशी के आंसू आ गए।विद्यालय के प्रधानाचार्य ने कहा कि बच्चों को बचपन से ही संस्कारित करना आवश्यक है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि हमारे सबसे बड़े आदर्श हमारे माता-पिता हैं। उधर विद्यालय द्वारा की गई इस पहल की अभिभावकों ने भी जमकर सराहना की।कार्यक्रम में देशभक्ति गीतों और माता-पिता की महिमा पर आधारित प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। जिसमें संस्था के समस्त शिक्षक/शिक्षिकाओं एवं छात्र/छात्राओं ने भी इस शुभ कार्य आयोजन में अपनी सम्पूर्ण सहभागिता एवं सहयोग प्रदान किया।कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी शिक्षक शिक्षिकाओं की महत्त्व पूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम का समापन संस्था के प्राचार्य एस आर पांचे के द्वारा दिए गए उद्बोधन व आभार प्रकट कर किया गया।जिन्होंने उपस्थितजनों को शाला परिवार की ओर से दिन विशेष की शुभकामनाएं एवं बधाईया दी।वही उन्होंने कार्यक्रम के माध्यम से माता पिता के महत्व के लिए दिए गए इस सन्देश को आत्मसात कर, रोजाना इसे जीवन मे अपनाने की बच्चो को समझाईश भी दी।जहा स्वल्पाहार वितरण के उपरांत कार्यक्रम का समापन किया गया।

मोटरसाइकिल अनियंत्रित होने से देवरानी-जेठानी घायल, जिला अस्पताल रेफर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के खैरलांजी थाना क्षेत्र अंतर्गत सालेटेका रोड पर नाले के पास शुक्रवार सुबह एक सड़क दुर्घटना में दो महिलाएं घायल हो गईं। यह दुर्घटना 24 जनवरी को सुबह लगभग 9:30 बजे उस समय हुई, जब दोनों महिलाएं एक व्यक्ति से लिफ्ट लेकर मोटरसाइकिल से खैरलांजी जा रही थीं।घायल दोनो महिला कामेश्वरी पति कैलाश राउत 34 वर्ष तथा उनकी जेठानी उर्मिला राउत पति श्यामलाल राउत 45 वर्ष दोनों निवासी ग्राम सालेटेका, थाना खैरलांजी निवासी है। दोनों को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सालेटेका निवासी दोनों महिलाएं खैरलांजी स्थित सीएम राइस स्कूल में कार्यरत हैं और प्रतिदिन पैदल आना-जाना करती थीं।बताया गया कि शुक्रवार सुबह दोनों महिलाएं पैदल ही अपने घर से स्कूल के लिए निकली थीं। इसी दौरान ग्राम कच्चेखनी निवासी एक व्यक्ति मोटरसाइकिल से खैरलांजी की ओर जा रहा था। महिलाओं ने उससे लिफ्ट मांगी, जिस पर इस व्यक्ति ने उन्हें मोटरसाइकिल पर बैठा लिया। जब यह व्यक्ति दोनों महिला को मोटरसाइकिल में बैठकर खैरलांजी ले जा रहा था। जब मोटरसाइकिल खैरलांजी रोड़ सालेटेका नाले के पास पहुंची ही थी कि तभी अचानक मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई और तीनो मोटरसाइकिल सहित सड़क पर गिर पड़े। इस हादसे में कामेश्वरी राउत और उर्मिला राउत को सिर में गंभीर चोटें आईं। दुर्घटना के बाद दोनों घायलों को तत्काल खैरलांजी के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया।जहां। से प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया गया।

घरेलू विवाद में पत्नी ने पति की जलती लकड़ी से की पिटाई

बिरसा थाना क्षेत्र के ग्राम चरचेंडी की घटना, मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चरचेंडी में घरेलू विवाद के चलते एक महिला द्वारा अपने पति के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि महिला ने चूल्हे की जलती लकड़ी से पति की पिटाई कर उसे घायल कर दिया। यह घटना 22 जनवरी की शाम लगभग 7 बजे की बताई जा रही है। घायल व्यक्ति बालकिशन ऐठेकर, पिता बीरबल ऐठेकर 50 वर्ष का इलाज इलाज बरसा के सिविल अस्पताल में कार्य किया गया जिसकी रिपोर्ट पर पुलिस ने उसकी पत्नी ललिता बाई पति बालकिशन ऐठेकर के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बाल किशन आते का खेती किसानी करते हैं। बालकिशन ने पहली पत्नी की मृत्यु के बाद वर्ष 2016 में उसने ग्राम रौंदाटोला, थाना बैहर निवासी ललिता बाई से पाट विवाह किया था। ललिता से बालकिशन की दो बेटियां पूजा एवं रागिनी हैं, जबकि पहली पत्नी से एक पुत्र राजकुमार है, जो वर्तमान में सुहाना नगर, मलाजखंड में निवास करता है।घटना 22 जनवरी की शाम को बालकिशन का पुत्र राजकुमार ग्राम चरचेंडी आया हुआ था। आरोप है कि इस दौरान ललिता बाई ने राजकुमार को भोजन नहीं दिया और स्वयं भोजन करने के बाद बर्तनों में पानी डाल दिया था। इसी बात को लेकर बालकिशन ने पत्नी से सवाल किया, जिससे विवाद बढ़ गया। बताया गया कि ललिता बाई ने पति एवं उसके पुत्र को अश्लील गालियां दीं। बालकिशन द्वारा मना करने पर ललिता आवेश में आ गई और चूल्हे से जलती लकड़ी निकालकर बालकिशन के साथ मारपीट कर दी।इस हमले में बालकिशन के दोनों पैरों की पिंडलियों एवं बाएं गाल में चोटें आईं। बालकिशन की चीख-पुकार सुनकर उसका पुत्र राजकुमार एवं आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव किया। घटना के बाद बालकिशन अपने पुत्र राजकुमार, दामाद राजेंद्र गैरवे एवं पुत्री संतोषी गैरवे के साथ बिरसा थाना पहुंचा, जहां उसने मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने घायल। बालकिशन का सिविल अस्पताल बिरसा में उपचार कराते हुए आरोपी पत्नी ललिता बाई के विरुद्ध मारपीट एवं जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है।पीड़ित बालकिशन का आरोप है कि उसकी पत्नी आए दिन शराब के नशे में उसके साथ विवाद करती है और उसे जान से मारने की धमकी देती रहती है, जिससे वह भयभीत है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सर्वगींकलार समाज महिला मंडलों का हल्दी-कुमकुम आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सर्वगींकलार समाज की जिला अध्यक्ष श्रीमती सरिता केवल सोनकर के नेतृत्व में शहर स्थित शीतल पैलेस में कलार समाज महिला मंडल का हल्दी-कुमकुम कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस

आयोजन में समाज की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर आपसी सौहार्द, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूती प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार हल्दी-कुमकुम की रस्म संपन्न कराई गई, जिसमें महिलाओं ने एक-दूसरे को कुमकुम लगाकर सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। रंग-बिरंगे परिधानों में सजी महिलाओं ने आयोजन को और भी आकर्षक बना दिया। जिला अध्यक्ष श्रीमती सरिता केवल सोनकर ने अपने उद्बोधन में कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज की महिलाओं को एक मंच पर लाने के साथ-साथ आपसी सहयोग और संस्कारों को आगे बढ़ाने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि महिला मंडल समाज की रीढ़ हैं और उनके सक्रिय योगदान से ही सामाजिक विकास संभव है। कार्यक्रम में समाज की वरिष्ठ महिलाओं का सम्मान किया गया तथा सामूहिक भोज और सांस्कृतिक गतिविधियों ने आयोजन को यादगार बना दिया। अंत में सभी उपस्थित महिलाओं ने भविष्य में भी ऐसे सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों को निरंतर करते रहने का

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर जिला पंचायत कार्यालय में दिलाई गई मतदान करने की शपथ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर जिला पंचायत बालाघाट के कार्यालय में 23 जनवरी को मतदाता शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ द्वारा कार्यालय में उपस्थित सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को मतदाता शपथ दिलाई गई। इस दौरान सीईओ सराफ ने सभी अधिकारी-कर्मचारियों को लोकतंत्र की मजबूती में मतदाता की भूमिका बताते हुए निष्पक्ष, निर्भीक एवं जिम्मेदारीपूर्वक मतदान करने तथा आम नागरिकों को भी मतदान के लिए प्रेरित करने का संदेश दिया।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0047/ड-154/2025-26
मौजा अतरी, रा.नि.मं. लालबर्रा

आम सूचना

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक गेंदलाल पंचेश्वर पिता घुड्डु पंचेश्वर जाति मरार, निवासी ग्राम अतरी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा अतरी, रा.नि.मं. लालबर्रा, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपनी माताजी सुकरती पति घुड्डु का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 12.01.2012 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम अतरी के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 02.02.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 23.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 25.01.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

आतिफ खान
आपको
जन्मदिवस की ढेर सारी
शुभकामनाएं
विनीतः: श्रीमती फरीदा खान-इस्माइल खान (मम्मी -पापा), श्रीमती इस्लुमून खान (बडी मम्मी),आफरीन ,आसीन, सना, सानिया (बहन),जोयान, हुसैन (भाई)एवं समस्त मित्रमंडल

हर्षिका सेनभक्त
आपको
जन्मदिवस की ढेर सारी
शुभकामनाएं
विनीतः: श्रीमती मीनाक्षी सेनभक्त (दादी), श्रीमती नलिनी-तुलसीदास सेनभक्त (मम्मी- पापा), श्रीमती किरण - घनश्यामदास सेनभक्त (बडे मम्मी-पापा), गौरी, टुकटुक, पूर्वी (बडी दीदी) एवं समस्त सेनभक्त परिवार वारासिवनी

जमीन बेचनी है
बालाघाट-कोसमी में स्थित बालाघाट - गोंदिया रोड से लगी हुई चौड़ाई 75 फ़ीट, लम्बाई 250 फ़ीट पूर्वमुखी ज़मीन बेचनी है जिसके उत्तर में 15 फ़ीट की रोड है।
इच्छुक खरीददार मोबाइल नंबर 9425138988 पर संपर्क करें

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
रविवार 25 जनवरी 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

3

पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

कार की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार दो युवक घायल- गंभीर रूप से घायल हायर सेंटर रेफर

कटंगी-वारासिवनी रोड पर जामनाला के पास हादसा, एक युवक जिला अस्पताल में भर्ती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के कटंगी थाना क्षेत्र अंतर्गत वारासिवनी मुख्य मार्ग पर बीती रात एक सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गये। यह हादसा जामनाला के पास उस समय हुआ, जब एक कार ने मोटरसाइकिल को जोरदार

टक्कर मार दी। दोनों घायल युवकों को जिला अस्पताल लाया गया। जिनमे गंभीर रूप से घायल युवक अतुल पिता हेमराज विश्वकर्मा 21 वर्ष को जिला अस्पताल से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। एक अन्य घायल युवक लोकेश जैतवार पिता खिनानाराम जैतवार, 23 वर्ष का जिला अस्पताल में भर्ती किया जा रहा है। दोनों घायल युवक ग्राम अर्जुनी थाना कटंगी निवासी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लोकेश जैतवार और अतुल विश्वकर्मा दोनों ग्राम अर्जुनी निवासी कटंगी से सिवनी रोड पर स्थित ग्राम खमरिया पेट्रोल पंप में कार्यरत है और रोजाना दोनो मोटरसाइकिल से ही अपने गांव अर्जुनी आना-जाना करता है।घटना 23 जनवरी की रात करीब 10 बजे की है। लोकेश जैतवार और अतुल विश्वकर्मा मोटरसाइकिल में खमरिया पेट्रोल पंप से अपने गांव लौट रहे थे। मोटरसाइकिल अतुल विश्वकर्मा चला रहा था। इसी दौरान कटंगीङ्घवारासिवनी रोड पर जामनाला के सामने वारासिवनी की ओर से तेज रफ्तार से आ रही कार ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी।कार की जबरदस्त ठोकर से लोकेश जैतवार और अतुल विश्वकर्मा मोटरसाइकिल सहित सड़क पर गिर गये और घायल हो गये। इस दुर्घटना में अतुल विश्वकर्मा गंभीर रूप से घायल हो गया था।सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची 108 एंबुलेंस की मदद से दोनो घायल युवक को तत्काल जिला अस्पताल बालाघाट पहुँचाया गया। जहां से गंभीर रूप से घायल युवक अतुल विश्वकर्मा को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया जिसे उसके परिजनों ने बालाघाट नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती किए हैं। अन्य युवक लोकेश जैतवार का इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया जा रहा है।वहीं जिला अस्पताल पुलिस द्वारा घायल युवक का बयान दर्ज कर अस्पताल तहरीर आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित थाना कटंगी भेज दी गई है। कटंगी पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

कई वार्डों में अब भी दूषित पानी की सप्लाई से लोग परेशान

ताज नगर में बदबूदार और मटमैला पानी को उबालकर पीने को विवश हैं लोग!!

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

नगर पालिका द्वारा शहर में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इससे अलग नजर आ रही है। शहर के कई वार्डों में आज भी नलों से दूषित पानी की आपूर्ति हो रही है, जिससे आम नागरिकों को गंभीर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालात ऐसे हैं कि लोग मजबूरी में पानी उबालकर पीने को विवश हैं, कई परिवारों ने हजारों रुपये खर्च कर घरों में आरओ मशीन लगवाई है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नगर पालिका द्वारा जल व्यवस्था को लेकर कोई ठोस और स्थायी व्यवस्था नहीं की गई है। कुछ समय पहले हुए इंदौर जैसे गंभीर जलजनित हादसे के बाद भी नगर पालिका ने उससे कोई ठोस सबक नहीं लिया। लोगों का आरोप है कि घटना के बाद केवल कुछ दिनों तक खानापूर्ति करते हुए कार्रवाई की गई, लेकिन बाद में हालात फिर पुराने जैसे ही हो गए। मामला शहर के वार्ड क्रमांक तीन है।

इंदौर में हुई हालिया घटना के बाद जिलेभर में कुछ दिनों तक पेयजल व्यवस्था को लेकर प्रशासन और संबंधित विभागों की सक्रियता देखने को मिली। इस दौरान पेयजल सहित अन्य जल स्रोतों की निगरानी की गई और नगर पालिका द्वारा शहर के कुछ वार्डों में जाकर सीमित स्तर पर सुधार कार्य भी कराया गया। साथ ही पानी के सैंपल लेकर जांच की कार्रवाई भी की गई। कुछ ही दिनों बाद स्थिति फिर से पहले जैसी होती नजर आ रही है। वार्डवासियों का आरोप है कि नगर पालिका ने केवल कुछ समय के लिए ही पेयजल को लेकर गंभीरता दिखाई, इसके बाद पानी की गुणवत्ता को लेकर लापरवाही बरती जा रही है। शहर के वार्ड क्रमांक 3 स्थित ताज नगर में नगर पालिका से आने वाले पानी से अब भी गंदा ही आ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पानी पीने योग्य नहीं है, जिसके चलते अधिकांश

परिवार इसे सीधे उपयोग नहीं कर रहे हैं। कई वार्डवासी मजबूरी में पानी को उबालकर पी रहे हैं, जबकि कुछ लोगों ने मटमैले पानी से परेशान होकर अपने घरों में आरओ मशीन लगवा ली है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि यह समस्या किसी एक-दो घरों तक सीमित नहीं है, बल्कि ताज नगर क्षेत्र के लगभग 40 से 50 घर इससे प्रभावित हैं। वार्डवासियों का यह भी आरोप है कि कुछ दिन पहले नाली के भीतर से पेयजल पाइपलाइन डाली गई थी, जो आज भी नाली के अंदर ही पड़ी हुई है। इससे पानी के दूषित होने की आशंका लगातार बनी हुई है। वार्डवासियों ने नगर पालिका से मांग की है कि उनके घरों में सप्लाई हो रहे पानी की गुणवत्ता की तत्काल जांच कर स्थिति स्पष्ट की जाए और नाली से गुजर रही पाइपलाइन सहित पूरी पेयजल व्यवस्था को शीघ्र दुरुस्त किया जाए।

काले रंग का गंदा पानी आता है - आवेद खान

ताज नगर निवासी आवेद खान ने बताया कि उनके घर में जब भी नगर पालिका का पानी आता है, तो शुरुआत में उसमें काले रंग का गंदा पानी दिखाई देता है। कुछ देर बाद पानी साफ तो हो जाता है, लेकिन इस तरह की स्थिति के कारण वे पानी पर भरोसा नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मजबूरी में पानी को उबालकर उपयोग करना पड़ रहा है। उनका मानना है कि कहीं पाइपलाइन में लीकेज होने के कारण नालियों का गंदा पानी सप्लाई लाइन में मिल रहा है।

नाली के अंदर से ही पाइपलाइन डाली गई है - कदर रजा

इसी वार्ड के निवासी कदर रजा ने बताया कि कुछ महीने पहले उनके घर के पास पाइपलाइन बिछाने के लिए नाली को तोड़ा गया था और नाली के अंदर से ही पाइपलाइन डाली गई है। उनका कहना है कि संभवतः इसी कारण पाइपलाइन में लीकेज हो गया है और नाली का गंदा पानी पहले नलों के माध्यम से घरों तक पहुंच रहा है। उन्होंने आशंका जताई कि यदि जल्द सुधार नहीं किया गया तो इंदौर जैसी गंभीर घटना से इनकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने बताया कि कई परिवार अब मजबूरी में अपने घरों में महंगे आरओ सिस्टम लगाकर पीने का पानी इस्तेमाल कर रहे हैं।

काला और बदबूदार पानी आता है- सोहेल खान

वार्ड क्रमांक 3 के पार्षद प्रतिनिधि सोहेल खान ने भी वार्ड में जलापूर्ति को लेकर आ रही शिकायतों की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि बीते कुछ दिनों से लगातार नागरिकों के फोन आ रहे हैं कि जलापूर्ति के समय पहले कुछ मिनट तक काला और बदबूदार पानी आता है, जो पूरी तरह से अनुपयोगी है। उन्होंने इस संबंध में मुख्य नगर पालिका अधिकारी सहित संबंधित कर्मचारियों को अवगत कराया है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। सोहेल खान का कहना है कि नाली के भीतर से पाइपलाइन डाले जाने के कारण कहीं न कहीं लीकेज की संभावना है, जिससे यह समस्या उत्पन्न हो रही है। उन्होंने नगर पालिका से मांग की है कि तत्काल पाइपलाइन की जांच कराई जाए, लीकेज को दुरुस्त किया जाए और वार्डवासियों को स्वच्छ व सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जाए।

सूने मकान का ताला तोड़कर लाखों रु के जेवर किए थे पार

नगेश नगर में 4 दिन पूर्व चोरी करने वाले 3 आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने चोरों के पास से जप्त किए, करीब 2 लाख 50 हजार रु. के जेवर ,निकाला जुलूस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पिछले दिनों नगर के वार्ड नंबर 01 गणेश नगर स्थित एक सुने मकान का ताला तोड़कर लाखों रुपए के गहने चुराने वाले 3 आरोपियों को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जिनके पास से चोरी के करीब 2,50,000 रुपए के जेवर सहित अन्य सामग्री बरामद कर आरोपियों को न्यायालय में पेश कर उन्हें जेल भेजा गया है।बताया गया कि 19 जनवरी की रात्रि गणेश नगर बालाघाट में इन आरोपियों ने, किराए के मकान में रहने वाली मनोज बाई उइके के सुने घर पर का ताला तोड़कर चोरी की उक्त घटना को अंजाम दिया था। जिसमें चोरों ने घर मे रखे सोने चांदी के जेवरात चुराकर भाग गए थे।जिसकी शिकायत फरियादिया द्वारा 20 जनवरी को कोतवाली पुलिस को दी गई थी।जहा महिला से उक्त शिकायत मिलने पर 4 दिनों के भीतर कोतवाली पुलिस ने इस मामले से जुड़े 03 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।जिन्हें शनिवार शाम मौके पर ले जाकर पुलिस ने चोरी का सीन क्रिएट कराया।इस दौरान आरोपियों ने अपने जुर्म को कबूल कर लिया है। जिस पर पुलिस ने आरोपियों का जुलूस निकाला और आवश्यक कार्यवाही कर तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया। जहां से उन्हें न्यायालयीन अभिरक्षा में जिला जेल भेजा गया है।

आरोपियों में इनका शमावेश

सुने घर का ताला तोड़कर चोरी की इस वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों में गंगा नगर बूढ़ी वार्ड नं 13 निवासी अमित पिता गोपीचंद गेड़ाम, धर्मेंद्र उर्फ सरूप पिता शेषराम कावरे, और इंदिरा नगर वार्ड नं 24 निवासी अंशुल पिता राकेश पटले के नामो का शमावेश है। जहां पुलिस ने इस मामले में आरोपी अमित गेड़ाम के पास से 2 नंग, सोने जैसी धातु के टॉप्स, 4 नंग नंग, सोने जैसी धातु की पत्ती, और 1नंग, चाँदी जैसी धातु का करधन, जप्त

किया है।तो वही बूढ़ी गंगानगर वार्ड नं 13 निवासी आरोपी धर्मेन्द्र उर्फ सरूप कावरे के पास से पुलिस ने 4 नंग, सोने जैसी धातु की पत्ती, 01 नंग नथ, एक बड़ी अनूठी,1नंग, चाँदी जैसी धातु की पिचकी हुई मूर्ति बरामद की है।जबकि तीसरे आरोपी अंशुल पटले के पास से पुलिस ने 01 नंग, सोने जैसी धातु से बनी गले की चैन, 04 नंग, चाँदी जैसी धातु की पायल,और 01 नंग, सोने जैसी धातु की बनी अंगूठी बरामद की है।जिसकी कुल कीमत 2 लाख 50 हजार रु बताई गई है।

घर पर ताला लगाकर सिवनी गया था परिवार

प्राप्त जानकारी के अनुसार 20 जनवरी को प्रार्थिया मनोज बाई उइके ने कोतवाली थाने आकर शिकायत दर्ज कराई थी कि वे घर पर ताला लगाकर 19 जनवरी को किसी काम से परिवार के साथ सिवनी गई हुई थी।उसी रात उनके किराये के मकान वार्ड नं. 01 गणेश नगर बालाघाट से सुने घर में किसी अज्ञात चोर द्वारा घर का ताला तोड़कर घर मे प्रवेश कर सोना चांदी के जेवरात कुल किमती 2,50,000/- रूपये के चोरी कर ले गया है।उक्त रिपोर्ट पर थाना कोतवाली बालाघाट में पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धारा 305(ए), 331(4) बीएनएस का पंजीबद्ध कर मामला जाच में लिया गया था।उधर कोतवाली पुलिस द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में गठित टीम द्वारा सीसीटीव्ही कैमरो एवं विश्वसनीय मुखबिर के माध्यम से लगातार आरोपियों की तलाश की जा रही थी।इसी दरमियान संदेह के आधार पर पुलिस ने इन तीनो आरोपियों को पकड़कर पूछताछ शुरू की जिंसमे आरोपियों ने प्रार्थिया मनोज बाई उइके के घर से दिनांक 19-20 जनवरी 2026 की दरमियानी रात्री में चोरी करना स्वीकार किया।इस पर पुलिस ने आरोपियों के चोरी का कुल किमती 2,50,000 रु का माल बरामद कर जप्त किया गया।वही गिरफ्तार आरोपियों को ज्यूडिसियल रिमाण्ड पर माननीय न्यायालय पेश किया गया।

आरोपियों को गिरफ्तार करने में इनकी रही सराहनीय भूमिका

चोरी के उक्त मामले में आरोपियों को गिरफ्तार करने में थाना प्रभारी निरीक्षक कामेश धुमकेती, उनि संजय किरार, सउनि . अजय डहेरिया, प्रआर गजेन्द्र माटे, आर. शेख शहजाद, आर. प्रियांक श्रीवास, आरक्षक देवेन्द्र तुरकर, आर. अवधेश बघेल, आरक्षक सुशील धुर्वे की सराहनीय भूमिका रही।

नशे का शौक पूरा करने की थी चोरी- वैशाली सिंह

मामले को लेकर आयोजित पत्रकारवार्ता में सीएसपी वैशाली सिंह ने बताया कि वार्ड नंबर 1 गणेश नगर निवासी एक महिला ने 20 जनवरी को आकर शिकायत की थी, कि दो दिन पूर्व घर मे ताला लगाकर वे सिवनी गई थी, जब वहां से वापस आई तो उनके घर का ताला टूटा हुआ था और घर के भीतर बिटिया की शादी के लिए जमा करके रखे गए सोने चांदी के जेवरात नहीं थे, करीब 2,50,000 रुपए के जेवरात होना उन्होंने बताई थी। महिला की शिकायत पर सीसीटीवी कैमरो की फुटेज तलाशी गई वहीं मुखबिरों से भी पता लगाया गया, जिसमें मुंह में कपड़ा बांधकर तीन आरोपियों द्वारा चोरी की उक्त घटना को अंजाम दिए जाने की जानकारी मिली। संदेह के आधार पर तीन आरोपियों को पकड़ कर उनसे पूछताछ की गई जिसमें आरोपियों ने अपना जुर्म कुबूल कर लिया।जिसपर आरोपियों के पास से चोरी का माल बरामद कर लिया गया है इसमें एक आरोपी के ऊपर पूर्व से मारपीट का अपराध दर्ज है, जबकि दो आरोपियों पर किसी प्रकार का अपराध सामने नहीं आया है। ये आरोपी डेकोरेशन में मजदूरी का काम करते थे और नशे के आदि थे, संभवत नशे के शौक पूरा करने के लिए उन्होंने चोरी की उक्त घटना को अंजाम दिया होगा। इसके पहले की आरोपी जेवर को बेचते,उसके पूर्व ही पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

नगरपालिका ने कराया वैनगंगा नदी पर स्टापडेम निर्माण का कार्य प्रारंभ

नपाध्यक्ष ने किया निरीक्षण, नगर में जलप्रदाय के लिये होगा जलसंचय

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रतिवर्ष की तरह नगर पालिका परिषद बालाघाट द्वारा अस्थाई स्टापडेम का निर्माण इस बार भी प्रारंभ कराया गया है। 24 जनवरी को नपाध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर ने स्टापडेम कार्य का निरीक्षण किया और समय पर कार्य को पूर्ण किये जाने के निर्देश दिये। इस दौरान उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, सभापति कमलेश पांचे, इंजीनियर ज्योति मेश्राम, जल शाखा प्रभारी शिव तथा कर्मचारियों की उपस्थिति रही।

सिंचाई विभाग के नियमों के अनुरूप होता है स्टापडेम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नपाध्यक्ष भारती सुरजीतसिंह ठाकुर ने बताया कि नागरिकों के द्वारा सुझाव दिया जा रहा था कि जल्दी स्टापडेम का निर्माण क्यों नहीं किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह तकनीकी रूप से जांच-परखने के बाद ही किया जाता है जब तक नदी की धार कम नहीं होती हैं तब तक बंधान का कार्य किया जाना संभव नहीं होता है। चूँकि वैनगंगा नदी स्थित भीमगढ़ बांध से सिंचाई के लिये पानी छोड़ा जाता है जिससे नदी के धार तेज हो जाती है जिसके परीक्षण के उपरांत नदी का प्रवाह कम होने पर स्टापडेम निर्माण प्रारंभ कराया गया है। नपाध्यक्ष ने बताया कि कई लोगों द्वारा स्थाई स्टापडेम को लेकर सुझाव दिये जाते है किंतु यह संभव नहीं है क्योंकि सिंचाई विभाग के नियमों के अनुरूप ही स्टापडेम का निर्माण करना होता है जिसे समय पर बांधना और खोलना भी आवश्यक रहता है इसलिए स्थाई स्टापडेम का निर्माण नहीं कराया जा सकता है। नपाध्यक्ष ने बताया कि यह स्टाप डैम में सँचित होने वाले पानी से आज ना सिर्फ बालाघाट शहरी बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी पर्याप्त रूप से नदी का जल पहुंच रहा है।

जल को व्यर्थ ना बहाये-महत्व समझें-नपाध्यक्ष

निरीक्षण के दौरान नपाध्यक्ष ने जल विभाग एवं इंजीनियर्स से स्टापडेम के विषय में जानकारी ली जहां बताया गया कि स्टापडेम का निर्माण प्रारंभ हो चुका है लोगे कि प्लेट फंसाकर बोरियां रखी जा रही है और नियमिति रूप से काम चलेगा। जिसपर नपाध्यक्ष ने समय से स्टापडेम कार्य को पूर्ण किये जाने के लिये निर्देशित किया। इस दौरान नगरवासियों से अपील करते हुए नपाध्यक्ष ने कहा कि जल हमारे जीवन की अहम उपयोगिता है इसका संरक्षण करना सभी की जिम्मेदारी है। अनावश्यक जल को व्यर्थ ना बहाये बल्कि इसका महत्व समझें और जागरूकता तथा छोटे-छोटे प्रयासों से जल संचय किया जा सकता है। जबकि नपाध्यक्ष ने नवीन भवन निर्माण कार्य में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग को लेकर भी आग्रह किया। जल ही जीवन है जल है तो कल है।

लोहे की रॉड से सिर पर वार, गंभीर रूप से घायल युवक जिला अस्पताल में भर्ती

ग्राम नैतरा में युवक पर जानलेवा हमला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना अंतर्गत ग्राम नेतरा में बीती रात एक युवक पर लोहे की रॉड से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। रुपए के लेन-देन को लेकर हुए विवाद में एक युवक ने अपने ही गांव के युवक पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल युवक अतुल पिता रूपलाल शेंडे 23 वर्ष ग्राम नेतरा निवासी को उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल युवक अतुल शेंडे ग्राम नेतरा निवासी बालाघाट में एक दुकान में काम करता है। गांव के ही रंजीत लिल्हारे के साथ उसका लंबे समय से पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद चल रहा था, जिस कारण रंजीत अतुल से रंजिश रखे हुए था। घटना 23 जनवरी की रात लगभग 9:30 बजे की है। काम खत्म करने के बाद अतुल अपने एक दोस्त के साथ मोटरसाइकिल से बालाघाट से ग्राम नेतरा पहुंचा। गांव के गोवर्धन चौक से वह पैदल अपने घर की ओर जा रहा था, तभी पहले से घात लगाए बैठे रंजीत लिल्हारे ने अचानक अतुल पर हमला कर दिया और उसके सिर पर लोहे की रॉड से जोरदार वार कर दिया।हमले के बाद घायल अतुल किसी तरह वहां से भागने लगा, लेकिन रंजीत लिल्हारे के साथ अभिषेक नगपुरे सहित अन्य लोगों ने उसका पीछा किया। बड़ी मुश्किल से अतुल अपनी जान बचाकर घर पहुंचा और पूरी घटना अपने चाचा साहेबलाल को बताई। इसके बाद अतुल अपने चाचा के साथ रिपोर्ट दर्ज कराने बालाघाट ग्रामीण थाना पहुंचा। पुलिस ने प्राथमिक जानकारी लेने के बाद अतुल को पहले इलाज कराने की सलाह दी। घायल युवक को जिला अस्पताल बालाघाट ले जाया गया, जहां उसका उपचार किया गया। वहीं जिला अस्पताल पुलिस चौकी ने अतुल का बयान दर्ज कर अस्पताल तहरीर आगे की कार्रवाई के लिए ग्रामीण थाना भेज दी है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

डिपों में नही है जलाऊ लकड़ी, ग्रामीणजन हो रहे परेशान

क्षेत्रीयजनों ने डिपों में जलाऊ लकड़ी के चट्ठे उपलब्ध करवाने की वन विभाग से की मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय के तहसील कार्यालय के समीप स्थित वन विभाग के डिपों में लंबे समय से जलाऊ लकड़ी एवं बांस नही मिलने के कारण क्षेत्रीयजनों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि क्षेत्रीयजनों को दहसंस्कार, तेरहवीं, बारसा, वैवाहिक कार्यक्रम सहित अन्य बड़े कार्यक्रमों में जलाऊ लकड़ी के साथ ही अन्य कार्य के लिए बांस की अत्यंत आवश्यकता होती है परन्तु वन विभाग के द्वारा जलाऊ लकड़ी के चट्ठे व बांस की व्यवस्था डिपों में नही की गई है। जिसके कारण क्षेत्रीय व आमजनों में वन विभाग के प्रति आक्रोश व्याप्त है। वहीं वर्तमान में वैवाहिक कार्यक्रमों का दौर जारी है और जिस परिवार में शादी व अन्य बड़े कार्यक्रम है उन्हे जलाऊ लकड़ी की जरूरत पड़ रही है। लेकिन वन विभाग के डिपों में जलाऊ लकड़ी नही मिलने के कारण महंगे दामों में अन्य स्थानों से लकड़ी लाने मजबूर है जिससे उन्हे आर्थिक परेशानियों से भी जुझना पड़ रहा है। क्षेत्रीयजनों ने वन विभाग के डिपों में जल्द जलाऊ लकड़ी उपलब्ध करवाकर लकड़ी के चट्ठे दिये जाने की मांग की है।

जलाऊ लकड़ी के चट्ठे नही मिलने से क्षेत्रीयजन परेशान, जिम्मेदार मौन

आपको बता दे कि क्षेत्रीयजनों को जलाऊ लकड़ी एवं बांस, बल्ली उपलब्ध करवाने के लिए शासन के द्वारा वन विभाग के माध्यम से डिपों में जलाऊ लकड़ी रखकर चट्ठे के माध्यम से उन्हे निर्धारित दर से उपलब्ध करवाया जाता है। लेकिन दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा के तहसील कार्यालय के समीप स्थित डिपों में विगत माह से जलाऊ लकड़ी, बांस उपलब्ध नही है, जिसके कारण लालबर्रा क्षेत के लोग जलाऊ लकड़ी के लिए परेशान हो रहे है। जबकि दहसंस्कार, तेरहवीं, बारसा, वैवाहिक कार्यक्रमों में जलाऊ लकड़ी की आवश्यकता पड़ती है और वर्तमान समय में वैवाहिक कार्यक्रमों का दौर जारी है एवं जिनके परिवार में शादी है वे लोग जलाऊ लकड़ी के लिए डिपों में पहुंच रहे है। लेकिन जलाऊ लकड़ी नही होने के कारण उन्हे परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस तरह से जिन लोगों को जलाऊ लकड़ी की आवश्यकता है वे विगत दिवस से डीपों का चक्कर लगा रहे है किन्तु वन विभाग के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिससे लोगों में आक्रोश व्याप्त है और डिपों में जल्द जलाऊ लकड़ी व बांस उपलब्ध करवाने की मांग प्रशासन से की है। वहीं क्षेत्रीयजनों का कहना है कि डिपों में जलाऊ लकड़ी व बांस के लिए विगत दिनों से चक्कर लगा रहे है परन्तु लकड़ी के चट्ठे व बांस उपलब्ध नही है और जब डिपों में आते है तो कहा जाता है कि जल्द लकड़ी व बांस आ जायेगी परन्तु अब तक नही आ पाई है। साथ ही जब किसी की मृत्यु होने पर उसके दह संस्कार व अन्य बड़े कार्यक्रमों के लिए लकड़ी की अत्यंत आवश्यकता होती है परन्तु डिपों में समय पर लकड़ी नही मिलने के कारण महंगे दामों में अन्य स्थानों से खरीदना पड़ रहा है। आगे कहा कि गैस के दाम बढ़ने के कारण जलाऊ लकड़ी की मांग बढ़ चुकी है और बड़े लोग कही से भी लकड़ी व बांस खरीद सकते है परन्तु गरीब व मध्यम वर्ग के लोगों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है इसलिए शासन-प्रशासन से मांग है कि डिपों में जल्द जलाऊ लकड़ी के चट्ठे व बांस उपलब्ध करवाये ताकि क्षेत्रीयजनों को समय पर जलाऊ लकड़ी मिल सके।

इनका कहना है-

डिपों में जलाऊ लकड़ी व बांस उपलब्ध करवाने की डिमांड भेंजी गई है और पूर्व में कुछ ग्रामीणों ने जलाऊ लकड़ी के चट्ठे की मांग की भी है। जल्द ही डिपों में जलाऊ लकड़ी व बांस उपलब्ध हो जायेगें जिसके बाद क्षेतीयजनों को शासन के मापदण्ड की दर के अनुसार चट्ठे वितरित किये जायेगें।

श्रीमती सीता भलावी
रेंजर
दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा।

हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा गणतंत्र दिवस - हन्फी

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय में ब्लाक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा एवं खमरिया के संयुक्त तत्वाधान में 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा।

चर्चा में नगर कांग्रेस कमेटी लालबर्रा नवनियुक्त अध्यक्ष अमीनुद्दीन हन्फी ने बताया कि शुक्रवार को विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे की उपस्थिति में ब्लाक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा एवं खमरिया की बैठक संपन्न हुई। जिसमें गणतंत्र दिवस पर्व मनाने की रूपरेखा तैयार की गई है। आगे बताया कि 26 जनवरी को प्रात: 8 बजे पूर्व गृहमंत्री पुज्य पंडित नंदकिशोर शर्मा के प्रतिमा प्रांगण में वरिष्ठ कांग्रेसी ज्ञानचंद शर्मा, मनोज शर्मा के द्वारा ध्वजारोहण किया जायेगा। इसी तरह सेवादल स्थल गुजरी चौक लालबर्रा में प्रात: 8.15 बजे सेवा दल ब्लाक अध्यक्ष मथुरा बिसेन, पिछड़ा वर्ग कांग्रेस कृषि उपज मंडी (गंज) प्रांगण में प्रात: 8.30 बजे मनीष कुशवाहा जिला अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग कल्याण बालाघाट के द्वारा ध्वजारोहण किया जायेगा। गांधी चौक बस स्टैण्ड में प्रात: 8.45 बजे जनपद पंचायत द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सभी कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित होगें। जिसके बाद गांधी टेक थाने के सामने प्रात: 9 बजे विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे, ब्लाक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा अध्यक्ष मनीराम भोयर के द्वारा ध्वजारोहण किया जायेगा तत्पश्चात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के संदेश का वाचन नगर कांग्रेस अध्यक्ष अमीनुद्दीन हन्फी के द्वारा किया जायेगा। इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी के समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील श्री हन्फी ने की है।

महाविद्यालय में राष्ट्रीय मतदाता दिवस की दिलवाई गई शपथ

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में शुक्रवार को राष्ट्रीय मतदाता दिवस की थीम " मेरा भारत मेरा वोट" के तहत 16 वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर मतदाता दिवस शपथ कार्यक्रम एवं बसंत पंचमी मनाया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सुमन बरवा की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। तत्पश्चात व्याख्यान माला कार्यक्रम आयोजित किया गया। वहीं 25 जनवरी को 16 वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस कि थीम "मेरा भारत मेरा वोट" के तहत 16 वॉ राष्ट्रीय मतदाता दिवस है। उस दिन अवकाश होने के कारण सामान्य प्रशासन द्वारा 23 जनवरी को इस कार्यक्रम को किये जाने के निर्देश दिये गये थे। जिसके परिपालन में लालबर्रा महाविद्यालय में मतदाता दिवस शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सुमन बरवा द्वारा महाविद्यालय के स्टॉफ एवं विद्यार्थियों को मतदाता दिवस की शपथ दिलवाई गई। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में ई.एल.सी क्लब के नोडल डॉ. संगीता मेश्राम, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार भिमटे, महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत, डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम, डॉ. देवराज चौरे, श्रीमती संध्या परते, डॉ. ऋषिकेश पटेल, मनीष शिवहरे, डॉ. आशीष बागड़े, डॉ. कामाक्षा बिसेन, श्रीमती अनिभा शरणागत, डॉ. आशा कारे, डॉ. आरती विश्वकर्मा, दीपक अहिरवार, यादोराव राजुरकर, व्यंकट नगपुरे, श्रीमती सरिता एड़े, पितम मुरते, लकेश गेडाम, रामदयाल मथारे, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर एवं विद्यार्थियों की महत्वपूर्ण भूमिका एवं सहभागिता रही।

18 हितग्राहियों को अंत्येष्टि सहायता राशि एवं 7 आंगनवाडी केन्द्र को प्रदान की गई सामग्री

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी लालबर्रा में शुक्रवार को बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के हस्ते अनेक कार्य सम्पन्न हुए। जिसमें सर्वप्रथम क्षेत्रीय विधायक द्वारा ग्राम पंचायत पांढरवानी लालबर्रा अंतर्गत सिंधी मोहल्ला वार्ड नंबर 10 में सीमेंट कांक्रीट सड़क व नाली निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। साथ ही हितग्राहियों को अंत्येष्टि सहायता राशि के चेक एवं 7 आंगनवाड़ी केन्द्र को सामग्री प्रदान की गई। चर्चा में पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि सिंधी मोहल्ला में 15 वित्त आयोग मद से स्वीकृत किये गये सीसी सड़क व नाली निर्माण किया जाना है, जिसका भूमिपूजन किया गया है। जिसके बाद पांढरवानी पंचायत भवन में विधायक श्रीमती मुंजारे के हस्ते 18 हितग्राहियों को अन्त्येष्टि सहायता योजना अंतर्गत 5-5 हजार रूपये यानि 90 हजार रूपये प्रदान किये गये है। साथ ही विधायक अनुभा मुंजारे द्वारा ग्राम पंचायत पांढरवानी लालबर्रा की सभी सात आंगनवाड़ी केन्द्र को वेट मशीन, कुर्सी, टेबल, पर्दा, गिलाफ, अलमारी, बीपी मशीन सहित सामग्री प्रदान की गई है। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मनीराम मुन्ना भोयर, साधुराम फत्रवानी, नितिन सांखला, शैलेश केकती, गणेशीबाई जेवरानी, सविता साहू, संजय जेवरानी, लक्ष्मी वाघाडे, गणेश मोहबे, विकास तिवारी, मनोहर जेवरानी, ऋतिक कटारे, राजकुमार जेवरानी, गोलू फत्रवानी, रणधीर सेंगर, मक्काम नागपुरे, दीपक जेवरानी, जैकी जेवरानी, रामनाथ सोनी, सलीम खान, जीतू मोहबे, राजू मेहरबान, चैन लाल श्रीवास, अशोक जैन पंचायत इंस्पेक्टर खिलेंद्र सोनवंशी, श्री पारधी पंचायत समन्वयक, मथुरा बिसेन, अमीनुद्दीन हन्फी, रूपसिंह उईके, पन्नालाल गौतम, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता, ए एन एम, सहित सरपंच अनीस खान, सचिव कृष्णा पंचेश्वर एवं पंचायतकर्मी उपस्थित रहे।

जबलटोला के गायत्री प्रज्ञापीठ मंदिर में 41 वां वार्षिकोत्सव एवं पांच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में गायत्री परिवार के विचार अनुसार देवत्त के उदय और धरती पर स्वर्ग के अवतरण के संकल्प को लेकर चल रहे युग निर्माण योजना के तत्वाधान में बने गायत्री प्रज्ञापीठ मंदिर जबलटोला का दो दिवसीय 41 वाँ वार्षिकोत्सव एवं पांच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ कार्यक्रम 24 जनवरी को जबलटोला के गायत्री प्रज्ञापीठ मंदिर में पूज्य वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य एवं परम वंदनीय माता भगवती देवी शर्मा के दिव्य सूक्ष्म संरक्षण में भक्तिमय, धार्मिक माहौल में संपन्न हुआ। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में 23 जनवरी को गायत्री मंदिर प्रांगण से दोपहर में कलश यात्रा निकाली गई। यह कलश यात्रा माँ गायत्री के गीतों के साथ पूरे ग्राम में भ्रमण किया। जिसके बाद शाम में ग्राम के सभी घरों की मातृ शक्तियों द्वारा आरती लेकर गायत्री मंदिर पहुंच पहुंचे जहां रात 9 बजे दीपदान कार्यक्रम कर सामूहिक आरती की गई। वहीं 24 जनवरी को प्रात: 5 बजे माँ गायत्री के प्रतिमा स्थल के जीर्णोद्वार स्थल पर गायत्री परिवार के वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि विधान से मां गायत्री की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा पुन: की गई है। जिसके बाद दोपहर 1 बजे से शाम 6 बजे तक पांच कुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं विभिन्न संस्कार संपन्न करवाये गये। जिसमें मुंडन संस्कार में 11 बच्चे, विद्या आरंभ संस्कार में 4 बच्चे शामिल हुए। इस तरह से पांच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ में विभिन्न संस्कार संपन्न करवाये गये तत्पश्चात मंच पर विराजमान गायत्री परिवार की टोली व ग्राम के समस्त युवा, बच्चें, माता बहनें, बुजुर्ग की उपस्थिति में पांचों कुंड में पूर्णाहुति कर मां गायत्री की सामूहिक आरती की गई तत्पश्चात महाप्रसादी का वितरण कर दो दिवसीय 41 वां वार्षिकोत्सव एवं पांच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का समापन किया गया। वहीं कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों ने कहा कि व्यक्ति के जीवन को खुशहाल एवं परिवार को संस्कारवान सुखी-समृध्द बनाने हेतु दिशा धारा एवं सत्यमार्ग पर चलने हेतु प्रेरणा देने गायत्री परिवार द्वारा यह धार्मिक आयोजन किया जाता है। इसलिए सभी से अपील है कि आध्यात्मिकता एवं सत्य के मार्ग पर चलकर स्वस्थ जीवन जीये और पूज्य वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य एवं परम वंदनीय माता भगवती देवी शर्मा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाये। इस अवसर पर गायत्री प्रज्ञापीठ मंदिर जबलटोला के पदाधिकारी एवं श्रध्दालु जन बड़ी संख्या में पहुंचे।

गणतंत्र दिवस की परेड के लिए विद्यार्थियों का रिहर्सल जारी

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित सांदीपनी स्कूल लालबर्रा में राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस की तैयारी जारी है और स्कूल के छात्र-छात्राओं के द्वारा परेड की सलामी की रिहर्सल की जा रही है। स्कूल के खेल मैदान में शिक्षक सुनील बाहेश्वर के द्वारा स्काउट एवं स्कूल के अन्य छात्र-छात्राओं को परेड का रिहर्सल करवाया जा रहा है ताकि आगामी 26 जनवरी को होने वाले कार्यक्रम में वे परेड की सलामी लेगें। वहीं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी तैयारी की जा रही है। इसी तरह 26 जनवरी गणतंत्र दिवस को लेकर सभी सरकारी और गैर सरकारी संस्थाओं में तैयारी जारी है। साथ ही स्कूलों में गणतंत्र दिवस को लेकर परेड में शामिल छात्र-छात्राओं के द्वारा पूर्वाभ्यास किया जा रहा है, जिसकी तैयारी अंतिम चरण में है।

वन्दे मातरम्

समस्त क्षेत्रवासियों को
गणतंत्र दिवस की अनंत शुभकामनाएं...

-:शुभकामनाओं सहित:-

अधिवक्ता संदेश इंदुरकर

उपाध्यक्ष, अधिवक्ता संघ लालबर्रा

'-47 .) 3707853/9)

3707853/9 / ' 7.% % % 7- 7.% -6'29 70 85 '7 6 -7 0 -6'29 82.7+/76 76) 67 ' 7!/7 95,73/750E77 .3 &7/696A/5+/9 6 6 676 70A 2A 8%8'/ 7/7 7/7 0066) 8 6 ' 7!/7 7 ,. 2 76 7 F.A8 82.7 0082 .75 !9372 8 59 ,9 - /69 +/7 6) -A!057 8 2 578 2 72 &7/ 0 ,9 ,9 ' 7!/7 %6A 0 82.7 5 /9 /72 - ,9 75 5 %7 6) 369 -%+7 5 70 9 ' 7!/7 ,9 78!% 6A 968 %8/-7 7 59 383,7 707 5 0 A 577/ /6982.7 .7 6) 8 5 7 8077- 6 8 2A A A

04778/.A 757-/7 0/7 #0676)

82.7 06 .68 &8%

ग्राम पंचायत सिकंद्रा से मेहदुली मार्ग पर पढ़ने वाले नाले पर उच्च स्तरीय पुलियां का निर्माण बीते कुछ वर्ष पूर्व किया गया था। जहां से वर्तमान में बिजली सहित आसपास के विभिन्न ग्राम पंचायत के लोग प्रतिदिन नगर मुख्यालय आने के लिए इस मार्ग का चयन करते हैं। ऐसे में यह जो पुलियां बना हुआ है उसके सिकंद्रा वाले छोर पर हल्की टर्निंग है परंतु ढलान होने से लोग तेज गति से आगे बढ़ते हैं। तो वहीं मेहदुली वाले छोर पर अंधा मोड बना हुआ है कई बार तो मोटरसाइकिल चालक के सामने अचानक मोटरसाइकिल आ जाती है। जिससे वह खेत में घुस जाता है तो वहीं दोनों तरफ सडके पुलियां के एक साइड से जोड़ दी गई है । हालांकि दिन में सुरक्षित आवागमन हो जाता है परंतु सर्वाधिक समस्या रात्रि के समय होती है क्योंकि वहां प्रकाश व्यवस्था नहीं हैं। रोड के किनारे वाले पुलियां के छोटे भाग से वाहन अनियंत्रित हो जाते हैं तो वही अंधेमोड़ में भी वाहन अनियंत्रित हो जाते हैं जिस कारण कई बार दुर्घटनाएं भी घटित होती है। जिस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया है वहीं पुलिया पर एक्सीडेंट की स्थिति में वाहन और व्यक्ति को रोकने के लिए रेलिंग या सेफ्टीवाल नहीं बनाई गई है। केवल ९ इंची के पिलर बना दिए गए हैं जहां नाले की गहराई करीब १० फीट से अधिक है। सभी ग्रामीणों को समस्या का सामना करना पड़ रहा है, ऐसे में रहागीर एवं ग्रामीणों के द्वारा पुलिया पर व्यवस्थित सुरक्षा के इंतजाम करने की मांग की जा रही है ताकि दुर्घटना में भी लोग सुरक्षित रह सके।

082 70 747 .3 &7 +/7/7 8% 734. 6 -647

ग्रामीण महेश पंचेश्वर ने बताया कि यहां से आना जाना करने में दिक्कत हर किसी को होती है। सामने मेहदुली की टर्निंग का भी घातक है इधर से बाइक जाती है तो सामने अचानक गाड़ियां आ जाती है। ऐसे में मोड़ने जगह नहीं रह पाती और कभी भी दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। वहां अंधा मोड़ बना है जो सबसे बड़ी समस्या है कई बार लोग सीधा खेत में घुस जाते हैं। यहां पर जबकि एंगल रेलिंग लगाना था या सेफ्टी वाल बनाना था ताकि लोग सुरक्षित रह सके और नाले में ना गिरे। वहीं बरसात में भी आने जाने में यह काम आता परंतु यहां पर आज सुरक्षा के रूप में कुछ नहीं है सबका भगवान मालिक है। हम यही चाहते हैं कि प्रशासन इस विषय पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए सुरक्षा व्यवस्था बनायें।

082 /69 67/ 5 ' 7! /7 67/ 9 09 5, R

आवश्यकता है
वारासिवनी कार्यालय में
केबल में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता
- संपर्क करें -
पद्मेश सिटी केबल
बस स्टेण्ड, वारासिवनी

इक्कसवीं सदी में निराशा के नए कर्तव्य

● अरुण कुमार त्रिपाठी

आज के चौंसठ साल पहले डॉ राम मनोहर लोहिया ने नैनीताल में 23 जून 1962 को एक व्याख्यान दिया था, जिसका शीर्षक था 'निराशा के कर्तव्य'। उनका कहना था कि उन्हें काफी समय से तीन तरह की निराशा है। एक राष्ट्रीय निराशा, दूसरी अंतरराष्ट्रीय निराशा और तीसरी मानवी निराशा। उनके इस व्याख्यान को आज नए सिरे से पढ़ने और उसकी नए संदर्भों में व्याख्या करने की आवश्यकता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया में जिस तरह अमेरिकी साम्राज्यवाद का डंका बजाना शुरू कर दिया है उसे देख कर लगता है कि अंतरराष्ट्रीय निराशा ज्यादा प्रबल है। हमें पहले उसी से लड़ना और सोचना चाहिए। लेकिन अपने देश में अधिनायकवाद, घृणा और नागरिक अधिकारों का दमन जिस पैमाने पर हो रहा है उसे देखकर लगता है कि इसी से लड़ना जरूरी है। तीसरी निराशा मानव के स्वभाव को लेकर है। उसके भीतर करुणा, बंधुत्व, बराबरी और स्वतंत्रता की भावना का जिस तरह से लोप होता गया है उससे तो लगता है पहले उसी को जगाया जाना चाहिए।

यह दुविधा पिछली सदी में भी थी और इस सदी में भी है कि हमें अन्यायी ताकतों के आगे झुककर अपना काम निकालना चाहिए या उसका प्रतिरोध करके उससे लड़ना चाहिए। भारत में बीसवीं सदी में भी वैसी शक्तियां थीं जो कहती थीं कि अंग्रेजों की औपनिवेशिक सत्ता से टकराने से कुछ नहीं होगा। वे बहुत न्यायप्रिय हैं और जो देते जाएं उसे लेते जाना चाहिए। संयोग से वे शक्तियां आज भारत में सत्ता में हैं। पाकिस्तान में सत्ता में हैं और बांग्लादेश में भी वैसी ही ताकतें सत्ता में आने की राह देख रही हैं। इसलिए आज अगर भारत सरकार का नेतृत्व वेनेजुएला की संप्रभुता पर हमला कर उसके राष्ट्रपति को गिरफ्तार करने का विरोध नहीं करता तो कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए। वह ईरान में खुमैनी की सत्ता के विरोध में चल रहे प्रदर्शन और उसमें अमेरिका और इजराइल के हस्तक्षेप पर कुछ नहीं बोलता इस पर आश्चर्य नहीं होता। वह सरकार जो राष्ट्र के आर्थिक हितों के आधार पर विदेश नीति बनाने का दावा करती है वह बिना कुछ बताए ईरान के चाबहार बंदरगाह से अपने को बाहर लेती है और भारत के हजार करोड़ रुपए के निवेश को डूब जाने देती है इस पर अवश्य आश्चर्य होता है।

हालांकि सरकार इस पर साफ तौर पर कुछ नहीं कह रही है। भारत से बेहतर तो वे युरोपीय देश हैं जो डेनमार्क के स्वायत्त क्षेत्र ग्रीनलैंड को अमेरिका द्वारा हथियाए जाने का विरोध कर रहे हैं। बर्फीली ठंड में भी ग्रीनलैंड के राजनैतिक दलों ने जोरदार प्रदर्शन किया और कहा कि वे अमेरिका का हिस्सा नहीं बनना चाहते। एक सर्वे में ग्रीनलैंड के 85 प्रतिशत लोगों ने कहा है कि वे अमेरिका में जाने के विरुद्ध हैं। जबकि 6 फीसदी लोग अमेरिका में मिलना चाहते हैं। यूरोपीय संघ के देश जो नाटो के भी सदस्य हैं उनमें डेनमार्क, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, नार्वे, स्वीडन नीदरलैंड यूनाइटेड किंगडम सभी अमेरिका के इस प्रयास के विरुद्ध हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रां ने कहा है कि उन पर किसी भी तरह की धमकी का असर नहीं होगा। न ही ग्रीनलैंड के मामले में और न ही युक्रेन के मामले में। युरोपीय संघ अपनी संप्रभुता से समझौता नहीं करेगा।

ग्रेट ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टामेर ने तो और भी सख्त बयान जारी किया है कि ऐसा कदम पूरी तरह से गलत है। यूरोपीय संघ ने कहा कि इस मामले में शुल्क लगाने से अमेरिका भी गरीब होगा और युरोपीय संघ भी। नाटो तो टूटेगा ही। जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति अपने इरादे पर कायम हैं और कह रहे हैं कि युरोप के आठ देश ग्रीनलैंड की यात्रा पर जाकर खतरनाक खेल खेल रहे हैं। अमेरिका तो 150 वर्षों से ग्रीनलैंड को खरीदना चाहता है।

इन सबसे ज्यादा विडंबना यह है कि भारत में व्यापक मध्यवर्ग इन घटनाओं का मजा ले रहा है। उसके मन में युद्ध की हिंसा और शक्ति के दमनकारी कृत्यों के प्रति भय और चिंता नहीं गजब का आकर्षण है। वह जिस तरह से अपने देश में विपक्षी दलों, अल्पसंख्यकों और किसानों, मजदूरों के दमन के प्रति उदासीन ही नहीं समर्थन में खड़ा रहता है उसी तरह से वह दुनिया में फैल रही अंतरराष्ट्रीय अराजकता और दुर्व्यवस्था के प्रति रोमांच का भाव पाले हुए है। यह वही वर्ग है जो देश या दुनिया में अन्याय के विरोध में लड़ने वालों को आंदोलनजीवी मानता है और चाहता है कि सरकारें उसे कुचल दें ताकि देश दुनिया में शांति रहे।

यह तबका आजादी के बाद देश में अन्याय के विरुद्ध हुए तमाम आंदोलनों को गैर जरूरी मानता है और कभी कभी तो आजादी के पहले के भी आंदोलनों को गैर जरूरी मानता है। उसका मानना है कि गांधीजी अधिक आंदोलन करते थे, इसीलिए मुस्लिम लीग और उसके नेता जिन्ना ने उनसे किनारा करके अलग देश मांगा और गांधी से नाराज अंग्रेजों ने उन्हें वह दे दिया।

ऐसे में सवाल यह है कि किया क्या जाए? एक तरीका तो यह है कि दुनिया में संप्रभुता और आत्मनिर्णय के अधिकार का सम्मान करने वाली जो अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था बनी थी उसकी रक्षा की जाए।

ट्रंप के नए साम्राज्यवादी रवैए से जो देश परेशान हैं वे पहल करके संयुक्त राष्ट्र जैसा ही कोई नया संगठन बना सकते हैं। युरोप में जो सरकारें ट्रंप के खिलाफ गोलबंद हो रही हैं वे अपनी गोलबंदी को दिखावटी न रहने दें बल्कि उसे ताकत प्रदान करें। लेकिन इसके लिए उन्हें रूस और चीन जैसा विस्तारवादी वर्ताव छोड़ना होगा। रूस को युक्रेन पर हमला रोकना और उसकी कब्जा की गई जमीनें वापस करनी होंगी। लेकिन यह संघर्ष ईरान में जमा हुआ खुमैनीवाद कर पाएगा इसमें संदेह है। हालांकि इसमें संदेह नहीं कि खुमैनीवाद ने भारत में उभर रहे हिंदुत्व के मुकाबले अधिक साम्राज्यवाद विरोधी चरित्र प्रदर्शित किया है। पर उसकी कट्टरता और अपने नागरिकों पर अत्याचार करने की परंपरा डराती है।

दूसरा तरीका पूरी दुनिया में बची खुली कम्युनिस्ट और समाजवादी ताकतों को एकजुट करके प्रतिरोध की नई ताकत खड़ी करने का है।

आज भी साम्राज्यवाद के विरुद्ध देश में समाजवादी ताकतों ने ही प्रतिरोध किया है। उसमें कम्युनिस्ट पार्टियां और ट्रेड यूनियन संगठन शामिल हैं। तीसरा तरीका वह है जो गांधी ने सुझाया था। वह तरीका लंबा है लेकिन हमें यह सोचना चाहिए कि इक्कीसवीं सदी न तो उन्नीसवीं और बीसवीं सदी की तरह सुस्ती से चलने वाली है और न ही उसका गांधी मोहनदास कर्मचंद जैसा होगा। गांधी का संघर्ष केवल ब्रिटिश साम्राज्यवाद के विरुद्ध नहीं था। वह हर किस्म के अन्याय के विरुद्ध था। वह यह नहीं चाहते कि अमेरिका और इजराइल का सैनिक आतंक मिटे और अयातुल्ला खामेनी के सुरक्षा बलों का आतंक कायम हो। इसलिए यह कहना उचित है कि गांधी सिर्फ भारत की आजादी की लड़ाई नहीं लड़ रहे थे बल्कि वे ब्रिटेन को भी औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति दिला रहे थे। उस लिहाज से भारत ही नहीं युरोप और अमेरिका को भी इक्कीसवीं सदी के लिए कोई गांधी चाहिए। ध्यान रहे गांधी कोई अलौकिक और असंभव व्यक्तित्व नहीं थे।

यहां पर डॉ लोहिया के उस कथन का उल्लेख करना आवश्यक है जो वे तत्कालीन कांग्रेस पार्टी के सत्ताधारियों के बहाने कहते थे। कांग्रेस पार्टी के नेताओं का कहना था कि गांधी का काम था अंग्रेजी राज को खत्म करना और हिंदुस्तान को आजाद कराना। इसके अलावा वे गांधी की बातों को एक अद्भुत और अलौकिक व्यक्ति की बातें बताकर यह साबित कर देते हैं कि वैसा काम तो गांधी कर सकते थे और अब वे आने वाले नहीं। निश्चित तौर पर देश और दुनिया को इस तर्क प्रणाली से बाहर निकलना होगा।

इससे भी बड़ी बात है अच्छाई को पहचानना और उसके प्रेरणा स्रोत की तलाश करना। वह कहां मिलेगी? वह कैसे मिलेगी? निश्चित तौर पर वह मानव की चिंतन प्रणाली में मिलेगी, उसके डीएनए में मिलेगी और उसके लिए तीव्र गति से भागने और मिसाइलों के प्रयोग से बाहर निकलकर धीमी गति से सोचना और कार्य करना होगा। उसमें मानव का कल्याण, उसकी भावी पीढ़ियों का कल्याण और इस ग्रह और उसके तमाम जीव जंतुओं के कल्याण के बारे में सोचना होगा।

निराशा के इस नए कर्तव्य के तौर पर हमें एक नैतिक आख्यान खड़ा करना होगा और उसके वाहक नैतिक साहस वाले मनुष्य तैयार करने होंगे। लोहिया को उम्मीद थी कि बीसवीं सदी के खत्म होने तक मनुष्य गैर बराबरी और नाइंसाफी से मुक्त हो जाएगा। हम उनके सपने को विफल न मानते हुए फिर से इस सदी में देख सकते हैं और ऐसा करने में किसी को कोई हर्ज नहीं होना चाहिए।

(गांधीवादी लेखक इन दिनों ग्वालियर में आईटीएम यूनिवर्सिटी में जनसंचार पढ़ाते हैं)

भारतरत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर की 102 जयंती पर विशेष

वर्तमान समय में जननायक की वैचारिक उपस्थिति

जननायक भारतरत्न कर्पूरी ठाकुर ऐसे ही महापुरुष हैं. समस्तीपुर जिले के एक निर्धन परिवार में पैदा होने के बावजूद उनके हौसले को कम करने में विपरीत परिस्थितियां भी विफल हो गयीं. एक प्रतिभाशाली छात्र के रूप में वे आगे बढ़ते गये और तमाम बाधाओं को पार कर अपनी पहचान बनायी. वह देश की आजादी की लड़ाई का दौर था. राजनीतिक क्षितिज पर महात्मा गांधी का प्रभाव छात्रों और युवकों को प्रेरित कर रहा था. कर्पूरी ठाकुर जैसे मेधावी युवक उस प्रभाव से अलग कैसे रहते. उन्होंने आंदोलन में हिस्सा लेना शुरू किया. पढ़ाई और लड़ाई साथ-साथ चली. किंतु जब आठ-नौ अगस्त, 1942 को महात्मा गांधी ने बंबई के कांग्रेस महाअधिवेशन में 'अंग्रेजों भारत छोड़ो' का नारा दिया तो छात्रों और युवकों ने स्कूल और कॉलेज का बहिष्कार कर दिया और आंदोलन में शामिल हो गये. कर्पूरी ठाकुर के राजनीतिक जीवन की यह पहली शुरुआत थी. आंदोलन में गिरफ्तारी हुई और जेल यातना झेलनी पड़ी. संघर्ष के पद पर बढ़ते गये और कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा, सन् 47 में आजादी मिलने के बाद 1952 में विधानसभा का पहला चुनाव हुआ और वह समस्तीपुर के ताजपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से सोशलिस्ट पार्टी के विधायक बने. उनके राजनीतिक जीवन पर महात्मा गांधी के अलावा आचार्य नरेंद्र देव, राम मनोहर लोहिया और जयप्रकाश नारायण का विशेष प्रभाव था. सादा जीवन और उच्च विचार के आदर्श पर चलते हुए उन्होंने जन-सेवा का व्रत अपनाया और आजीवन इसका पालन करते रहे. उनका संसदीय जीवन संघर्ष और सफलता का अनुपम उदाहरण रहा. वह लंबे समय तक विपक्ष में रहे और तीन बार सत्ता में रहने का भी अवसर मिला।

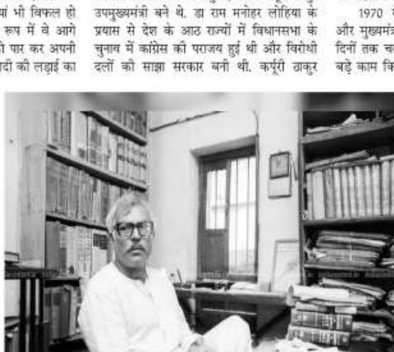

सबसे पहले सन् 1967 में बिहार में गैर कांग्रेसी सरकार का गठन हुआ, उसमें कर्पूरी ठाकुर उपमुख्यमंत्री बने थे. डा राम मनोहर लोहिया के प्रयास से देश के आठ राज्यों में विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस की पराजय हुई थी और विरोधी दलों की साझा सरकार बनी थी. कर्पूरी ठाकुर संसोपा (संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी) के नेता थे. वे उपमुख्यमंत्री और महामाया प्रसाद सिन्हा मुख्यमंत्री बने. गैर-कांग्रेसवाद का बिहार में पहला राजनीतिक प्रयोग में अनेक था, जिसमें संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी, जनसंघ, सीपीआइ, महामाया प्रसाद सिन्हा की पार्टी जन क्रांति दल आदि शामिल थे. इस सरकार ने जनहित महत्वपूर्ण कदम उठाये. मैट्रिक की परीक्षा में अंग्रेजी की अनिवार्यता समाप्त कर दी गयी. कुछ समय तक अंग्रेजी रहित मैट्रिक पास करने की प्रणाली उपहास में %कर्पूरी डिविजन% कहा जाने लगा था. परंतु यह %उपहास% गरीबों और कमजोर तबकों के लिए वरदान साबित हुआ. इससे ग्रामीण क्षेत्र के गरीब युवाओं को रोजी-रोटी का सहारा मिला.

1970 में कर्पूरी ठाकुर को अवसर दिया और मुख्यमंत्री बने. इस बार उनकी सरकार 160 दिनों तक चली, इस छोटी अवधि में उन्होंने तीन बड़े काम किये. सर्वप्रथम आठवीं तक की शिक्षा सबके लिए मुफ्त कर दी. दुसरा कदम उन्होंने किसानों के हित में उठाया और पांच एकड़ तक की कृषि भूमि पर मालगुजारी खत्म कर दी. उनका तीसरा कदम था-उर्दू को दूसरी राजभाषा का दर्जा दिया. यह तीन ऐसे काम थे, जिनका सकारात्मक संदेश समाज में गया और इसका लाभमिला. 1975 में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लागू कर दिया. जननायक कर्पूरी ठाकुर ने पहले भूमिगत रहकर आंदोलन को बढ़ाने का काम किया. बाद में गिरफ्तार हुए और जेल में डाल दिये गये. फिर सन् 1977 में आम चुनाव का समय आया. इस लोकसभा चुनाव में जननायक कर्पूरी ठाकुर जीत कर संसद पहुंचे।

1977 में बिहार के मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने मंडल कमीशन के अनुशंसाओं को लागू किया, जिसे कांग्रेस सरकार ने ठंडे बस्ते में डाल दिया था. यह उनका साहसिक कदम था, इस निर्णय के कारण उनकी सरकार पांच वर्षों का कार्यकाल पूरा नहीं कर पायी. 17 फरवरी, 1988 को जननायक कर्पूरी ठाकुर का असामयिक निधन भारतीय राजनीति के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

-रामनाथ ठाकुर (उनके बेटे और केंद्रीय मंत्री)

राजपाठ

सनातन पर सवाल

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का मुद्दा उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के सनातन वाले एजेंडे पर सवाल खड़े कर रहा है। ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद पिछले कई दिन से प्रयागराज के माघ मेले में अपने शिविर के बाहर धरना दे रहे हैं। उनके शिष्यों को मेला प्रशासन ने मौनी अमावस्या के अवसर पर मेले में शोभायात्रा नहीं निकालने दी। आरोप है कि उन पर लाठीचार्ज किया गया और उनकी चोटी खींची गई। विरोध में अविमुक्तेश्वरानंद ने मौनी अमावस्या पर संगम में स्नान भी नहीं किया। उन्होंने विरोध में धरना दिया और योगी सरकार की धर्म के प्रति निष्ठा पर सवाल उठाए तो उन्हें अफसरों से नोटिस भिजवाकर उनके शंकराचार्य होने का सबूत मांग लिया। इससे सनातन धर्म के उनके अनुयायियों में रोष है। विरोध में शंकराचार्य ने बसंत पंचमी को भी संगम में डुबकी नहीं लगाई। वे तेज बुखार के बावजूद धरने पर जमे हैं। पर मुख्यमंत्री योगी परोक्ष रूप से उन्हें %कालनेमि% बताकर उन पर हमला कर रहे हैं। जबकि उन्हीं के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने उनके चरणों में प्रणाम करने का बयान दिया है, जो अब कई सवाल खड़े कर रहा है। विपक्षी दलों से जुड़े धार्मिक समूह इस मुद्दे पर भाजपा सरकार को आड़े हाथों ले रहे हैं। सोशल मीडिया पर जंग छिड़ी हुई है, सो अलग। भाजपा आलाकमान भी चुप्पी साधे योगी की फजीहत देख रहा है।

साबित हुए समुद्र

स्थानीय निकाय चुनाव के नतीजों से देवेंद्र फडणवीस का कद और बढ़ा है। मराठा बहुल सूबे में ब्राह्मण होने के बावजूद वे सबसे कद्दावर नेता बन गए हैं। फडणवीस जब 2014 में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने थे, तो उनकी राष्ट्रीय पहचान नहीं थी। बाद में 2019 में भाजपा का शिवसेना से गठबंधन टूटा और उद्धव ठाकरे कांग्रेस व राकांपा की मदद से मुख्यमंत्री बन गए, तो फडणवीस कमजोर दिखने लगे थे। लेकिन तब फडणवीस ने एक शेर कहा था, 'मेरा पानी उतरता देख, मेरे किनारे पर घर मत बसा लेना /मैं समंदर हूं, लौटकर जरूर आऊंगा।' शिवसेना में बगावत कराकर उन्होंने उद्धव से तो हिसाब चुका ही लिया मजबूरी में उपमुख्यमंत्री की कुर्सी भी कबूल कर ली थी। विधानसभा चुनाव में महायुति के बावजूद भाजपा को अकेले ही बहुमत के करीब पहुंचा दिया और दूसरी बार मुख्यमंत्री बन गए तो उनका शेर चरितार्थ हो गया।

अध्यक्ष के नाम की गुत्थी

नितिन नवीन के भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद खबरों की दुनिया में काम करने वालों के बीच सबसे बड़ी चर्चा हुई कि इनका नाम नवीन लिखा जाए या नबीन। यह असमंजस कई जगहों पर बरकरार रहा। प्रधानमंत्री से लेकर पूर्व भाजपा अध्यक्ष जयप्रकाश नड्?डा तक ने उनके नाम को %नबीन% लिख कर बधाई दी थी तो बहुत से लोग नबीन लिख रहे थे। अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग नाम लिखे व छपे जाने के बाद भाजपा के केंद्रीय मीडिया प्रकोष्ठ की तरफ से बताया गया कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का नाम हिंदी में नवीन तो अंग्रेजी में नबीन लिखा जाना चाहिए। हालांकि अपने चुनावी हलफनामे में हिंदी में किए हस्ताक्षर में भाजपा नेता ने अपना नाम 'नवीन' ही लिखा है।

सीधी हिस्सेदारी

धर्मनिरपेक्ष राजनीति करने का दावा करने वाले राजनीतिक दलों के लिए असदुद्दीन ओवैसी खतरे की घंटी बनकर उभरे हैं। पहले बिहार विधानसभा चुनाव में और अब महाराष्ट्र के शहरी निकाय चुनाव के नतीजों ने साबित किया है कि मुसलमानों का झुकाव अब एआइएमआइएम के प्रति बढ़ रहा है। तेलंगाना के अलावा अभी तक महाराष्ट्र ही ऐसा दूसरा राज्य है जहां एआइएमआइएम का उम्मीदवार लोकसभा का चुनाव जीता था। औरंगाबाद में ओवैसी के उम्मीदवार इम्तियाज जलील लोकसभा चुनाव जीते थे। भाजपा ने औरंगाबाद का नाम संभाजीनगर रख दिया पर उससे ओवैसी को कोई फर्क नहीं पड़ा। महाराष्ट्र में उनकी पार्टी के 90 से ज्यादा पार्षद जीत रहे हैं। इससे संकेत मिल रहे हैं कि मुसलिम युवा अब अपना नेतृत्व चाहते हैं। वे कांग्रेस, सपा, बसपा, राजद और राकांपा जैसी पार्टियों के पिछलग्गू मतदाता कहलाना पसंद नहीं कर रहे। उन्हें हिस्सेदारी चाहिए। तभी तो इन दलों का ओवैसी पर %भाजपा की बी-टीम% होने का आरोप असर नहीं दिखा पाया। अस्मिता की लड़ाई में मुसलमानों का एक बड़ा तबका इस बात का समर्थन कर रहा है कि उनकी कौम की दिक्कतों के साथ अब तक राजनीति ही की गई है। मुसलिम तबके का यह आरोप गलत भी नहीं है। इसलिए वे ओवैसी पर भरोसा करना चाह रहे हैं। ओवैसी की चुनौती से निपटने की अगली बारी अब पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की है।

टकराव बढ़ने के आसार

लालू यादव के परिवार में शह और मात का खेल चल रहा है। विधानसभा चुनाव में हार से तो झटका लगा ही था, अब भी शांति नहीं है। तेज प्रताप यादव को मकर संक्रांति के अवसर पर लालू यादव ने माफ कर दिया। उनका निर्वासन खत्म कर दिया और कह दिया कि वे परिवार के साथ रह सकते हैं। परिवार में एक और ध्रुवीकरण भी चल रहा है। रोहिणी आचार्य ने तेजस्वी के करीबी नेताओं के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। तेज प्रताप, मीसा और रोहिणी आचार्य एक होते हैं तो तेजस्वी यादव की स्थिति कमजोर हो सकती है। लिहाजा तेजस्वी का चिंतित होना स्वाभाविक है। इसलिए वे अब पार्टी पर नियंत्रण की जुगत भिड़ा रहे हैं। चर्चा है कि तेजस्वी आगामी 25 जनवरी को खुद को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष घोषित करवा सकते हैं। ऐसा हुआ तो उनका मीसा भारती से टकराव शुरू हो जाएगा। मीसा भारती दो बार राज्यसभा की सदस्य रह चुकी हैं और इस समय लोकसभा की सदस्य हैं। दरअसल उन्होंने भी पिछले दिनों अपने माता-पिता से पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बनने की इच्छा जाहिर की थी। लेकिन वह कुर्सी तेजस्वी लेंगे तो परिवार में तनाव बढ़ेगा।

संकलन - मृणाल बख्शी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। दाल मिलों की माँग अटकने से शनिवार को तुअर में बाजार मंदी पर रहे। चना 5850-5900 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत रहे। खाद्य तेलों में मजबूती रही। तिलहनों में सोयाबीन बना रहा। किराना जिंसों में शक्कर बनी रही। नारियल व खोपरा गोला मजबूती पर रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार दाल मिलों की लेवाली कमजोर रहने से बाजार नरमी के रहे। चना मजबूती पर रहा। खाद्य तेलों में सुर्खी रही। तिलहनों में सोयाबीन बना रहा। उधर, किराना जिंसों में शक्कर में टिकाव रहा। खोपरा गोला व नारियल में सुस्ती रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 3980-4050, खोपरा गोला 315-370, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एक्स्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 760-770, गरबल 725-730, मटरदाना 790-810, खसखस अनक्लीन 1300-1350, क्लीन 1500-1550, दालचीनी 220-240, जायफल 815-870, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1675-2150, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाड़ा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरी इलायची शंकर बोल्ड 2750-2900, विरूद्ध नगर 2800-2850, मीडियम 2950-3150, बेस्ट 3200-3350, एक्स्ट्रा बोल्ड 3350-3450, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 565-590, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 860-900, कैलिफोर्निया 780-795, अखरोट 500-850, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2600-2700, (160) 2700-2800, (200) 3000-3200, (250) 3400-3500

तेल- सींगदाना 1650-1670, मुम्बई 1680, राजकोट तेलिया 2620, सोया साल्वेंट 1280-1285, सोया रिफाईंड 1345-1350, कपास्या 1300, धूलिया 1310, कड़ी 1310,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1650, मुम्बई पाम 1300, मुम्बई सोया 1380,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2075, देवास-उज्जैन 2075, खंडवा-बुरहानपुर 2050, अकोला 3250 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7000-7200, रायडा 6300-6500, सोयाबीन 5000-5200, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5850-5900, एवरेज 5200-5300, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5600-5700, एवरेज 5400-5500, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7300-7400, एवरेज 7000-7100, हल्की 6800-6900, तुअर महाराष्ट्र 7400-7600, उड़द बेस्ट 7300-7400, एवरेज 7100-7200, शंकर 6800-6900, हल्की 6500-6600,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। शनिवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी पर रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 325000, चाँदी (99) 324000, टंच 323500, सिक्का 3000, सोना 10 ग्राम 162000,

टोरेंट पावर बनी देश की सर्वश्रेष्ठ बिजली वितरण कंपनी

नई दिल्ली। एजेंसी। निजी क्षेत्र की प्रमुख बिजली कंपनी टोरेंट पावर ने केंद्रीय विद्युत मंत्रालय की 14वीं एकीकृत रैंकिंग में देश की 65 सरकारी और निजी बिजली वितरण कंपनियों में पहला स्थान हासिल किया। अहमदाबाद और सूरत स्थित लाइसेंस प्राप्त वितरण इकाइयों ने 100 में से 100 अंक प्राप्त किए। यह रैंकिंग मुख्य रूप से वित्तीय स्थिरता, परिचालन उत्कृष्टता और अन्य बाहरी प्रदर्शन मानकों पर आधारित होती है। टोरेंट पावर ने टीएंडडी नुकसान, एटीएंडसी नुकसान और विश्वसनीयता जैसे प्रमुख मानकों में नए मानक स्थापित किए हैं। टोरेंट पावर के वाइस चेयरमैन ने कहा कि यह सम्मान कंपनी की संचालन उत्कृष्टता और उपभोक्ता-केंद्रित दृष्टिकोण को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि कंपनी ने वैश्विक सर्वोत्तम मानकों के अनुरूप नए मानदंड अपनाए हैं।

बीते हफ्ते भारतीय शेयर बाजार में बिकवाली का दबदबा रहा

विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली और भू-राजनीतिक तनाव प्रमुख कारण रहे

मुंबई। एजेंसी। बीते हफ्ते भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों की धारणा पर नकारात्मक प्रभाव रहा। विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली और वैश्विक भू-राजनीतिक तनावों ने बाजार की गिरावट को बढ़ावा दिया। बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों में हफ्ते के दौरान उतार-चढ़ाव देखने को मिला, लेकिन कुल मिलाकर सप्ताह लाल निशान पर समाप्त हुआ। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को निवेशकों की सतर्कता और बिकवाली के दबाव के साथ हुई। सेंसेक्स 83,246.18 अंक पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 25,585.50 अंक पर आ गया। मंगलवार को विदेशी निवेशकों की निकासी के चलते सेंसेक्स ने 1,065.71 अंकों की भारी गिरावट दर्ज की और सप्ताह का सबसे कमजोर दिन बन गया। निफ्टी भी 353 अंक फिसलकर 25,232.50 पर बंद हुआ। बुधवार को बाजार में इंट्रा-डे दौरान सेंसेक्स 81,124.45 तक लुढ़क गया, लेकिन अंततः 81,909.63 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में भी गिरावट जारी रही और यह 25,157.50 अंक पर बंद हुआ। गुरुवार को थोड़ी राहत की लहर देखने को मिली, सेंसेक्स 82,307.37 अंक तक उछला और निफ्टी भी 25,289.90 अंक पर बंद हुआ। शुक्रवार को शुरुआती सत्र में सेंसेक्स और निफ्टी ने मामूली बढ़त दर्ज की, लेकिन दिन के अंत में विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली से सेंसेक्स 81,537.70 पर और निफ्टी 25,048.65 पर बंद हुआ। इस सप्ताह बीएसई लिस्टेड कंपनियों के मार्केट कैप में 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ, जो पिछले चार महीनों की सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट है। बाजार के जानकारों ने कहा कि निवेशकों की भावना इस सप्ताह नकारात्मक रही और बाजार में तेजी लौटने के लिए विदेशी निवेशकों के भरोसे और वैश्विक स्थिरता की आवश्यकता है।

पीआईडीएफ योजना के खत्म होने से फिनटेक कंपनियों पर सीमित असर

नई दिल्ली। एजेंसी। पेमेंट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड (पीआईडीएफ) योजना के दिसंबर 2025 में समाप्त होने से पेटीएम और फोनपे जैसी प्रमुख फिनटेक कंपनियों के राजस्व पर मामूली असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि, इस अनिश्चितता का असर शेयर बाजार में जरूर देखने को मिला। शुक्रवार को बीएसई पर पेटीएम का शेयर 9.53 फीसदी गिरकर 1,140.75 रुपये पर बंद हुआ। पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस ने कहा है कि यदि मौजूदा पीआईडीएफ योजना का विस्तार नहीं होता या इसकी जगह कोई नई योजना नहीं आती, तो कंपनी उच्च राजस्व और अधिक लक्षित बिक्री प्रयासों के जरिए इसके प्रभाव को काफी हद तक कम करने की उम्मीद करती है। कंपनी के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में उसे पीआईडीएफ योजना के तहत 128 करोड़ रुपये प्राप्त हुए, जबकि इस अवधि में पेटीएम का कुल भुगतान राजस्व 2,190 करोड़ रुपये रहा। बेंगलूरु स्थित फिनटेक कंपनी फोनपे ने अपने अपडेटेड ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में बताया कि वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही में उसे पीआईडीएफ योजना से 167.4 करोड़ रुपये मिले। यह राशि कंपनी के भुगतान से प्राप्त कुल राजस्व का 5.2 फीसदी रही। इस दौरान फोनपे का कुल राजस्व 3,238.3 करोड़ रुपये रहा। पीआईडीएफ योजना की शुरुआत 2021 में छोटे शहरों, कस्बों, पूर्वोत्तर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर व लद्दाख में डिजिटल भुगतान स्वीकार्यता बढ़ाने के उद्देश्य से की गई थी। आरबीआई ने 2023 में इसे दो साल के लिए बढ़ाया था। नवंबर 2023 तक योजना की कुल निधि 1,026.37 करोड़ रुपये थी। फिलहाल आरबीआई ने इसके विस्तार या किसी नई योजना को लेकर कोई अधिसूचना जारी नहीं की है।

ब्राजील से तेल आयात बढ़ाएगा भारत, बीपीसीएल-पेट्रोब्रास के बीच 78 करोड़ डॉलर का करार

नई दिल्ली। एजेंसी। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ब्राजील की सरकारी तेल कंपनी पेट्रोब्रास के साथ कच्चे तेल की खरीद के लिए एक अहम सावधि समझौते पर हस्ताक्षर करने जा रही है। इस समझौते के तहत बीपीसीएल लगभग 78 करोड़ डॉलर में 1.2 करोड़ बैरल कच्चा तेल खरीदेगी। यह करार अगले सप्ताह इंडिया एनर्जी वीक (आईईडब्ल्यू) 2026के दौरान किया जाएगा, जिसका आयोजन 27 से 30 जनवरी तक गोवा में होगा। पिछले वर्ष दोनों कंपनियों के बीच हुए समझौते के तहत पेट्रोब्रास ने वित्त वर्ष 2025-26 में भारत को 60 लाख बैरल कच्चे तेल की आपूर्ति की थी। अब नए समझौते के बाद वित्त वर्ष 2026-27 में ब्राजील से तेल आयात की मात्रा दोगुनी होकर 1.2 करोड़ बैरल हो जाएगी। इससे भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूती मिलने की उम्मीद है। पश्चिमी देशों द्वारा रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों के बाद भारत ने रूसी कच्चे तेल के आयात में कमी की है। इसके चलते घरेलू तेल शोधन कंपनियां अब पारंपरिक आपूर्तिकर्ता देशों के साथ-साथ ब्राजील और गुयाना जैसे नए भौगोलिक क्षेत्रों से तेल खरीद रही हैं। यह कदम आपूर्ति जोखिम को कम करने और आयात स्रोतों में विविधता लाने की दिशा में अहम माना जा रहा है। मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि वैश्विक ऊर्जा बाजार में भारत के लिए कच्चे तेल की कोई कमी नहीं है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2007 में भारत केवल 27 देशों से तेल आयात करता था, जबकि अब यह संख्या बढ़कर 41 देशों तक पहुंच गई है। इससे भू-राजनीतिक बदलावों के असर को कम करने में मदद मिली है। इंडिया एनर्जी वीक 2026 के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वैश्विक ऊर्जा और प्रौद्योगिकी कंपनियों के प्रमुख सीईओ से बातचीत करेंगे। इस गोलमेज सम्मेलन में 13 विदेशी सीईओ, 5 भारतीय निजी क्षेत्र के सीईओ और कई सार्वजनिक उपक्रमों के प्रमुख शामिल होंगे।

मेष- आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। आपको अपने आसपास में हो रहे वाद-विवादों से दूरी बनाकर रखनी होगी। नौकरी की तलाश में लगे लोगों को कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती हैं, अविवाहित जातकों के जीवन में किसी नए मेहमान की दस्तक हो सकती है। आपके सगे-संबंधी आपके कामों में पूरा साथ देंगे। सिंगल लोगों की अपने साथी से मुलाकात होगी।

वृषभ- आज आपका मन किसी बात को लेकर परेशान रहेगा। आप अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए जो काम करेंगे, उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी। आपको अपने धन से संबंधित कोई जरूरी जानकारी किसी को नहीं देनी है। शेयर मार्केट में इन्वेस्टमेंट करने वाले लोगों को थोड़ा समझदारी दिखानी होगी। आपका कोई परिजन आपसे मेल मुलाकात करने आ सकता है।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए सफलता दिलाने वाला रहेगा। आपको किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलने का मौका मिलेगा। आपको अपने कामों को पूरा करने के लिए मेहनत जारी रखनी होगी। परिवार में किसी सदस्य की सेहत में गिरावट आ सकती हैं। आप आज संतान की फरमाइश पर किसी नए वाहन को लेकर आ सकते हैं। आप अपने खर्चों को लेकर थोड़ा परेशान ही रहेंगे, लेकिन आपको किसी अजनबी पर भरोसा करने से बचना होगा।

कर्क- आज का दिन आपके लिए उलझनों से भरा रहने वाला है। आप आज कोई फैसला बहुत ही समझदारी से लें। पारिवारिक मामलों को मिल बैठकर निपटाएं। किसी प्रॉपर्टी की खरीदारी की यदि आप योजना बना रहे थे, तो उसके लिए आप कोई लोन अप्लाई कर सकते हैं। किसी सरकारी मामले में आपको फैसला आने में कुछ समय और लगेगा। आपका मन में थोड़ी निराशा हो सकती है और अधिकारियों की कृपा पर बनी रहेगी।

सिंह- आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आपको कामों में अच्छे सफलता हासिल होगी। आप किसी दूसरे पर डिपेंड नहीं रहेंगे और कोई रुका हुआ काम पूरा करने के पूरे कोशिश करेंगे। बिजनेस में आप योजनाओं को लेकर अपने पार्टनर से बातचीत कर सकते हैं।

कन्या- आज का दिन आपके लिए किसी बड़े प्रोजेक्ट पर काम करने के लिए रहेगा। आपको किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करने का मौका मिले, तो अवश्य करें और वाहनों का प्रयोग आप थोड़ा सावधान रहकर करें, इसलिए किसी से मांगकर वहां ना चलाएं। यदि आप किसी यात्रा पर जाने की तैयारी कर रहे थे, तो उसे कुछ समय के लिए स्थापित कर दें।

तुला- आज का दिन आपके लिए सावधान रहकर कामों को करने के लिए रहेगा। आपके विरोधी सतर्क रहेंगे, जो आपको परेशान करने की कोशिश कर सकते हैं। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है और आप अपनी आय को बढ़ाने के कोई किसी मौके भी हाथ से जाने नहीं देंगे, लेकिन आपको किसी दूसरे के मामले में बेवजह बोलने से बचना होगा।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आपको अपने पारिवारिक खर्चों पर पूरा ध्यान देना होगा। सेहत आपकी नरम गरम रहेगी, जिसको लेकर एहतियात बरतनी होगी। आपकी जीवनसाथी से खटपट हो सकती है। आपको उन्हे मनाने की पूरी कोशिश करनी होगी। वाहनों का प्रयोग आप थोड़ा सावधान रहकर करें और आप अपने बिजनेस को और बेहतर करेंगे, जिससे आपकी काम की क्वालिटी बेहतर होगी और आपको कुछ बड़े-बड़े ऑर्डर भी मिल सकते हैं।

धनु- आज का दिन आपके लिए प्रभाव और प्रताप में वृद्धि लेकर आने वाला है। सरकारी कामों को करने की योजना बना सकते हैं। आपको अपने किसी दूर रह रहे परिजन की याद सता सकती हैं। आपके घर किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आपको अपने कामों को लेकर थोड़ा सा ध्यान रखना होगा।

मकर- आज आपकी कोई अधूरी इच्छा पूरी हो सकती हैं और आप अपनी आय को बढ़ाने के लिए मेहनत में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। आपके बॉस पर आपसे काफी खुश रहेंगे, लेकिन वाहनों का प्रयोग आप जल्दबाजी में ना करें। परोपकार के कार्य से जुड़कर आप अच्छा नाम कमाएंगे। आपको अपनी किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। कार्यक्षेत्र में कोई आपको झूठा साबित करने की कोशिश करेगा।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आपको किसी नए काम को करना बेहतर रहेगा। आपके रिश्तेदारों से आपका किसी बात को लेकर वाद-विवाद छिड़ सकता है। वरिष्ठ सदस्यों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। आपको मित्रों से व्यापार में अच्छा लाभ मिलेगा। आप अपनी किसी पुराने गलती से सबक लें और उसे दोबारा ना दोहराएं, तभी आपके रिश्ते बेहतर रहेंगे। आपको घूमने के दौरान कोई जानकारी प्राप्त होगी। आप किसी नये वाहन की खरीदारी कर सकते हैं।

मीन- आज आपके मन में कुछ संशय रहने के कारण उलझनों का सामना करना पड़ेगा। आपकी कोई डील भी फाइनल होते-होते लटक सकती हैं। कार्यक्षेत्र में आपके साथी आपको तनाव दे सकते हैं। आप किसी दूसरे नौकरी के लिए अप्लाई कर सकते हैं। आपकी किसी बात को लेकर जीवनसाथी से कहासुनी होने की संभावना है।

शब्दजाल - 8151

ती	स	री	मं	जि	ल	ब	रे	ली	इ	क
ज	ल	ल	प	का	रिं	पू	ना	दि	शा	ऊ
अं	इ	रा	म	सं	ज	ल	श	जिं	द	गी
क	कु	दा	म	धा	ब	ल	प	ख	श	रा
क	ति	शि	न	इं	क	र	ल	ग	वी	म
शो	ले	ल	क	का	र	र्त	ऐ	ढ़	प	ब
ती	अ	ल	श	र	प	म	ज	कौ	ला	ल
क	ह्र	अ	ब	त	क	म	प्प	न	श	रा
क	न	थो	तें	ज्वे	ल	थी	फ	शा	जू	म
द	ढ़	ल	प	आ	रं	र्त	ऐ	बैं	प	रु
थो	त	सा	वो	कौ	न	थी	जा	इं	प	क

शब्दजाल में 'हेलन' अभिनीत 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे व तिरछे हैं.

शोले, ज्वेलथीफ, शिकार, राम बलराम, डान, इंकार, वो कौन थी, जिंदगी, तीसरी मंजिल, काजल

शब्दजाल - 8150 का हल

फिल्म वर्ग पहेली - 7095

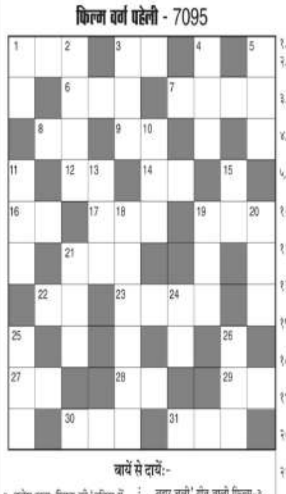

बायें से दायें:-

१. राजेश खन्ना, स्मिता की 'दुनिया में कितना गम है' गीत वाली फिल्म-३
३. बॉबी, काजोल, मीनाक्षी की 'दुनिया हसीनों का' गीत वाली फिल्म-२
६. अनिल, मीनाक्षी की 'सौ सवालों का जवाब' गीत वाली फिल्म-३
७. 'यूं हसरतों के दाग' गीत वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
८. अनिल, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
९. 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-२
१२. राजेश खन्ना को फिल्म जगत में किस नाम से जाना जाता है?-२
१४. फिल्म 'कॉफी हाउस' में नायिका कौन थी?-२
१६. 'आजकल पाँव जमीं' गीत वाली विनोद मेहरा, रेखा की फिल्म-२
१७. राजेश, ऋषि, पूनम की 'रंग चला बहार चली' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'मेरा रंग दे बसंती' गीत वाली मनोज कुमार, प्रेम चोपड़ा की फिल्म-३
२१. जैकी, मनीषा की 'लड़की जो आए बाजार में' गीत वाली फिल्म-३
२२. भारतीय सिनेमा की 'वीनस' मधुबाला की अंतिम फिल्म-२
२३. 'सर से सरक गई' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
२७. अमिताभ, अमृता की 'खिल ना मैरी मीं' गीत वाली फिल्म-२
२८. फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
२९. 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२
३०. सनी, डिम्पल की 'भूरी भूरी आँखों वाला' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिल, माधुरी की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली फिल्म-२
२. धर्मेन्द्र, समीर, आदित्य, सोनू वालिया, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
३. आमिरखान, रानी मुखर्जी को 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३
४. 'गोरी कैंवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षय, करिश्मा की फिल्म-३
५. 'बदन में चाँदनी' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
१०. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की 'तूने बेचैन इतना ज्यादा' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जब दिल से दिल' गीत वाली दिलीप, संजीव कुमार, वैजयंती की फिल्म-३
१३. धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
१५. फिल्म 'हम हैं राही प्यार के' में नायिका कौन थी-२
१८. 'क्या लिखूं कैसे लिखूं' गीत वाली फिल्म-२,४
१९. फिल्म 'कश्मीर की कली' में नायिका कौन थी-३
२०. जीतेंद्र, राजेश खन्ना, नंदा की 'किस लिए मैंने' गीत वाली फिल्म-१,२
२१. 'कई सदियों से' गीत वाली शत्रुघ्न, रीना राय की फिल्म-३
२४. अनिल, माधुरी की 'खुशियों का दिन आया है' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'कोई हमदम न रहा' गीत वाली फिल्म-३
२६. सलमान, संजय, शिल्पा की 'अरे बाबा अरे बाबा' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 7094

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

25 जनवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

रविवार 2026 वर्ष का 25 दिन
दिशाशूल पश्चिम ऋतु शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 शक संवत् 1947
मास माघ पक्ष शुक्ल
तिथि सप्तमी 23.11 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रेवती 13.36 बजे को समाप्त।
योग सिद्ध 11.46 बजे को समाप्त।
करण गर 11.59 बजे तदनन्तर वणिज 23.11 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 6.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 19° 01'
सूर्य उत्तरायण
कलि अहर्गण 1872600
जूलियन दिन 2461065.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना साबान
तारीख 05
विशेष रथ सप्तमी, नर्मदा जयंती।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मकर में	कुंभ	07.52 बजे से
चंद्र	मेष में	मीन	09.25 बजे से
मंगल	मकर में	मेष	10.55 बजे से
बुध	मकर में	वृष	12.35 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन	14.34 बजे से
शुक्र	मकर में	कर्क	16.47 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	19.03 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	21.15 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	23.26 बजे से
		वृश्चिक	01.40 ब.से
		धनु	03.56 बजे से
		मकर	06.02 बजे से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः कल कभी नहीं आता

राम-रावण युद्ध समाप्त हो चुका था। रावण मृत्यु शय्या पर पड़ा अंतिम सांसें गिन रहा था। तभी उसने देखा कि लक्ष्मण उसकी ओर चले आ रहे हैं। लक्ष्मण उसके निकट आए और बोले, 'मेरे भाई श्रीराम आपसे ज्ञान की बातें सीखना चाहते हैं।' आश्चर्य में भरकर रावण बोला, 'तुम्हारे भाई सर्वज्ञ हैं। मैं उन्हें क्या सिखा पाऊंगा। और फिर मैं तो उठकर चल भी नहीं सकता। मैं उनके पास कैसे पहुंच पाऊंगा।' लक्ष्मण ने कहा, 'आप इसकी चिंता न करें। मैं श्रीराम को यहां लेकर आ जाऊंगा।' श्रीराम आए। उनसे रावण ने विनम्रतापूर्वक कहा, 'हे सूर्यवंश के गौरव! मेरा प्रणाम स्वीकार करें। मैं राक्षस हूं, मैं आपको क्या सिखा पाऊंगा।' राम ने कहा, 'यह सच है कि तुम राक्षस हो, परंतु यह भी सच है कि तुम एक शक्तिशाली और बुद्धिमान शासक रहे हो। तुम्हें अच्छे और बुरे का ज्ञान है। मैं यह ज्ञान तुमसे प्राप्त करना चाहता हूं।' रावण ने उन्हें उपदेश देना शुरू किया, 'अच्छे कार्यों को कभी नहीं टालना चाहिए। हो सकता है कि टालने के कारण उन कार्यों को करने का कभी अवसर ही न आए। मैंने सोचा था कि नरक का मार्ग बंद करवा दूंगा, ताकि किसी को परलोक में दुःख न भोगने पड़े। दूसरा काम समुद्र के खारे पानी को निकाल कर उसे दूध से भर देने का था। तीसरा काम धरती से स्वर्ग तक सीढ़ी बनाने का था, जिससे पापी-पुण्यात्मा सभी स्वर्ग तक पहुंच सकें।' इतना कहकर रावण रुका। मृत्यु निकट होने के कारण उसकी बोलने की शक्ति कम होती जा रही थी। हांफते हुए वह बोला, 'इन तीनों कार्यों को मैं कल पर टालता रहा और कल तो कभी आता नहीं। मैं इन कर सकने वाले कार्यों को कभी कर नहीं पाया।' रावण फिर थोड़ा ठहरकर बोला, 'अच्छे कार्यों को टालना जितना बुरा है, बुरे कार्यों को टालना उतना ही अच्छा। मां सीता का हरण करने में मैंने तत्परता दिखाई, लेकिन वह मुझे टाल देना चाहिए था।'

सूडोकु नवताल- 7404

★☆☆☆☆ सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7403 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8619

बाएँ से दाएँ

1. कथा, गाथा-3
3. भगौना-3
5. पुष्पहार-2
6. वायदा, कसम-2
8. अभिष्ट इच्छापूर्ति, वर-4
11. योग्य, उपयुक्त-3
13. चिंतन, सोच-विचार-3
14. ताश का एक खेल-2
15. संजय दत्त की पहली फिल्म-2
16. चेहरा, शक्ल-3
18. चाकू, खंजर-3
20. उकसाना, चकमा देना -4
23. लक्ष, सौ हजार-2
25. ईश्वर, भगवान-2
26. विदा, गमन-3
27. लेखनी, पेन-3

ऊपर से नीचे

1. हुनर, फन-2
2. शांति, वीराना-3
3. चिलमन, ओट, घूंघट-3
4. ज्वालामुखी से निकला गर्म पदार्थ-2
5. माजरा, मुद्दा-3
7. आंगन, बरामदा-3
9. भागना (अंग्रेजी-2)
10. चटपटा, क्षारीय-4
12. कारनामा, करिश्मा-4
16. अच्छे सुर का ज्ञाता-3
17. मालिक, स्वामी-2
19. प्रेम प्रतिद्वंदी (उर्दू-3)
21. बेदखल करना-3
22. फिजूल, व्यर्थ-2
24. गधा, गर्दभ -2
25. एक प्रकार की विदेशी शराब-2

शब्द पहेली -8618 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

पुलिस ने टिमकीटोला में 'साइबर रोको' जागरूकता ग्राम चौपाल का किया आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी।

साइबर अपराधों से ग्रामीणों को जागरूक करने के उद्देश्य से बालाघाट जिले में पुलिस विभाग द्वारा निरंतर ग्राम चौपालों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में थाना बहेला अंतर्गत ग्राम पंचायत रिसेवाडा के टिमकी टोला (नाका के पास प्राथमिक शाला परिसर) में 'साइबर रोको' जागरूकता कार्यक्रम के तहत एक विशेष ग्राम चौपाल आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन पुलिस अधीक्षक बालाघाट आदित्य मिश्रा के मार्गदर्शन में हुआ। थाना प्रभारी बहेला रामकुमार रघुवंशी की अध्यक्षता में आयोजित इस चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सरपंच सुरेश लिल्हारे, जितु बम्बुरे तथा वर्तमान सरपंच प्रतिनिधि अशोक मलगाम सहित जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक मौजूद थे। ग्राम चौपाल की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ की गई। इसके बाद उपस्थित ग्रामीणों को साइबर सुरक्षा के प्रति संकल्प दिलाया गया, ताकि वे खुद जागरूक हों और दूसरों को भी सतर्क कर सकें।

'गोल्डन आवर' का महत्व समझाया गया

पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को साइबर अपराधों से बचाव के महत्वपूर्ण टिप्स दिए। थाना प्रभारी रामकुमार रघुवंशी एवं पुलिसकर्मी बीजू मम्मान, आदर्श, जितेंद्र, राजकुमार ने बताया कि यदि कोई वित्तीय धोखाधड़ी (फाइनेंशियल फॉड) हो जाए, तो पहले 1-2 घंटे यानी 'गोल्डन आवर' में हेल्पलाइन नंबर 1930 पर तुरंत शिकायत दर्ज करानी चाहिए। इससे ठगी की राशि को रोकने में मदद मिल सकती है।

महत्वपूर्ण सावधानियां बताई गईं

बैंक या कोई सरकारी संस्था कभी फोन पर ओटीपी, पिन, पासवर्ड या खाता विवरण नहीं मांगती। एनीडेस्क, टीमवीवर जैसे रिमोट एक्सेस ऐप्स किसी के कहने पर कभी डाउनलोड न करें। अनजान कॉल, लिंक या मैसेज से सावधान रहें और उन पर क्लिक न करें।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने फैलाने का लिया संकल्प

कार्यक्रम में मौजूद भाजपा कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि वे साइबर सुरक्षा का यह संदेश बूथ स्तर तक पहुंचाएंगे, जिससे गांव-गांव के लोग साइबर अपराधों से सुरक्षित रह सकें।

हेलमेट और नशे के दुष्प्रभावों पर भी जागरूकता

साइबर फॉड के अलावा पुलिस ने सड़क सुरक्षा के लिए हेलमेट के अनिवार्य उपयोग और नशे के दुष्प्रभावों के बारे में भी ग्रामीणों को जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि सड़क सुरक्षा और नशामुक्त समाज ही सुरक्षित भविष्य की मजबूत नींव है। ग्रामीणों ने कार्यक्रम को बेहद उपयोगी बताया और पुलिस के इस पहल की सराहना की। इस अवसर पर ग्राम सरपंच अशोक मलगाम, पूर्व सरपंच सुरेश लिल्हारे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

श्री लक्ष्मीकांता कॉलेज ऑफ टेक्नालॉजी एवं भारत माता पब्लिक स्कूल लांजी में मनाया गया वार्षिक उत्सव

पद्मेश न्यूज। लांजी। श्री लक्ष्मीकांता कॉलेज ऑफ टेक्नालॉजी एवं भारत माता पब्लिक स्कूल लांजी के संयुक्त तत्वाधान में 23 जनवरी 2026 बसंत पंचमी के पावन पर्व में वार्षिक उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती, माँ भारती एवं सुभाष चन्द्र बोस के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्जवलित किया गया। ततपश्चात माँ सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के द्वारा विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये जिसमें एकल नृत्य, सामूहिक नृत्य, ड्रामा, गीत एवं माइम की शानदार प्रस्तुति दी गई। एक छात्रा द्वारा प्रस्तुत कथक नृत्य ने दर्शकों का मन मोह लिया। उक्त कार्यक्रम के पश्चात भारत माता पब्लिक स्कूल का कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया। विद्यालय के नन्हे-मुन्हे बच्चों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये जिसमें हमारे देश के विभिन्न राज्यों की संस्कृति एवं कलाओं को कार्यक्रम के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। उपरोक्त दोनों कार्यक्रम में विभिन्न विधाओं के प्रतिभागियों को मोमेन्टो एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया गया तथा कार्यक्रम में आमंत्रित अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। यह कार्यक्रम के लांजी किरनापुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजकुमार कर्राहे के मुख्य अतिथ्य में सम्पन्न हुआ तथा विशेष अतिथि के रूप में डॉ. पी.आर. चन्देलकर अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा विभाग, जबलपुर, डॉ. लक्ष्मीचन्द बडघैया क्षेत्रीय निर्देशक भोजमुक्त विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा, रमेश भटेरे पूर्व विधायक लांजी-किरनापुर, संतोष पटेल (डी.एस.पी.) उप-पुलिस अधीक्षक हॉक फोर्स लांजी, किशोर कुमार कर्राहे अध्यक्ष श्री अन्नपूर्णा शिक्षण एवं कल्याण समिति, श्रीमती गुड़िया कर्राहे, श्रीमती रेखा कालबेले अध्यक्ष नगर परिषद लांजी, प्रेमचन्द बडघैया, अधिवक्ता छिंदवाड़ा, सी.एल. बड़घैया प्राचार्य, माधोराव मलगाम छिंदवाडा, मनोज ठाकुर छिंदवाड़ा, गुलाबराव खोब्रागड़े, पत्रकार बंधु गणो में मयुर सुले, दिनेश रामटेक्कर, संजय टेभरे, पवन कश्यप, फणिन्द्र दुरूगकर, रामानुज तिडके,रुपेश रावते उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के सुचारू एवं सफल संचालन में संस्था के संचालक गुलाबचन्द बड़घैया, डॉ. ताराचन्द बड़घैया, बिनीश मैथ्यू, नरेश अगासे एवं समस्त शैक्षणिक व अशैक्षणिक कर्मचारी, सभी छात्र-छात्राओं का सहयोग रहा।

साकेत पब्लिक स्कूल में हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया बसंत पंचमी पर्व

पद्मेश न्यूज। लांजी। ज्ञान की देवी मां सरस्वती को समर्पित बसंत पंचमी का पर्व 23 जनवरी साकेत पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल, लांजी में बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह पर्व पूरे विद्यालय परिवार तथा छात्र-छात्राओं की सक्रिय भागीदारी से उत्साहपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष पूजा-अर्चना से हुई। संस्था के संरक्षक दामोदर मोरघड़े, प्राचार्य महेन्द्र दुरूगकर, श्रीमती नेत्रेश्वरी किशोर सोनवाने, एवं श्रीमती विनीता मोरघड़े ने दीप प्रज्वलित कर पीले सरसों के फूलों से माल्यार्पण किया। इसके बाद सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने मां सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना की। तत्पश्चात शिक्षिकाओं श्रीमती विनीता मोरघड़े, श्रीमती सुरभी मिश्रा एवं श्रीमती ज्योति परिहार ने मधुर स्वरों में सरस्वती वंदना गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। छात्र-छात्राओं ने विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से पर्व को और भी रंगीन बनाया। सामूहिक नृत्य प्रस्तुतियों में विधि एंड ग्रुप, रौनक एंड ग्रुप, गुंजन एंड ग्रुप, रिया एंड ग्रुप, लावण्या एंड ग्रुप, निशा एंड ग्रुप, हेरूषि एंड ग्रुप तथा आलिया एंड ग्रुप ने अपनी आकर्षक प्रस्तुतियां दीं, जिन्होंने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के अंत में प्रधानपाठिका श्रीमती नेत्रेश्वरी सोनवाने ने सभी का आभार व्यक्त किया तथा कार्यक्रम का समापन घोषित किया। संपूर्ण कार्यक्रम का सफल संचालन शिक्षक प्रदीप रामटेके ने बखूबी किया। कार्यक्रम में संस्था की शिक्षक-शिक्षिकाएं श्रीमती लता मुरकुटे, श्रीमती अनिता दहीकर, श्रीमती मंजू कश्यप, श्रीमती शजल सातपुते, श्रीमती ममता महिश्वरे, श्रीमती मुक्ता सोनमकरे, श्रीमती लक्ष्मी मोरघड़े, श्रीमती प्रीति बिंझलेकर, श्रीमती सुरभी लटारे, श्रीमती पायल भण्डारकर, कुं. संध्या बिल्हारे, आरती भोंडेकर, प्रगति यादव, मोनाली चौहान, शारदा किरनापुरे, सत्येंद्र मुरकुटे, कोमल ठाकरे, किरण कुमार रामावत, निर्मल सिंह सोलंकी, धर्मेंद्र दुरूगकर, थानेश बनोठे सहित विद्यालय के समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

पंवार समाज ने मनाई बसंत पंचमी पर्व एवं राजा भोज जयंती

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम थानेगांव में 23 जनवरी को पवांर समाज के तत्वावधान में बसंत पंचमी पर्व एवं महान प्रतापी राजा भोज जी की जयंती बड़े हर्षोल्लास, गरिमा और सामाजिक एकता के साथ मनाई गई। आयोजित कार्यक्रम में प्रमुख रूप से कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में विशाल बिसेन जिला अध्यक्ष, पवांर समाज बालाघाट, महेंद्र पटले अध्यक्ष लांजी, प्राचार्य ओ.सी. पटले इतिहासकार आमगांव, देवेश एड़े, पंकज चौधरी, रूप बिसेन, सेवकराम ठाकरे, होमेन्द्र कटरे आमगांव, युमेश गौतम सालेकसा, ओमलता पटले आमगांव, वर्षा कटरे सालेकसा, नम्रता पटले सालेकसा एवं लुरन भगत के आतिथ्य में कार्यक्रम की शुरुवात की गई। कार्यक्रम की शुरुआत राजा भोज की मनोरम एवं आकर्षक झांकी तथा भव्य जुलूस के साथ किया गया। जिसने पूरे ग्राम का ध्यान आकर्षित किया। जुलूस के पश्चात पवांर समाज की कुल देवी मां गढकालीका, प्रभु श्रीराम एवं ज्ञान की देवी मां शारदा की विधिवत पूजा-अर्चना एवं आरती संपन्न हुई। इसी कार्यक्रम में पवांर समाज थानेगांव द्वारा समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं पारितोषिक प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। समाज द्वारा किए गए इस प्रयास की सभी अतिथियों ने सराहना की। तत्पश्चात मंचासीन अतिथियों ने अपने उद्बोधन में समाज संगठन की मजबूती, समाज में व्याप्त कुरीतियों के उन्मूलन तथा पवांर समाज के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने युवाओं को शिक्षा, संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारी के मार्ग पर आगे बढने का आह्वान किया।ग्राम संगठन कार्यकारिणी में सेवकराम रहांगडाले अध्यक्ष, सेवकराम पटले व विजय प्रसाद सोनवाने उपाध्यक्ष, श्यामलाल चौहान सचिव, सेवकराम चौधरी कोषाध्यक्ष, कोमल सोनवाने युवा अध्यक्ष, अनिल एड़े उपाध्यक्ष, प्रेमेश्वर पटले सचिव, राजेश रहांगडाले सह-सचिव, दीपप्रकाश एड़े कोषाध्यक्ष, गणेश हरिणखेड़े उपाध्यक्ष ब्लॉक संगठन लांजी, जिला कार्यकारिणी सदस्य एवं सुनील एड़े सचिव युवा प्रकोष्ठ जिला संगठन बालाघाट की सक्रिय भूमिका रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में समाज के संरक्षक हेतराम एड़े, व्यास पटले, डाकचंद रहांगडाले, संजय रहांगडाले, लक्ष्मीनारायण रहांगडाले, राजेन्द्र सोनवाने, अनतराम सोनवाने, धनीराम सोनवाने, खेमराज सोनवाने, ओमप्रकाश सोनवाने, हेतराम चौधरी, संतोष चौधरी, गोविंद राव रहांगडाले, नेतराम रहांगडाले, लखनलाल रहांगडाले, श्रीराम रहांगडाले, राधेश्याम रहांगडाले, हुमेन्द्र पटले, दिनेश एड़े, नरेश एड़े, पवन एड़े, राहुल एड़े, निलचंद एड़े, शिवचंद एड़े, गणेश एड़े, योगराज बघेले, धर्मराज बघेले, पन्नालाल पटले, तोषराम एड़े, कौड़ूलाल पटले, रामप्रसाद सोनवाने, उमेश एड़े, धनीराम एड़े, गोपाल एड़े, चैतराम एड़े, भीकराज कटरे, युवराज कटरे, मदनलाल पटले, राजेश्वर पटले, बलवंतराव पटले, नेतराम पटले, नानूराम चौहान, मिश्रीलाल पटले, दिनेश हरिणखेड़े, हिरदीलाल पटले, भाऊलाल पटले, बालचंद पटले सहित समस्त सामाजिक बंधुओं का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

गायत्री शक्ति पीठ लांजी में संपन्न हुआ तीन दिवसीय बसंत पर्व

गणतंत्र दिवस पर गायत्री शक्ति पीठ में होगा ध्वजारोहण

पद्मेश न्यूज। लांजी। गायत्री शक्ति पीठ लांजी में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 21 जनवरी से 23 जनवरी तक हर्ष एवं उल्हास के साथ बसंत पंचमी पर्व मनाया गया। पूर्व नियोजित कार्यक्रम के अनुसार प्रातः 6 बजे आरती के पश्चात जप, ध्यान एवं योग संपन्न हुआ। प्रातः 10 बजे से 3 कुण्डीय गायत्री यज्ञ, डॉ छबिलाल मरठे, धर्मेन्द्र सिंह बैस एवं डॉ प्रहलाद बाहे की टोली द्वारा प्रारंभ किया गया। सर्वप्रथम बसंत पर्व पर मा सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन एवं पूजन अर्चन कर गायत्री यज्ञ प्रारंभ किया गया। यज्ञ में पुसवन गर्भ संस्कार,विद्यारंभ संस्कार एवं गुरू दीक्षा संस्कार संपन्न किया गया। अंत में पूर्णाहुति आरती एवं महाप्रसादी के साथ कार्यक्रम समाप्त किया गया। कार्यक्रम में गायत्री परिवार के ट्रस्टी के एल मेहरबान, शिव कुमार अग्रवाल, सालिकराम डोलस, धर्मेन्द्र सिंह बैस, श्रीमती शोभा देवी वर्मा, सुमन आसटकर, विनीता सोमनकर, श्यामलाल पाण्डे, श्रीमती प्रमिला विनोद तिड़के, आरडी बडगैया, गब्बुलाल नगपुरे, ताराचंद राऊत, आई एस चौहान, लोकराम भोण्डेकर, सालिकराम रामटेक्कर, शैलेन्द्र विजयवार, दुलीराम आसटकर, ताराचंद भण्डारकर, राजहंस टेंभरे, श्रीमती कांता तिड़के, कौतिका शेण्डे, अनिता अग्रवाल, मालती जैतवार, ममता तिड़के, प्रगति पालीवाल, लीलादेवी मोरघडे, सरिता खानोरकर, श्यामलाल भरने, छन्नुलाल दमाहे, निर्मला सोनवाने, कु रोहिणी, भगवती धर्मेन्द्र कराहे आदि सदस्य गण प्रमुख रूप से उपस्थित हे। बतादे कि गायत्री शक्ति पीठ लांजी में 26 जनवरी गणतंत्र दिवस पर्व के पावन अवसर पर प्रातः 8 बजे ध्वजारोहण कर पर्व मनाया जायेगा। सभी से उक्त अवसर पर पंहुचने की अपील गायत्री शक्ति पीठ ट्रस्ट के द्वारा की गई है।

सेवानिवृत्त शिक्षक रघुजी गुरदे पंचतत्व में विलीन

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी नगर के भिलाई रोड़ वार्ड 12 निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक रघुजी गुरदे जी का 90 वर्ष की आयु में 23 जनवरी की मध्य रात्रि में निधन हो गया। आप अपने पीछे दो पुत्र, तीन पुत्रियों सहित नाती पोतो से भरा पुरा परिवार छोड स्वर्ग सीधार गये। आपका अंतिम संस्कार सामाजिक रीति रिवाजो के साथ 24 जनवरी को स्थानीय कोटेश्वर मोक्ष धाम में किया गया। आपके अंतिम संस्कार के दौरान बडी संख्या में नाते रिश्तेदार, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, ईष्ट मित्र आदि ने सम्मिलित होकर पंच लकड़ी प्रदान की तथा सभी ने 2 मीनट का मौन धारण कर मृत आत्मा के शांति के लिये प्रार्थना की तथा इस दुख की घड़ी में परिजनों को संबल प्रदान करने परमपित परमेश्वर से प्रार्थना की।

पुलिस ने लाड़सा के जंगल में दबिश देकर 4 जुआरियों को किया गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी पुलिस के द्वारा 22 जनवरी को 13 जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये 4 जुआरियों के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध किया गया है। बतादे कि लांजी क्षेत्र में अनेको स्थानो पर जुए की फड़ सजाई जा रही है। लगातार अवैध रूप से जुआ आदि का खेल धडल्ले से संचालित हो रहा है। जिसकी समय समय पर सूचना भी पुलिस को प्राप्त होती है। इन्ही सूचना तंत्र के आधार पर लांजी पुलिस के द्वारा 22 जनवरी को रात्रि में ग्राम लाड़सा के जंगल में दबिश देते हुये कार्यवाही की गई जिसमे ज्ञात हुआ कि कुछ लोग लाड़सा के जंगल में ताश के 52 पत्तो पर हार जीत का दांव लगा रहे थे। जिस पर लांजी पुलिस के द्वारा दबिश देकर 4 जुआरियों को पकड़ा गया जिसमें राधेलाल पिता श्यामलाल लिल्हारे उम्र 45 वर्ष निवासी वारी थाना बहेला, ललित पिता बालक दास मेश्राम उम्र 22 वर्ष निवासी देवलगांव, योगेन्द्र पिता राजेश्वर कंकरायेने उम्र 35 वर्ष निवासी लाड़सा, दीपक पिता चमारू टीरे उम्र 42 वर्ष निवासी पारडी थाना किरनापुर के पास से ताश 52 पत्ते एवं कुल जुमला राशि 2020 बरामद कर जिस पर अपराध क्रमांक 22/26 धारा 13 जुंआ एक्ट के तहत पंजीबद्ध कर विवेचना की जा रही है। बतादे कि यह भी ज्ञात हुआ कि यहां पर कई दिनो से जुआ खिलाया जा रहा था जहां पर क्षेत्र सहित पडोसी राज्यो से भी जुआरी जुआं खेलने के लिये उक्त स्थान पर आते थे। जिस पर पुलिस की कार्यवाही की गई है। इसके अतिरिक्त क्षेत्र में और भी स्थान हो सकते है जहां इस प्रकार से जुआ आदि संचालित किया जा रहा है। जिस पर भी पुलिस द्वारा नकेल कसी जाये।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मकान गणना की प्रश्नावली तैयार, एमपी में जनगणना डायरेक्टर नही

अप्रैल में जाति गणना के साथ लोगों के घरों की रसोई की रिपोर्ट जुटा लेगी सरकार

भोपाल। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस साल होने वाली जनगणना को लेकर मकानों की गणना के लिए तारीख के बाद अब प्रश्नावली का भी ऐलान कर दिया है, लेकिन राज्य सरकार एमपी में जनगणना निदेशक का पद नहीं भर पाई है। जबकि सवा दो माह बाद मकान गणना का कार्य शुरू होने वाला है। दूसरी ओर केंद्र सरकार द्वारा तैयार कराई गई मकान गणना में एससी-एसटी और अन्य वर्गों की संख्या का आंकलन सरकार अप्रैल में ही कर लेगी। इसका खुलासा केंद्र सरकार की प्रश्नावली से हुआ है। सरकार इस दौरान यह भी पता कर लेगी कि कितने लोग अपने मकानों का व्यवसायिक और कितने निजी उपयोग करते हैं। किराए से मकान देने वालों की स्थिति भी इससे साफ हो जाएगी।

केंद्र की सहमति से भरे जाने वाले इस पद के लिए राज्य सरकार को करीब चार महीने के अंतराल में कोई जिम्मेदार अधिकारी नहीं मिला है। इसी कारण से सितम्बर में यहां पदस्थ रहीं एमपी कैडर की

आईएएस अधिकारी भावना वालिम्बे के रिटायरमेंट के बाद से अब तक यहां जनगणना निदेशक की जिम्मेदारी प्रभारी अधिकारी के भरोसे है। 22 जनवरी को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जनगणना के लिए होने वाले मकानों की गणना के लिए प्रश्नावली जारी की है। इसमें बताया गया है कि किस तरह के सवाल लोगों को घरों तक पहुंचने वाले प्रगणक लोगों से पूछेंगे। इस महत्वपूर्ण काम के लिए राज्य में जनगणना निदेशक ही नहीं हैं। अभी एमपी के जनगणना निदेशक का पद छत्तीसगढ़ के जनगणना निदेशक के अतिरिक्त प्रभार में है। बताया जाता है कि यहां शुरुआत में आईएएस अधिकारी सूफिया फारुकी वली का नाम जनगणना निदेशक के लिए फाइनल हुआ था, लेकिन बाद में एफसीआई में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर चली गई। इसके बाद से इस पद के लिए किसी अधिकारी का नाम फाइनल नहीं हुआ है।

जाति से लेकर रसोई में बनने वाले खाने तक नजर

मकान गणना के लिए जो प्रश्नावली जारी की गई है उसमें 12वां प्रश्न जाति गणना से संबंधित है, जिसमें प्रगणक यह जानकारी लेंगे कि मकान में रहने वाला व्यक्ति एससी, एसटी या अन्य वर्ग का है। इसी तरह लोगों की रसोई में भी सरकार की एंट्री इन सवालों के जवाब के बहाने होगी कि जिस मकान की गणना की जा रही है वहां एलपीजी, पीएनजी या अन्य किस तरह का ईंधन उपयोग हो रहा है। वहां रहने वाले लोगों के खाने में उपयोग होने वाला मुख्य अनाज क्या है? कार, जीप, वैन, मोटरसाइकिल, साइकिल, मोपेड की जानकारी के साथ मोबाइल, लैपटाप, कम्प्यूटर की रिपोर्ट जुटाई जाएगी और इससे यह साफ होगा कि कितने सुविधाभोगी लोग हैं।

दो चरणों में होगी जनगणना, पहला चरण एक अप्रेल से

जनगणना 2026 और 2027 में दो चरणों में होगी। पहला चरण 1 अप्रैल 2026 से शुरू होगा, जिसमें मकानों की गिनती की जाएगी। दूसरा चरण 1 फरवरी 2027 से शुरू होगा, जिसमें लोगों की जनसंख्या, जाति और बाकी जरूरी जानकारियां जुटाई जाएंगी। इसके लिए 16 जून 2024 को सरकारी अधिसूचना जारी की गई है। यह आजादी के बाद भारत की 8वीं और कुल 16वीं जनगणना होगी।

फरवरी 2026 तक होगी डेढ़ लाख कर्मचारियों की तैनाती

प्रदेश में जनगणना को लेकर फरवरी 2026 में पहले राउंड के लिए पूरे प्रदेश में डेढ़ लाख कर्मचारियों की तैनाती होगी। 20 दिन में डिजिटल जनगणना का काम पूरा किया जाएगा। इसके बाद आंकड़ों को मिलाकर जनगणना आयुक्त को भेजा जाएगा।

बच्चों के रजिस्ट्रेशन व सत्यापन पर ही बोर्ड परीक्षा में हो पाएंगे शामिल

5वीं-8वीं की परीक्षा के लिए राज्य शिक्षा केंद्र ने जारी किए दिशा-निर्देश

भोपाल। प्रदेश के सरकारी व निजी स्कूलों की पांचवीं व आठवीं की कक्षा की बोर्ड परीक्षा 20 फरवरी से आयोजित की जा रही है। इसके लिए राज्य शिक्षा केंद्र ने दिशा-निर्देश जारी किए हैं कि स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों का परीक्षा पोर्टल पर पंजीयन एवं सत्यापन कराने की प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी की जाए। 31 जनवरी तक बच्चों व स्कूलों की मैपिंग से लेकर सत्यापन का कार्य पूरा किया जाए।

सबसे पहले समग्र आईडी वाले विद्यार्थियों का पंजीयन एवं सत्यापन किया जाए। जब पोर्टल पर पंजीयन व सत्यापन होगा, तभी वे बोर्ड परीक्षा में शामिल हो पाएंगे। इस संबंध में राज्य शिक्षा केंद्र ने दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। निर्देशित किया गया है कि निजी स्कूलों को भाषा चयन में एनसीईआरटी और एससीईआरटी का विकल्प देना होगा। पोर्टल पर गलत जानकारी दर्ज करने पर पूर्ण जवाबदेही संबंधित स्कूलों की होगी। पोर्टल पर दर्ज जानकारी के अनुसार ही प्रश्नपत्रों का वितरण किया जाएगा।

प्राचार्य होंगे जिम्मेदार

निर्देशित किया गया है कि अगर किसी जिले के स्कूलों के विद्यार्थियों का पंजीयन व सत्यापन नहीं हो पाता है तो उसके जिम्मेदार हर जिले के प्राचार्य जिम्मेदार होंगे। वहीं अगर किसी स्कूल के विद्यार्थी की गलत मैपिंग कर ली गई है तो उसे सुधार कर पोर्टल पर अपडेट करें।

डीईओ 30 जनवरी तक केंद्रों का निर्धारण करेंगे

सभी जिलों के जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) द्वारा 26 से 30 जनवरी तक चिन्हित परीक्षा केंद्रों का निर्धारण करेंगे। विभिन्न स्कूलों में मैपिंग का काम भी होगा। एक से तीन किमी के अंदर तक परीक्षा केंद्र बनाया जाएगा। एक केंद्र पर 250 से अधिक बच्चे नहीं होंगे। प्रदेश में करीब 12 हजार केंद्र बनाए जाएंगे।

26 जनवरी को परिवार समेत करूंगा आत्महत्या

मऊगंज में विधायक और प्रशासन पर जमीन कब्जाने के आरोप, पीड़ित बोला

भोपाल। मऊगंज में जमीन विवाद को लेकर अनिल पांडे लल्लू ने भाजपा विधायक प्रदीप पटेल, उनके परिजनों और प्रशासनिक अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने न्याय न मिलने पर 26 जनवरी को परिवार सहित आत्महत्या करने की चेतावनी दी है। यह बयान उन्होंने कलेक्ट्रेट परिसर में मीडिया के सामने दिया है। अनिल पांडे ने कुछ दिन पहले विधायक प्रदीप पटेल पर अपनी जमीन हड़पने का आरोप लगाया था। अब उनका दावा है कि विधायक के दबाव में प्रशासन उन्हें और उनके परिवार को लगातार निशाना बना रहा है। वहीं जमीन मालिक का कहना है उसने भूमि को उपजाऊ बनाने के लिए समतलीकरण कराया है मिट्टी नहीं बेची है।

पांडे के अनुसार, एसडीएम, तहसीलदार, पटवारी, आरआई और खनिज विभाग की एक संयुक्त टीम ने उनकी जेसीबी मशीन और हाइवा डंपर जब्त कर लिए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई चुनिंदा तरीके से की गई है, जबकि जिले में सैकड़ों अन्य जेसीबी और डंपर खुलेआम चल रहे हैं, जिन पर कोई कार्रवाई नहीं होती। पांडे ने इसे राजनीतिक बदले की कार्रवाई बताया। अनिल पांडे ने बताया कि विधायक प्रदीप पटेल से जमीन विवाद शुरू होने के बाद से ही उन्हें, उनके भाइयों और पूरे परिवार को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रशासन ने उनकी बात नहीं सुनी और बिना किसी ठोस कारण के उनके वाहन थाने में खड़े कर दिए गए हैं। मामले की गंभीरता तब और बढ़ गई जब अनिल पांडे ने 26 जनवरी को कलेक्ट्रेट परिसर में परिवार सहित आत्महत्या करने की धमकी दी। उन्होंने इस संभावित कदम की पूरी जिम्मेदारी विधायक प्रदीप पटेल, उनके परिजनों और संबंधित अधिकारियों पर डाली है।

जमीन मालिक बोले-नहीं बेची मिट्टी

भूमि स्वामी विजय शंकर मिश्रा ने बताया कि उनकी भूमि लंबे समय से बंजर अवस्था में पड़ी हुई थी। उन्होंने कहा कि पिछले तीन-चार वर्षों से वे उक्त भूमि का समतलीकरण कराकर उसे कृषि योग्य बनाने का कार्य करवा रहे हैं। उनके अनुसार भूमि का अधिकांश भाग पहले ही समतल किया जा चुका है, जबकि शेष हिस्से का समतलीकरण वर्तमान में कराया जा रहा था। इस दौरान निकाली गई मिट्टी को न तो कहीं बाहर बेचा गया और न ही किसी प्रकार से अवैध रूप से परिवहन किया गया। अधिकांश मिट्टी खेत में ही डालकर भूमि को समतल किया गया। इस बीच, मऊगंज के पूर्व विधायक सुखेंद्र सिंह बन्ना भी अनिल पांडे के समर्थन में कलेक्ट्रेट पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन केवल कांग्रेस से जुड़े लोगों पर कार्रवाई करता है।

पैगंबर हजरत मोहम्मद पर आपत्तिजनक टिप्पणी का आरोप

मुस्लिम त्योहार कमेटी ने थाने में दिया आवेदन, एफआईआर की मांग

भोपाल। सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले ने शहर का सियासी और सामाजिक तापमान बढ़ा दिया है। ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी ने फेसबुक पर की गई कथित आपत्तिजनक पोस्ट को लेकर आरोपी के खिलाफ खुक्र दर्ज कराने की मांग की है। इस संबंध में कमेटी की ओर से थाना अशोका गार्डन में लिखित शिकायत सौंपी गई।

कमेटी का आरोप है कि फेसबुक पर सुरेंद्र अहिरवार नामक व्यक्ति ने पैगंबर मोहम्मद को लेकर अभद्र, अपमानजनक और भड़काऊ टिप्पणी की, जिससे मुस्लिम समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। शिकायत में कहा गया है कि यह पोस्ट न केवल सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाने वाली है, बल्कि क्षेत्र की शांति व्यवस्था के लिए भी खतरा बन सकती है।

कार्रवाई नहीं हुई तो पुनरावृति होगी

शिकायत पत्र में उल्लेख किया गया है कि यह कृत्य जानबूझकर दुर्भावनापूर्ण मंशा से किया गया, जिसका उद्देश्य समाज में वैमनस्य फैलाना और धार्मिक आधार पर तनाव उत्पन्न करना है। कमेटी ने इसे गंभीर आपराधिक कृत्य बताते हुए भारतीय न्याय संहिता की धारा 153 सहित धार्मिक भावनाएं आहत करने से जुड़ी अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज करने की मांग की है। ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के पदाधिकारियों का कहना है कि यदि समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो इस तरह की घटनाएं दोहराई जा सकती हैं, जिससे सामाजिक शांति प्रभावित होगी। कमेटी ने पुलिस प्रशासन से त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई की अपेक्षा जताई है।

5 सालो में एमपी से 54 हजार 803 नाबालिग किशोरियॉ लापता

-सिंघार ने सरकार पर किया हमला, सीएम से की तत्काल ध्यानाकर्षण की मांग

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा में विपक्ष के नेता उमंग सिंघार ने राज्य सरकार पर बालिका सुरक्षा को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने खुलासा किया कि पिछले पांच सालो में प्रदेश से करीब 55 हजार बालिकाएं लापता हो चुकी हैं। यह आंकड़ा न केवल चौंकाने वाला है,बल्कि कानून-व्यवस्था की पोल खोलने वाला भी है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 54,803 बालिकाएं गायब हुई हैं,जिनमें साल 2025 में ही 13,146 मामले दर्ज किए गए। सिंघार ने गृह विभाग की जिम्मेदारी निभा रहे मुख्यमंत्री मोहन यादव को घेरते हुए कहा कि विभाग का नियंत्रण उनके हाथों से निकलता जा रहा लगता है। चुनावी वादे जमीनी स्तर पर खोखले साबित हो रहे हैं,जहां महिला सशक्तिकरण महज नारा बनकर रह गया है। नेता प्रतिपक्ष ने सीएम से तत्काल ध्यानाकर्षण की मांग की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की बेटियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए और अपराधियों पर सख्त कार्रवाई हो। दोषियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए। बालिका दिवस पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बेटियों को समाज की शक्ति बताया। उन्होंने कहा कि हर बालिका को सम्मान,सुरक्षा,बेहतर शिक्षा और समान अवसर मिलें। हम सब मिलकर उनके सपनों को पंख दें और आत्मनिर्भर बनाएं। कांग्रेस लगातार राज्य की बिगड़ती कानून व्यवस्था पर सवाल उठा रही है। हालिया अपराध घटनाएं, एनसीआरबी के खराब आंकड़े और लापता बालिकाओं की बढ़ती संख्या ने विवाद को और भड़का दिया है। जिसके चलते सरकार पर दबाव बढ़ता जा रहा है।

- बालिकाओं की गुमशुदगी के मामले में पुलिस की कार्यवाही

बालिकाओं की गुमशुदगी के मामलो को लेकर बीते पांच सालो के आंकड़ो पर नजर डाली जाये तो 1 जनवरी 2021 से 31 दिसंबर 2025 तक प्रदेशभर से कुल 54,803 बालिकाएं लापता हुई हैं। इनमें सबसे अधिक गुमशुदगी के रिकॉर्ड 13,146 मामले साल 2025 में दर्ज किए गए। साल 2024 की तुलना में 2025 में 1,239 अधिक मामले सामने आए हैं। राहत की बात यह रही कि साल 2025 में गुमशुदा बालिकाओं की बरामदगी के आंकड़ों में भी उल्लेखनीय सफलता तरी दर्ज की गई है। साल भर में कुल 14,520 बालिकाओं को दस्तयाब किया गया। मुख्यालय (पीएचक्यू) के आंकड़ों के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में 54,803, बालिकाएं गुम हुई, जिनमें से 52,176 बालिकाओं का अब तक पता लगाया जा चुका है। हालांकि 31 दिसंबर 2025 की स्थिति में 2,627 बालिकाएं अब भी लापता हैं, जिनकी तलाश जारी है।

विदेश भेजा जाता था गौमांस, हड्डियां की जाती थी चीन को सप्लाई

भोपाल। राजधानी भोपाल में पुलिस हेडक्वार्टर के सामने बीती 17 दिसंबर की रात निगम के स्लॉस्टर हाउस के वाहन से पकड़े गए 26 टन गोमांस के मामले में पुलिस ने जेल में बंद मुख्य आरोपी असलम चमड़ा और उसके ड्राइवर शोएब को 25 जनवरी तक प्रोटेक्शन वारंट पर रिमांड पर लिया है, जिनसे लगातार पूछताछ की जा रही है। सूत्रो के मुताबिक गुरुवार से शुक्रवार रात तक अधिकारियों ने कई घंटो तक उससे पूछताछ की। लेकिन वह पुलिस को गुमराह करते हुए जप्त मांस को अपना मानने से इंकार कर रहा है। उसने पुलिस को बताया कि माल की पैकिंग केवल स्लॉटर हाउस में हुई थी, लेकिन वह आगरा की एक प्रतिष्ठित एग्रो फूड कंपनी का था। पुलिस ने असलम से उसके कारोबारी पार्टनर्स और करीबी लोगो की भी जानकारी हासिल की है। इसके साथ ही स्लॉटरिंग से पहले जानवरों का चेकअप करने वाले डॉक्टर बेनी प्रसाद गौर की भूमिका को लेकर भी जानकारियां जुटाई गई हैं। पूछताछ के दौरान उसने यह भी बताया कि उसका माल शिपिंग कंटेनरों के जरिए मुंबई भेजा जाता था और वहां से मांस को गल्फ देशों में सप्लाई किया जाता था। जबकि हड्डियां चीन भेजी जाती थीं। असलम का कारोबार बिहार, बेंगलुरु, हैदराबाद और महाराष्ट्र सहित कई राज्यों में फैला हुआ है। इस बात की पुष्टि खुद असलम ने पूछताछ में की है। वहीं ट्रक ड्राइवर शोएब ने भी खुद को बचाते हुए कई राज उजागर किये है। सूत्रो के मुताबिक शोएब ने यह तो स्वीकार किया है, कि उसे प्रति ट्रिप 10 से 15 हजार रुपए मिलते थे। लेकिन उसका यह भी कहना है कि उसे इस बात की जानकारी नहीं थी, कि कंटेनर में गोमांस भरा है।

- लगातार संदेह के घेरे में आई शहर सरकार बैकफुट पर

- असलम चमड़ा और ड्रायवर से घंटो पूछताछ में हुए चौकानें वाले खुलासा
- शिपिंग कंटेनरों से पहले मुंबई फिर वहां से गल्फ देशों में होता था सप्लाई
- बिहार, बेंगलुरु, हैदराबाद, महाराष्ट्र सहित कई राज्यो में फैला है असलम का कारोबार

जिंसी स्थित नगर निगम के स्लॉटर हाउस में गोकशी किये जाने गोमांस दूसरे राज्यो में भेजे जाने के मामले में नगर निगम प्रशासन की भूमिका लगातार संदिग्ध होती जा रही है। नगर निगम के पशु चिकित्सा अधिकारी की ओर से जारी वह पत्र भी सामने आ चुका है, जिसके आधार पर मांस को स्लॉटर हाउस से बाहर ले जाने की अनुमति दी गई थी। स्लॉटर हाउस शुरू करने से संबंधित अनुमति एमआईसी ने दी थी। यह प्रस्ताव परिषद में भी नहीं लाया गया। इसके चलते वेटनरी डॉक्टर बेनी प्रसाद गौर को संभागायुक्त संजीव सिंह ने सस्पेंड कर दिया था।

- निगम के अधिकारियों और इंजीनियरों से होगी पूछताछ

स्लाटर हाउस के मामले में अब निगम के संस्पेंड कर्मचारियों के साथ पूर्व अधिकारियों और इंजीनियरों व एसबीएम के सलाहकारों से भी पूछताछ की जानी है जिनके इसके कई और पहलू सामने आ सकते हैं।

- इनको किया गया सस्पैंड

स्लॉटर हाउस में तैनात वसीम खान, सलीम खान, राजा खान, शेख यूसुफ, वहीद खान, मोहम्मद फैयाज खान, ईसा मोहम्मद और अब्दुल रहमान को सस्पेंड कर दिया गया है। वहीं, युसूफ खान, अब्दुल हकीम और मोहम्मद रफीक को नोटिस थमाए गए हैं।

- पुलिस ने जप्त किये दस्तावेज

पुलिस ने शुक्रवार को नगर निगम से स्लॉटर हाउस से जुड़ी फाइलें और दस्तावेज जब्त किए। इनमें वर्ष 2014-15 से अब तक के टेंडर, अनुमति पत्र और अन्य रिकॉर्ड शामिल हैं। प्रभारी सहायक यंत्री सौरभ सूद समेत दो कर्मचारियों को लगातार दो दिन से जहांगीराबाद थाने बुलाकर पूछताछ की जा रही है।

- असलम की संपत्ति भी आ सकती है जॉंच के दायरे में

सूत्रो के मुताबिक मामले में मुख्य आरोपी असलम कुरैशी उर्फ असलम चमड़ा की संपत्ति पर भी एसआईटी की नजर है। गौरतलब है, कि असलम चमड़ा ने 30 से अधिक वर्षों से मवेशियों के अवशेषों और मांस के अवैध कारोबार से भोपाल में कई संपत्ति और बंगलें बनाये हैं। इसके अलावा, उन संपत्तियों की भी जांच हो रही है जहां मृत पशुओं को छिपाकर रखा जाता था। इसके अलावा स्लॉटर हाउस में गोवंश की हत्या कर गोमांस को खाड़ी देशों सहित अन्य स्थानों पर भेजने से पहले अन्य शहरों में कहां कहां रखता था वहां पर उसकी कितनी संपत्ति है इसकी भी जांच की जाएगी। पुलिस और जांच एजेंसियां असलम द्वारा अवैध रूप से अर्जित की गई चल-अचल संपत्ति का ब्यौरा जुटा रही हैं, जिसस यह साफ हो सके की उसने गोमांस के अवैध कारोबार से कितनी संपत्ति अर्जित की है।

हजारों साल में किसी ने शंकराचार्य से नहीं मांगा प्रमाण पत्र, मोदी-योगी मांग रहे

अविमुक्तेश्वरानंद को गंगा स्नान से रोकने पर धरना-उपवास, पीसीसी चीफ बोले

भोपाल । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार पर सनातन परंपराओं, साधु-संतों और धार्मिक आस्थाओं पर हमले का आरोप लगाते हुए कांग्रेस नेताओं ने राजधानी के रोशनपुरा चौराहे पर उपवास और धरना प्रदर्शन किया। पूर्व मंत्री पीसी शर्मा के नेतृत्व में यह उपवास-धरना रोशनपुरा चौराहे पर आयोजित किया गया, जिसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी भी शामिल हुए।

कांग्रेस नेताओं ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती एवं उनके शिष्यों के कथित अपमान, साधु-संतों पर दमनात्मक कार्रवाई और काशी के मणिकर्णिका घाट जैसे पवित्र स्थलों को तोड़े जाने के प्रयासों के विरोध में भाजपा सरकार की कड़ी निंदा की। धरना स्थल पर संबोधित करते हुए पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा कि हजारों वर्षों से सनातन परंपराओं में जगतगुरु शंकराचार्य की मान्यता स्वतः सिद्ध रही है, लेकिन आज उनसे प्रमाण पत्र मांगे जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार में जगतगुरु शंकराचार्य को गंगा स्नान से रोका गया, जो सनातन परंपराओं के विरुद्ध है।

पटवारी ने कहा कि भारत के इतिहास में कभी किसी ने शंकराचार्य को गंगा स्नान से रोकने का दुस्साहस नहीं किया, लेकिन हिंदू हितों की बात करने वाली भाजपा सरकार ने ऐसा किया। उन्होंने सवाल उठाया कि जिस सनातन परंपरा में विविधता ही भारत की ताकत रही है, उसी परंपरा में शंकराचार्य को गंगा स्नान से क्यों रोका गया।

यह राजनीतिक नहीं, आस्था का विषय

पीसीसी अध्यक्ष ने कहा कि यह मुद्दा किसी राजनीतिक विचारधारा से जुड़ा नहीं है, बल्कि भारत की अस्मिता और सम्मान से जुड़ा हुआ है। उन्होंने साधु-संतों और बटुकों के साथ कथित दुर्व्यवहार का भी उल्लेख करते हुए कहा कि उनके साथ शारीरिक और मानसिक पीड़ा पहुंचाने वाले कृत्यों के दृश्य सामने आए हैं। पटवारी ने कहा कि सत्ता में रहते हुए भले ही दोषियों को सजा न मिले, लेकिन उन्हें अपने कर्मों का परिणाम भुगतना पड़ेगा। उन्होंने सभी सनातन मानने वालों और देशवासियों से इस मुद्दे को गंभीरता से समझने की अपील की। धरना प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने भाजपा पर धर्म का राजनीतिक लाभ के लिए उपयोग करने का आरोप लगाया और कहा कि ऐसे लोगों का चेहरा जनता के सामने बेनकाब होगा। जीतू पटवारी ने इस पूरे प्रकरण को भारत की आस्था और सम्मान से जुड़ा बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की निंदा की।

सत्य साई यूनिवर्सिटी से बैक डेट में बनाई थी बीपीएड की डिग्रियां

भोपाल । मध्यप्रदेश के पुराने इंदौर-भोपाल हाइवे स्थित श्री सत्य साई यूनिवर्सिटी में फर्जी डिग्रियों का एक बडा घोटाला उजागर हुआ है। यहां पर बैक डेट में करीब 67 बीपीएड डिग्रियां बनाई गई और राजस्थान में शारीरिक शिक्षक भर्ती परीक्षा में अभ्यार्थियों ने इन फर्जी डिग्रीयों के माध्यम से नौकरी हासिल की। इस मामले में राजस्थान की एसओजी टीम ने बुधवार शाम को सीहोर की साईं यूनिवर्सिटी में दबिश थी। टीम ने देर रात तक यहां दस्तावेज खंगाले थे। टीम ने हार्ड डिस्क और मार्कशीट के दस्तावेज जब्त किए हैं।

गुरूवार और शुक्रवार को भी टीम ने यहां पर जांच की। टीम के सदस्य राजस्थान पुलिस के एडिशनल एसपी राजेश मेश्राम ने बताया कि जांच के दौरान कई संदिग्ध दस्तावेज मिले हैं। टीम कड़ी से कड़ी मिलाकर जांच कर रही है। राजस्थान में फर्जी डिग्रियों को लेकर पांच एफआईआर दर्ज हैं। तीन दिन जांच के बाद टीम शुक्रवार रात को लौट गई।

यह था पूरा मामला

राजस्थान में वर्ष 2020 की सहायक शिक्षक भर्ती में शामिल 67 अभ्यर्थियों की डिग्रियां फर्जी पाई गई हैं।

तीसरे टी20 में अजेय बढ़त पर टीम इंडिया की नजर

संजू सैमसन की परीक्षा और ईशान किशन की चुनौती

गुवाहाटी। पहले दोनों मुकाबले आसानी से जीतकर आत्मविश्वास से लबरेज भारतीय टीम रविवार को यहां होने वाले तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में जीत दर्ज कर पांच मैचों की सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने के इरादे से उतरेगी। इस मैच में जहां भारत की नजर सीरीज पर कब्जा जमाने पर होगी, वहीं सबसे ज्यादा चर्चा संजू सैमसन के प्रदर्शन को लेकर है, क्योंकि पिछले मैच में ईशान किशन की विस्फोटक वापसी ने टीम संयोजन को लेकर बहस तेज कर दी है। किशन की शानदार पारी के बाद यह सवाल फिर से खड़ा हो गया है कि अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करने के लिए टीम प्रबंधन किस पर भरोसा जताएगा।

टी20 वर्ल्ड कप की शुरुआत में अब केवल दो सप्ताह का समय बचा है और इससे पहले भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन और मैच खेलने हैं। ऐसे में भारतीय टीम का ढांचा काफी हद तक तय नजर आता है। बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में टीम ने अब तक संतुलित प्रदर्शन किया है, लेकिन कुछ स्थानों को लेकर असमंजस बना हुआ है, जिनमें संजू सैमसन का स्थान सबसे अहम माना जा रहा है। पिछले मैच में ईशान किशन ने मात्र 32 गेंदों पर 76 रनों की तेजतर्रार पारी खेलकर अपनी दावेदारी मजबूत की और सैमसन पर दबाव और बढ़ा दिया।

शुभमन गिल को टी20 प्रारूप में अपेक्षित प्रभाव न छोड़ पाने के कारण बाहर कर अभिषेक शर्मा के साथ सैमसन को सलामी बल्लेबाज के रूप में मौका दिया गया था, लेकिन केरल के इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने अब तक मिले मौकों का पूरा फायदा नहीं उठाया है। पसंदीदा बल्लेबाजी क्रम में वापसी के बावजूद उनके प्रदर्शन में निरंतरता की कमी साफ दिखी है। तेज गेंदबाजों के खिलाफ उनकी कमजोरी एक बार फिर उजागर हुई है। इंग्लैंड के खिलाफ हालिया सीरीज में वह तेज गेंदबाजों के सामने बार-बार आउट हुए थे और न्यूजीलैंड के खिलाफ भी पहले दो मैचों में केवल 10 और छह रन ही बना सके। भारत के पूर्व बल्लेबाज डब्ल्यूवी रमन ने भी उनके आउट होने के तरीके पर टिप्पणी करते हुए कहा कि जब तक सैमसन गेंद की गति के अनुसार अपने शॉट चयन और बल्ले की रफ्तार में बदलाव नहीं करेंगे, तब तक उनसे निरंतर अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करना मुश्किल होगा।

भारत के लिए राहत की बात यह है कि कप्तान सूर्यकुमार यादव अपनी पुरानी लय में लौटते दिखे हैं। उन्होंने पिछले मैच में 37 गेंदों पर 82 रन की पारी खेलकर लंबे समय बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय में अर्धशतक जड़ा। अभिषेक शर्मा हालांकि पिछली मैच की पहली गेंद पर आउट हो गए थे, लेकिन वह इस मुकाबले में बड़ी पारी खेलने के इरादे से उतरेंगे। पिछले मैच में भारत की शुरुआत बेहद खराब रही थी और टीम दो विकेट पर छह रन तक सिमट गई थी, लेकिन इसके बाद किशन की आक्रामक बल्लेबाजी ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया और भारत ने 28 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया।

गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह ने शुरुआती ओवरों में रन जरूर लुटाए, लेकिन कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती ने बीच के ओवरों में कसी हुई गेंदबाजी कर टीम को मजबूती दी। टीम प्रबंधन की नजर अक्षर पटेल की उंगली की चोट पर भी रहेगी और उम्मीद है कि उन्हें विश्व कप से पहले पर्याप्त मैच अभ्यास मिल सके। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को पिछले मैच में आराम दिया गया था और इस मुकाबले में उनकी वापसी की संभावना है, क्योंकि कम अंतराल में मैच होने के चलते तेज गेंदबाजों को रोटेट किया जा रहा है।

न्यूजीलैंड की टीम के लिए यह मुकाबला सम्मान बचाने जैसा होगा। मिचेल सैंटनर की कप्तानी वाली टीम इस करारी हार के बाद रणनीति में बदलाव कर सकती है और डैरिल मिचेल को ऊपर के क्रम में भेजने पर विचार कर सकती है। हालांकि उसकी आमतौर पर मजबूत मानी जाने वाली फील्डिंग इस सीरीज में निराशाजनक रही है और कई आसान कैच छूटे हैं। यदि न्यूजीलैंड को वापसी करनी है तो उसे इस विभाग में तुरंत सुधार करना होगा।

टीम इस प्रकार हैं-

भारत- सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन, श्रेयस अय्यर, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, अर्शदीप सिंह, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा।

न्यूजीलैंड- मिचेल सैंटनर (कप्तान), डेवोन कॉनवे, बेवन जैकब्स, डैरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम रॉबिन्सन, जिमी नीशम, ईश सोढ़ी, जैक फॉक्स, मार्क चैपमैन, माइकल ब्रैसवेल, रचिन रविंद्र, काइल जैमीसन, मैट हेनरी, जैकब डफी।

भारत ने टी-20 क्रिकेट में रचा इतिहास, 200+ रन का लक्ष्य सबसे तेज़ चेज

रायपुर। भारतीय क्रिकेट टीम ने टी-20 क्रिकेट में एक नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए 200 से अधिक रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे तेज़ जीत दर्ज करने वाली फुल मेंबर टीम बन गई है। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी-20 मुकाबले में 209 रन के विशाल लक्ष्य को 28 गेंदें शेष रहते हासिल कर यह ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम की। इस जीत के साथ भारत ने पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया को पीछे छोड़ दिया। इससे पहले पाकिस्तान ने 2025 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 205 रन का लक्ष्य 24 गेंदें शेष रहते चेज किया था, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने उसी साल वेस्टइंडीज के विरुद्ध 23 गेंदें शेष रहते जीत दर्ज की थी। भारत अब 200 से ज्यादा रन के लक्ष्य का पीछा करने में सबसे तेज़ जीत हासिल करने वाला फुल मेंबर देश बन गया है।

इतना ही नहीं, भारत 200+ रन के लक्ष्य को सबसे ज्यादा बार सफलतापूर्वक हासिल करने वाले देशों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। टीम इंडिया अब तक 6 बार यह कारनामा कर चुकी है, जबकि ऑस्ट्रेलिया 7 बार के साथ शीर्ष पर है। इस सूची में दक्षिण अफ्रीका (5), पाकिस्तान (4) और इंग्लैंड (3) क्रमशः तीसरे, चौथे और पांचवें स्थान पर हैं। मैच की बात करें तो टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 208 रन बनाए। न्यूजीलैंड के लिए कप्तान मिचेल सेंटनर ने 27 गेंदों में सर्वाधिक 47 रन बनाए, जबकि रचिन रवींद्र ने 44 रनों की अहम पारी खेली। भारत की ओर से कुलदीप यादव सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 2 विकेट झटके। वहीं हार्दिक पंड्या, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती और शिवम दुबे को 1-1 विकेट मिला।

209 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही और मात्र 6 रन के स्कोर पर उसके 2 विकेट गिर गए। इसके बाद ईशान किशन और कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मोर्चा संभाला। ईशान किशन ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 32 गेंदों में 4 छक्कों और 11 चौकों की मदद से 76 रन बनाए। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने शानदार फॉर्म दिखाते हुए 37 गेंदों में नाबाद 82 रन की मैच जिताऊ पारी खेली। अंत में शिवम दुबे ने 18 गेंदों में नाबाद 36 रन बनाकर जीत को आसान बना दिया। भारत ने 15.2 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर न सिर्फ मैच जीता, बल्कि टी-20 इतिहास में एक नया अध्याय भी जोड़ दिया।

स्क्वैश : भारत की अनाहत सिंह ने दूसरे दौर में जगह बनाई, पुरुष वर्ग में अभय सिंह की हार

न्यूयॉर्क। पीएसए प्लैटिनम इवेंट, स्प्रॉट टूर्नामेंट ऑफ चैंपियंस में भारत की अनाहत सिंह ने इंग्लैंड की लूसी टुरमेल को हराकर दूसरे राउंड में पहुंच गए है। उनकी जीत में दमदार बेसलाइन गेम और निर्णायक फोरहैंड शॉट्स का बड़ा योगदान रहा। अनाहत का अगला मुकाबला जापान की छठी सीड सतोमी वतनबे से होगा। अनाहत के प्रदर्शन ने उनकी लगातार मेहनत और अनुभव को दिखाया है। उन्होंने इस महीने की शुरुआत में बर्मिंघम यूनिवर्सिटी में हुए ब्रिटिश जूनियर ओपन में महिलाओं के अंडर-19 फाइनल में शानदार खेल दिखाया था। फ्रांस की दूसरी सीड लॉरेन बाल्टायान से उन्हें हार मिली थी, जो उनके नौवें बीजेओ फाइनल में था। सेमीफाइनल में उन्होंने मिस्र की मलिका एल कराक्सी को सिर्फ 28 मिनट में हराया था। दिल्ली की इस युवा खिलाड़ी ने 2025 में पीएसए टूर में बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने प्रोफेशनल स्क्वैश एसोसिएशन टूर के अपने दूसरे सीजन में विश्व रैंकिंग 28 तक पहुंचकर टॉप-20 खिलाड़ियों को चुनौती दी। हाल ही में चेन्नई में इंडियन स्क्वैश अकादमी में एचसीएल स्क्वैश इंडियन टूर 4 के फाइनल में उन्होंने पूर्व विश्व नंबर 10 जोशना चिनप्पा को पांच सेट के रोमांचक मैच में हराया। पुरुष वर्ग में भारत के अभय सिंह को शुरुआती राउंड में हार का सामना करना पड़ा। विश्व नंबर 29 अभय को स्पेन के इकर पजारेस ने हराया। अभय पहले से ही इंडियन स्क्वैश के इतिहास में अहम भूमिका निभा चुके हैं। उन्होंने हाल ही में भारत को पहला स्क्वैश वर्ल्ड कप जीतने में मदद की थी, जहां टीम ने मिश्रित टीम वर्ल्ड कप के फाइनल में शानदार खेल दिखाया था।

बांग्लादेश की निकली अकड़... टी20 वर्ल्ड कप से हुआ बाहर

नई दिल्ली। आईसीसी ने बांग्लादेश को आइना दिखाते हुए टी20 विश्व कप 2026 से बाहर कर दिया है। शनिवार को आईसीसी ने आधिकारिक पत्र जारी कर बांग्लादेश को बाहर करने का फैसला सुनाया। चार जनवरी से चले आ रहे हाईवोल्टेज ड्रामे के बाद आखिरकार बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को बड़ा झटका लगा है। इससे बोर्ड के साथ-साथ वहां के खिलाड़ियों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। आईसीसी ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को आधिकारिक तौर पर जानकारी दे दी है कि उन्हें टी20 विश्व कप से बाहर किया जा चुका है और स्कॉटलैंड से रिप्लेस किया गया है। बांग्लादेश ने टी20 विश्व कप में भारत का दौरा करने से मना किया था और सुरक्षा कारणों का हवाला दिया था। यह पूरा मामला मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल 2026 से बाहर करने के बाद उठा था।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने वैश्विक संस्था को आधिकारिक रूप से सूचित करने से पहले ढाका में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी, जो प्रोटोकॉल का उल्लंघन है। उन्हें साफ तौर पर बताया गया कि उन्हें रिप्लेस किया जा रहा है। बांग्लादेश के खेल मंत्रालय के सलाहकार आसिफ नजरुल ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत की यात्रा नहीं करने की बात कही थी, जबकि आईसीसी की ओर से बार-बार सुरक्षा को लेकर आश्वासन दिया गया था। उधर क्रिकेट स्कॉटलैंड ने कहा है कि उन्हें अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं मिली है, लेकिन माना जा रहा है कि यह सिर्फ समय की बात है और उन्हें जल्द सूचना दे दी जाएगी।

भारत में स्कॉटलैंड को खेलने हैं चार मैच

मौजूदा शेड्यूल के मुताबिक, बांग्लादेश को अपने लीग मुकाबले कोलकाता और मुंबई में खेलने थे। लेकिन अब उसकी जगह स्कॉटलैंड ग्रुप सी का हिस्सा बन गया है और कार्यक्रम के अनुसार तय मुकाबले खेलेगा। यह पहला मौका नहीं है जब किसी अन्य टीम को मौका मिला है। साल 2009 में जब जिम्बाब्वे ने इंग्लैंड में हुए टी20 विश्व कप से हटने का निर्णय लिया था, तब स्कॉटलैंड को शामिल किया गया था। अब बांग्लादेश ने अपनी जिद पर कायम रहते हुए टी20 विश्व कप के मुकाबले भारत में खेलने से इनकार किया है, तो उसकी जगह रैंकिंग के आधार पर स्कॉटलैंड को शामिल कर दिया गया है।

ईशान किशन ने प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड के साथ रचा खास रिकॉर्ड

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ रायपुर में खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले में भारत की शानदार जीत के सबसे बड़े हीरो ईशान किशन रहे। 209 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए जब टीम इंडिया की हालत नाजुक थी और स्कोर महज 6 रन पर दो विकेट हो चुका था, तब ईशान किशन ने जिम्मेदारी संभालते हुए एक यादगार पारी खेली। उन्होंने 32 गेंदों में 11 चौकों और 4 गगनचुंबी छक्कों की मदद से 76 रन बनाए और भारत को मुश्किल हालात से निकालकर जीत की राह पर ले गए। ईशान किशन की इस पारी ने मैच का पूरा रुख बदल दिया। हालांकि कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी 37 गेंदों पर नाबाद 82 रन की तूफानी पारी खेली, लेकिन दबाव के क्षणों में ईशान की बल्लेबाजी का असर मुकाबले पर ज्यादा पड़ा। इसी वजह से उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच के अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। उनकी इस शानदार पारी ने न सिर्फ भारत को सात विकेट से जीत दिलाई, बल्कि व्यक्तिगत उपलब्धियों की सूची में भी उन्हें खास स्थान दिलाया।

रायपुर टी20 में मिला यह अवॉर्ड ईशान किशन के टी20 इंटरनेशनल करियर का तीसरा प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड रहा। इसके साथ ही उन्होंने सुरेश रैना, श्रेयस अय्यर और रवींद्र जडेजा जैसे दिग्गज खिलाड़ियों की बराबरी कर ली है। भारत के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय में अब तक कुल नौ खिलाड़ी ऐसे हैं, जिन्होंने तीन-तीन बार प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीता है। इस सूची में ईशान किशन की एंट्री उनके लगातार बेहतर होते प्रदर्शन को दर्शाती है।

इस लिस्ट में ईशान किशन से ऊपर अब भी 17 ऐसे खिलाड़ी मौजूद हैं, जिन्होंने भारत के लिए चार या उससे अधिक बार प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीते हैं। शीर्ष स्थान पर विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव संयुक्त रूप से मौजूद हैं, जिन्होंने 16-16 बार यह सम्मान हासिल किया है। इनके बाद रोहित शर्मा, अक्षर पटेल, युवराज सिंह, हार्दिक पंड्या और जसप्रीत बुमराह जैसे बड़े नाम शामिल हैं। हालांकि विराट कोहली और रोहित शर्मा अब टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं, ऐसे में मौजूदा खिलाड़ियों के पास इन रिकॉर्ड्स को पीछे छोड़ने का मौका है। ईशान किशन की यह पारी भारतीय टीम के लिए कई मायनों में अहम रही। एक ओर उन्होंने दबाव में मैच जिताने की क्षमता दिखाई, वहीं दूसरी ओर टीम इंडिया को यह भरोसा भी दिलाया कि मुश्किल परिस्थितियों में वह जिम्मेदारी उठाने से पीछे नहीं हटते। आने वाले मुकाबलों और बड़े टूर्नामेंट्स से पहले ईशान किशन का यह प्रदर्शन भारत के लिए बेहद सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।

आईपीएल 2026 सत्र से पहले आरसीबी का मालिकाना अधिकार बदलने की संभावना

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मालिकाना अधिकार इस सत्र से बदल सकता है। इसका कारण ये है कि 'सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अदर पूनावाला ने इसके लिए बोली लगाने जा रहे हैं। आरसीबी अभी आईपीएल चैम्पियन हैं और उसके समर्थकों की काफी तादाद है। इसी कारण इस टीम का मालिकाना अधिकार हासिल करने के लिए , विजय किरागंदूर की कंपनी होम्बले फिल्म्स भी दौड़ में शामिल है। लीग की 10 टीम में सबसे ज्यादा प्रशंसक आरसीबी के ही हैं और इस कारण भी ये टीम काफी खास मानी जाती है। पूनावाला ने सोशल मीडिया में लिखा, 卐आने वाले कुछ महीनों में मैं आईपीएल की सबसे बेहतरीन टीमों में से एक आरसीबी के लिए एक मजबूत और प्रतिस्पर्धी बोली पेश लगाऊंगा।卐उन्होंने हालांकि बोली की समय-सीमा नहीं बतायी है पर कहा कि यह प्रक्रिया जल्द पूरी करनी होगी क्योंकि आईपीएल 2026 की शुरुआत 26 मार्च से प्रस्तावित है। 'फोर्ब्स इंडिया' के अनुसार (लगभग 105 मिलियन डॉलर मूल्य की) आरसीबी के लिए नए मालिक की तलाश की प्रक्रिया नवंबर पिछले साल शुरू हुई थी। अभी इस टीम का मालिकाना अधिकार युनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड (यूएसएल) के पास है। यूएसएल वैश्विक पेय कंपनी डियाजियो की भारतीय इकाई है। पिछले कुछ सयमय से टीम की बिक्री की प्रक्रिया तेज हुई है। यूनाइटेड स्पिरिट्स ने साल 2016 में आसीबी को अधिग्रहित किया था।

देश में टेनिस प्रतिभाओं को आगे लाना चाहते हैं पेस

कोलकाता। ओलंपिक पदक विजेता दिग्गज टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस का लक्ष्य देश में टेनिस सहित अन्य खेलों की प्रतिभाओं को आगे लाना है। पेस का कहना है कि वह एक टेनिस अकादमी खोलना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा, 卐टेनिस मेरे दिल के बहुत करीब है क्योंकि यह वह खेल और माध्यम है जिसे मैंने चुना है, और इसने मुझे मेरा जीवन दिया है आज मैं जहां भी पहुंचा हूं उसे पीछे यही खेल है। बंगाल टेनिस में कदम जमाने के बाद मेरा लक्ष्य एक पेशेवर अकादमी और ऐसा बुनियादी ढांचा स्थापित करना है जो ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचे। यह उस कार्य का हिस्सा है जिसे मैंने अभी शुरू किया है, और जल्द ही आप मुझे पूरे देश में टेनिस के विकास में और अधिक सक्रिय रूप से शामिल होते देखेंगे। मुझे लगता है कि टेनिस के खेल को बढ़ावा देने के लिए मैं बहुत कुछ कर सकता हूं। इसलिए, मैं टेनिस और अन्य खेलों के माध्यम से पूरे देश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। पुरुष युगल में तीन-तीन बार फ्रेंच ओपन और यूएस ओपन, एक-एक बार ऑस्ट्रेलियन ओपन और विंबलडन जीतने वाले लिएंडर, जिनमें से चार खिताब उन्होंने महेश भूपति के साथ जीते हैं, और 10 मिश्रित युगल ग्रैंड स्लैम खिताब अपने नाम करने वाले टेनिस इतिहास के सबसे सफल भारतीय खिलाड़ियों में से एक हैं। पेसे ने अटलांटा में आयोजित 1996 के ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। वह ओलंपिक में टेनिस में पदक हासिल करने वाले पहले एशियाई बने। पेस के अनुसार वह टेनिस तक ही सीमित नहीं रहते हुए अन्य खेलों की प्रतिभाओं को भी आगे लाना चाहते हैं।

रायपुर टी20 में भारत ने घरेलू मैदान पर 100वां मैच जीत के साथ यादगार बनाया

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच रायपुर में खेला गया दूसरा टी20 मुकाबला टीम इंडिया के लिए कई मायनों में खास रहा। यह मैच भारतीय टीम का घरेलू सरजमीं पर 100वां टी20 इंटरनेशनल था, जिसे टीम इंडिया ने शानदार अंदाज में जीतकर यादगार बना दिया। इस जीत के साथ भारत घर पर 100 या उससे अधिक टी20 मैच खेलने वाली दुनिया की तीसरी टीम बन गई है। मुकाबले में भारत ने न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराते हुए पांच मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त भी हासिल कर ली। मैच में न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत के सामने 209 रनों का मजबूत लक्ष्य रखा। मेहमान टीम के बल्लेबाजों ने आक्रामक अंदाज दिखाया, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने अंतिम ओवरों में रन गति पर काबू पाने की कोशिश की। बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम इंडिया ने शुरू से ही आक्रामक रुख अपनाया और न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर दबाव बना दिया। कप्तान सूर्यकुमार यादव और ईशान किशन ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक जड़े और मैच को पूरी तरह भारत के पक्ष में मोड़ दिया। टीम इंडिया ने महज 15.2 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया और सात विकेट शेष रहते मुकाबला अपने नाम किया।

घरेलू मैदान पर भारत का टी20 रिकॉर्ड लगातार मजबूत होता जा रहा है। अब तक खेले गए 100 घरेलू टी20 मैचों में भारत ने 68 मुकाबले जीते हैं, जबकि 29 में उसे हार का सामना करना पड़ा है। एक मैच टाई रहा है और दो मुकाबलों का कोई नतीजा नहीं निकल सका। इन आंकड़ों के साथ भारत फिलहाल घर पर सबसे ज्यादा टी20 जीत दर्ज करने वाली टीम बन चुकी है। न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज ऐसी दो अन्य टीमें हैं, जिन्होंने घरेलू मैदान पर 100 से अधिक टी20 मुकाबले खेले हैं।

न्यूजीलैंड के नाम घर पर सबसे ज्यादा 113 टी20 मैच खेलने का रिकॉर्ड दर्ज है, जबकि वेस्टइंडीज ने अपने घरेलू मैदानों पर 108 टी20 मैच खेले हैं। हालांकि इतने मैच खेलने के बावजूद इन दोनों टीमों का जीत का आंकड़ा भारत से पीछे है। न्यूजीलैंड ने घर पर 58 और वेस्टइंडीज ने 53 मुकाबले जीते हैं। घरेलू मैदान पर सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली शीर्ष पांच टीमों की सूची में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और बांग्लादेश भी शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया ने अब तक घर पर 74 टी20 मैच खेले हैं, जिनमें से 44 में जीत हासिल की है।

लीग क्रिकेट में जलवा बरकरार रखेंगे डेविड वॉर्नर

सिडनी थंडर के साथ एक और सीजन का करार

सिडनी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर फिलहाल लीग क्रिकेट में अपना दबदबा बनाए रखने के इरादे से मैदान पर उतरते रहेंगे। बिग बैश लीग (बीबीएल) के मौजूदा सीजन में सिडनी थंडर के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले वॉर्नर ने अगले सीजन के लिए भी टीम के साथ करार बढ़ा लिया है। सिडनी थंडर ने शुक्रवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की, जिससे फैंस में एक बार फिर उत्साह देखने को मिला। 39 वर्षीय डेविड वॉर्नर ने एक साल का करार बढ़ने पर खुशी जताते हुए कहा कि वह थंडर के साथ एक और सीजन खेलने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि टीम के लिए यह सीजन आसान नहीं रहा और प्रदर्शन उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा। वॉर्नर ने कहा कि मौजूदा सीजन में सिडनी थंडर जिस तरह का क्रिकेट

खेल पाई, उससे कहीं ज्यादा मजबूत टीम है, लेकिन निरंतरता की कमी के कारण नतीजे उनके पक्ष में नहीं आ सके। इसके बावजूद हर मैच में स्टेडियम में उमड़ने वाली फैंस की भीड़ और उनका जबरदस्त समर्थन उनके फैसले की सबसे बड़ी वजह बना।

वॉर्नर का मानना है कि उनके अंदर अभी भी इस टीम और इस खेल को देने के लिए बहुत कुछ बाकी है। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत तौर पर वह अपने प्रदर्शन से काफी सहज महसूस कर रहे थे और टीम को हर मैच में मुकाबला देने पर उन्हें गर्व है। वॉर्नर ने यह भी बताया कि टीम ने सीजन की समीक्षा शुरू कर दी है और बीबीएल के अगले संस्करण में एक मजबूत अभियान के लिए रणनीति तैयार की जा रही है। सिडनी थंडर के जनरल मैनेजर ट्रेंट कोपलैंड ने वॉर्नर के साथ करार बढ़ने को स्वाभाविक फैसला बताया। उन्होंने कहा कि टीम के लिए यह सौदा करना मुश्किल नहीं था, क्योंकि वॉर्नर का सीजन शानदार रहा है। कोपलैंड के मुताबिक, वॉर्नर पिछले डेढ़ दशक में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ टी20 खिलाड़ियों में से एक रहे हैं और बीबीएल में भी वह शीर्ष बल्लेबाजों में गिने जाते हैं। उनका फिटनेस स्तर अब भी बेहतरीन है और एक लीडर के तौर पर निराशाजनक सीजन को पलटने की उनकी भूख और जोश साफ नजर आता है।

बीबीएल के 15वें सीजन में वॉर्नर की कप्तानी में सिडनी थंडर का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। टीम 10 मैचों में सिर्फ 2 जीत दर्ज कर सकी और 8 हार के साथ अंक तालिका में आखिरी स्थान पर रही। हालांकि, टीम के खराब प्रदर्शन के बीच वॉर्नर बल्ले से पूरी तरह चमके। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 8 मैचों की 8 पारियों में 3 बार नाबाद रहते हुए 2 शतक और 2 अर्धशतक की मदद से 433 रन बनाए। उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 130 रहा, जबकि औसत 86 और स्ट्राइक रेट 154.09 रहा। वह फिलहाल टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर हैं और फिन एलेन उन्हें फाइनल में पीछे छोड़ सकते हैं।

दक्षिण उकवा अंतर्गत सोनगुड्डा में आयोजित हुआ अनुभूति कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। उकवा। मध्यप्रदेश ईको पर्यटन विकास बोर्ड एवं वन परिक्षेत्र दक्षिण उकवा (सामान्य) के संयुक्त तत्वावधान में साहूर नाला, सोनगुड्डा में अनुभूति कार्यक्रम का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रकृति, वन्य जीवन एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना रहा।कार्यक्रम में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिठली, शासकीय माध्यमिक शाला लातरी तथा हर्रानाला-जालदा के कुल 126 छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। विद्यार्थियों को वन भ्रमण पथ के माध्यम से ले जाया गया, जहां उन्हें वन विभाग द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यों जैसे—भू-जल संरक्षण, ट्रेंचिंग, पौधा अंगीकरण, वृक्षों की पहचान, वानिकी, वन सुरक्षा एवं अग्नि सुरक्षा के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

वन भ्रमण के पश्चात विद्यार्थियों के बौद्धिक एवं रचनात्मक विकास हेतु चित्रकला प्रतियोगिता एवं प्रश्नोत्तरी आधारित परीक्षा का आयोजन किया गया। इसके साथ ही विद्यार्थियों ने वन भ्रमण के दौरान देखे गए प्राकृतिक एवं जैविक पहलुओं को चार्ट पेपर के माध्यम से प्रस्तुत कर अपने अनुभव साझा किए। बच्चों को शेर का चित्र बनाने की गतिविधि भी कराई गई, जिससे उनमें वन्य जीवों के प्रति रुचि और समझ विकसित हो सके।कार्यक्रम में जनपद सदस्य मनोला बाई उइके, वन सुरक्षा

समिति दुल्हापुर, अडोरी, माड़ी, डाबरी, सुंदरवाही, राशीमेटा, चारघाट एवं सोनगुड्डा के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी, पूर्व सरपंच प्रियंका मरकाम, पूर्व सरपंच तातुसिंह धुर्वे सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का स्वागत वन परिक्षेत्र के कर्मचारियों द्वारा किया गया।

विशेष आकर्षण के रूप में ज्ञानचंद शर्मा द्वारा विभिन्न वन्य प्राणियों की आवाज़ों की प्रस्तुति दी गई, जिसे विद्यार्थियों ने अत्यंत रुचि के साथ सुना और सराहा। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत माध्यमिक शाला लातरी की छात्राओं द्वारा अनुभूति थीम सांग 2026 — हम हैं धरती के दूत तथा माध्यमिक शाला हर्रानाला की छात्राओं द्वारा मनमोहक नृत्य प्रस्तुति दी गई, जिसे उपस्थितजनों ने खूब सराहा।कार्यक्रम में बिठली उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य एस.एल. दशरिये ने कविता पाठ के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा प्रकृति को बचाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। वहीं पूर्व सरपंच तातुसिंह धुर्वे ने वन विभाग की भूमिका एवं वन संरक्षण पर अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम के अंत में विभिन्न प्रतियोगिताओं में सफल रहे छात्र-छात्राओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। समापन अवसर पर वन परिक्षेत्र अधिकारी आशुतोष सिंह ने विद्यार्थियों को पर्यावरण एवं वन संरक्षण की शपथ दिलाई तथा कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।इस अवसर पर वन परिक्षेत्र अधिकारी आशुतोष सिंह, वन क्षेत्रपाल दिलीप डोंगरे, उपवन क्षेत्रपाल महेश चौरे, वनपाल मनोज चौहान, अरविंद मरावी, कीर्तन सिंह धुर्वे, परमानंद उइके, मनोज मरकाम, राजेश कुमार नेवारे, विनय कुमार धुर्वे सहित वनरक्षक अभिषेक कटरे, राजेश खरे, विजय कुमार सातुनकर, मनीष कुमार बिसेन, अकील कुरैशी, योगेश कुमार धुवारे, राम सिंह धुर्वे, प्रकाश बोपचे, दिलेंद्र नगपुरे, बसंत भीमटे, गोविंदा दिग्विजय सिंह चंदेल, युवराज भोयर, अश्विन सेंडे एवं छबिलाल टेकाम सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

एसएसपी महाविद्यालय में मॉ सरस्वती के प्रगटोत्सव बसंत पंचमी मनाई गई

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासकीय एसएसपी महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ के तत्वाधान में माँ सरस्वती के प्रगटोत्सव बसंत पंचमी , नेताजी सुभाषचन्द्र बोस जयंती एवं हिन्दी विभाग के द्वारा सूर्यकांत त्रिपाठी निराला जयंती एनएसएस इकाई के द्वारा १६ वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन इंदिरा कक्ष में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। दीप प्रज्वलन प्राचार्य डॉ. सरिता कोल्हेकर, तृप्ती सोनवे, पूर्णिमा कुमरे, सरिता नागवंशी, कृष्णा पराते, रक्षा निकोसे के द्वारा किया गया। जिसमें सर्वप्रथम कार्यक्रम संचालक कृष्णा पराते के द्वारा बसंतोत्सव के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर तृप्ती सोनवे के द्वारा नेताजी सुभाषचन्द्र बोस के प्रखर व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला गया। साथ ही सरिता नागवंशी के द्वारा सुभाष चन्द्र बोस के संघर्ष एवं कर्तव्य निष्ठता पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता कृष्णा पराते के द्वारा सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में भारतीय ज्ञान परम्परा प्रभारी रक्षा निकोसे के द्वारा माँ सरस्वती के प्रगटोत्सव बंसत पंचमी के महत्व एवं नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के राष्ट्र निर्माण के आदर्श पर परिचर्चा की गई। साथ ही सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की रचना वर दे वीणा वादिनी वर दे एवं सखि बंसत आया गीत का काव्य पाठ किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य सरिता कोल्हेकर के द्वारा बसंत पंचमी की शुभकामनाएँ प्रेषित की गई। साथ ही नेता जी सुभाष चन्द्र बोस के स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान पर प्रकाश डालकर राष्ट्रीय मतदाता दिवस एवं लोकतंत्र में मतदान

के महत्व पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के अंत में पूर्णिमा कुमरे के द्वारा आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन कृष्णा पराते के द्वारा किया गया। राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर शपथ ग्रहण का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस दौरान सविता सेनवार, दोमदत्त सिंह, हिमांपु गुरदे, नेहा मर्सकोले, विकास साहू, युगलकिशोर लांजेवार, श्रीमती मोनिका सोनी, श्रीमती टीना बिसेन, श्रीमती नंदिनी टेंभरे, सुश्री शिखा देवगीरकर, श्रीमती मनीषा सहारे, श्रीमती रश्मिबाला पारधी,, श्रीमती विभुति पुरोहित, श्रीमती विनिता देशमुख, श्रीमती चिंतामणी, शीला ब्रम्हे एवं समस्त कर्मचारीगण छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

वसंत पंचमी के पावन अवसर पर बालाघाट इंग्लिस स्कूल में हुआ सरस्वती पूजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट इंग्लिश स्कूल परिसर में बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर विद्या की देवी माँ सरस्वती का विधिवत पूजन एवं हवन का आयोजन श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यकम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षा संस्कार और मूल्यों से अवगत कराना था। कार्यक्रम की शुरूआत माँ सरस्वती पूजन, पुष्प अर्पण एवं 108 मंत्रोच्चारण के साथ की गई, इसके पश्चात विधिवत हवन पंडित श्री अजय नारयाण तिवारी (पगड़ी वाले महाराज) के द्वारा करवाया गया । जिसमें बालाघाट एजुकेशन सोसायटी के अध्यक्ष श्री गोपाल अग्रवाल, सचिव श्री विश्वजीत मंडल, उपाध्यक्ष श्री प्रदीप परांजपे, सहसचिव श्री अनीश दीवान, कार्यकारिणी सदस्य श्री अनुराग जैसवाल एवं सदस्य श्री राम मोटवानी, रामकुमार गुप्ता एवं अमित हिरावत उपस्थित रहें। साथ ही विद्यालय प्राचार्य श्री जय कुमार पिल्लई, समस्त शिक्षक-शिक्षिकायें एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी उपस्थित रहें । इस कार्यकम में

विद्यालयीन छात्र-छात्राओं के साथ उनके अभिभावकों ने भी हिस्सा लिया। इस उपलक्ष्य में नवीन सत्र 2026-27 हेतु विशेष छुट के साथ प्रवेश का आयोजन किया गया था जिसमें बहुत से अभिभावकों ने अपने पाल्यों का नवीन प्रवेश भी करवाया। विद्या की देवी माँ सरस्वती के हवन-पूजन उपरांत प्रसाद वितरण किया गया।

कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में बसंत पंचमी और नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती का आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में 23 जनवरी को भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ द्वारा बसंत पंचमी और नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा वंदना के साथ हुआ जिसमें लगभग 70 छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती के अवसर पर उनके जीवन दर्शन पर चर्चा की गई। डॉ. सरोज चोड़ेश्वर ने छात्राओं के समक्ष नेताजी के जीवन और उनके योगदान के बारे में महत्वपूर्ण विचार रखे। श्रीमती दीप्ति गढ़वाल ने भी नेताजी के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला।भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ की सदस्य सुश्री प्रीति उईके ने बसंत पंचमी के महत्व से छात्राओं को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि बसंत पंचमी का त्योहार ज्ञान और विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा के लिए मनाया जाता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. सुनील मासूरकर, आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. स्वाति खोबरागड़े, डॉ. दीपन्ना मासूरकर, श्रीमती सीमा मिश्रा और महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, अतिथि विद्वान और कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम के अंत में समस्त प्राध्यापक और कर्मचारी को प्रसाद वितरित किया गया।

सतत जीवन शैली कार्यशाला में बच्चों ने सीखा कृत्रिम घोंसले, किचन गार्डन एवं पेपर बैग बनाना

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। जनपद पंचायत अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय किन्ही, विकासखण्ड किरनापुर, जिला बालाघाट में दिनांक 23 जनवरी 2026 को बसंत पंचमी के पावन अवसर पर पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन, मध्यप्रदेश शासन भोपाल तथा ईको क्लब के मार्गदर्शन में पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम अंतर्गत सतत जीवन शैली कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों को कला एवं विज्ञान के समन्वय के माध्यम से कृत्रिम घोंसले बनाना एवं उन्हें स्थापित करना, किचन गार्डन की उपयोगिता, तथा पेपर बैग निर्माण एवं उसके पर्यावरणीय लाभों की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों द्वारा तैयार सामग्री की प्रदर्शनी भी लगाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था प्रमुख अर्जुनलाल कोरे ने की। एक दिवसीय कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन के रूप में मुकेश कुमार बिसेन (प्राचार्य,

शासकीय महाविद्यालय हट्टा), श्री जे.डी. खरे (वन परिक्षेत्र अधिकारी, किरनापुर), डिलेन्द्र सिंह चौधरी (उमाशि, पीएम श्री शासकीय उ.मा.वि. भानेगांव), दयानन्द धनवले (पूर्व सरपंच एवं सरपंच प्रतिनिधि) तथा डॉ. सचिन तिवारी (क्रीड़ा अधिकारी, शासकीय महाविद्यालय हट्टा) द्वारा जल संरक्षण, वन्यजीव संरक्षण, किचन गार्डन एवं पर्यावरण संरक्षण विषयों पर उपयोगी जानकारी दी गई।कार्यक्रम में बच्चों के लिए प्रकृति के शुभंकर चिन्ह एवं सेल्फी पॉइंट भी लगाए गए। ईको क्लब प्रभारी डॉ. मोहनिश पिछोड़े द्वारा सभी अतिथियों एवं विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई तथा जूट से बने थैले वितरित किए गए। कार्यशाला का मंच संचालन श्री पालन सिंह परते, वरिष्ठ व्याख्याता द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय का समस्त शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक स्टाफ, अभिभावकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मोती गार्डन में सजी मातृशक्ति की परंपरा,

दृढ़ शक्ति फाउंडेशन ने कराया हल्दी-कुमकुम कार्यक्रम सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी दृढ़ शक्ति फाउंडेशन बालाघाट के तत्वावधान में पारंपरिक हल्दी-कुमकुम कार्यक्रम का आयोजन किया गया।शनिवार को नगर के मोती गार्डन, राजा भोज प्रतिमा के समीप इस सौहार्दपूर्ण कार्यक्रम में नगर एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं, वहीं फाउंडेशन से जुड़ी मातृशक्तियों की उल्लेखनीय सहभागिता देखने को मिली।कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार एक-दूसरे को हल्दी-कुमकुम लगाकर सुख, समृद्धि और दीर्घायु की कामना की। आयोजन स्थल पर आपसी मेल-मिलाप, सामाजिक सौहार्द और सांस्कृतिक परंपराओं का सुंदर समावेश देखने को मिला। पूरे वातावरण में उत्साह और अपनत्व की भावना व्याप्त रही।कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के बीच संवाद, परिचय एवं सहभागिता के अवसर भी प्रदान किए गए, जिससे आपसी सहयोग और एकता की भावना को मजबूती

मिली। आयोजन को सफल बनाने में फाउंडेशन की पदाधिकारियों एवं सदस्यों का विशेष योगदान रहा।हल्दी-कुमकुम कार्यक्रम के माध्यम से दृढ़ शक्ति फाउंडेशन बालाघाट ने भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को सहेजते हुए समाज में महिलाओं की सशक्त भूमिका को और अधिक मजबूत करने का संदेश दिया। नारी सशक्तिकरण को प्रोत्साहित करने किया गया आयोजन-बरखा गंगवानी

इस अवसर पर दृढ़ शक्ति फाउंडेशन की संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती बरखा नाग गंगवानी ने बताया कि ऐसे आयोजन महिलाओं को सामाजिक रूप से जोड़ने, भारतीय परंपराओं को संरक्षित करने और नारी सशक्तिकरण को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सकारात्मक पहल हैं। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन समाज में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने के लिए निरंतर सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा।

नगरपालिका बालाघाट ने रचनात्मकता के साथ मनाया आनंद उत्सव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन के आनंद विभाग के निर्देशानुसार नगर पालिका परिषद बालाघाट द्वारा दिनांक 22 जनवरी को नगर पालिका कार्यालय प्रांगण में आनंद उत्सव का आयोजन किया गया। आयोजन का उद्देश्य नागरिकों में आपसी सामंजस्य, सहभागिता एवं उत्साह का संचार कर आनंद की अनुभूति कराना रहा। कार्यक्रम में रचनात्मक गतिविधियों एवं खेलकूद प्रतियोगिताओं के माध्यम से उत्सव को उल्लासपूर्ण बनाया गया।

आनंद उत्सव के दौरान महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा अपने-अपने स्टॉल लगाकर उत्पादों की प्रदर्शनी की गई। महिलाओं ने घरेलू उत्पाद, विभिन्न व्यंजन एवं फलों का प्रदर्शन किया, जिसे नागरिकों ने सराहा।आनंद उत्सव में बोरा दौड़, नींबू-चम्मच दौड़, कुर्सी दौड़, रस्साकशी, गीत गायन, सांस्कृतिक नृत्य, ड्राइंग-पेंटिंग, रंगोली एवं मेहंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। नगर पालिका म्युनिसिपल स्कूल, नवीन बालक बुढ़ी शाला सहित अन्य शालाओं के छात्र-छात्राओं ने प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के दौरान नींबू-चम्मच दौड़ में प्रथम प्रिया मेश्राम, द्वितीय मीनाक्षी टेंभरे, कुर्सी दौड़ (महिला) में प्रथम प्रिया मेश्राम, द्वितीय रागिनी पटले, कुर्सी दौड़ (पुरुष) में प्रथम गौरव म्हात्रे, द्वितीय सौरभ शोरले एवं बोरा दौड़ में प्रथम अमन मैया, द्वितीय मोहित ने प्राप्त किया। विजेताओं को नगर पालिका अध्यक्ष के हस्ते पुरस्कार प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत सिंह ठाकुर ने कहा कि वर्तमान समय में बच्चे एवं युवा पारंपरिक खेलों से दूर होकर मोबाइल के अधिक उपयोग के आदी हो रहे हैं, जिससे उनका शारीरिक विकास प्रभावित होता है। नियमित खेलकूद से शारीरिक क्षमता एवं मानसिक विकास होता है। वहीं नगर पालिका सीएमओ बी.डी. कतरोलिया ने कहा कि बच्चों और युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए खेल अत्यंत आवश्यक हैं, इससे उनमें स्पर्धा एवं सहभागिता की भावना विकसित होती है। इसी उद्देश्य से शासन द्वारा आनंद उत्सव का आयोजन किया जाता है। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत सिंह ठाकुर, उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, सभापति योजना शाखा योगिता विनय बोपचे, सभापति भंडार शाखा संगीता थापा, सभापति लोक निर्माण विभाग कमलेश पांचे, सभापति महिला एवं बाल विकास उज्वल आमाडारे, सभापति राजस्व वकील वाधवा, सुशील वर्मा, वाचस्पति त्रिपाठी, योजना प्रभारी मौसम खंडाते, नगर पालिका के समस्त कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित रहे।

आज मनाया जाएगा 16वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस

शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट के सभागार में होगा जिला स्तरीय कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 16वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस आगामी 25 जनवरी 2026 को बालाघाट जिले में भी मनाया जाएगा। इस अवसर पर जिला मुख्यालय बालाघाट में शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के सभागार में प्रातः 11 बजे से जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मृणाल मीना के मुख्य आतिथ्य में किया जाएगा, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा करेंगे। कार्यक्रम में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिले के समस्त शासकीय विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर उपस्थितजनों को राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शपथ दिलाई जाएगी तथा भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त के संदेश का वाचन किया जाएगा। इसके साथ ही कार्यक्रम में नए मतदाताओं को पहचान पत्र (ईपीआईसी) का वितरण भी किया जाएगा। राष्ट्रीय मतदाता दिवस का उद्देश्य नागरिकों में मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता को प्रोत्साहित करना है। उल्लेखनीय है कि 25 जनवरी 1950 को भारत निर्वाचन आयोग की स्थापना की गई थी। इसी ऐतिहासिक दिन को यादगार बनाने के लिए 25 जनवरी 2011 को भारत की तत्कालीन राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटिल द्वारा भारत निर्वाचन आयोग के 61वें स्थापना वर्ष के अवसर पर 'राष्ट्रीय मतदाता दिवस' की शुरुआत की गई थी। तब से प्रतिवर्ष 25 जनवरी को यह दिवस पूरे देश में मनाया जा रहा है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस का मुख्य उद्देश्य नागरिकों, विशेषकर युवाओं को मतदाता के रूप में पंजीकरण के लिए प्रेरित करना, लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में उनकी भागीदारी बढ़ाना और मतदाता सूची में त्रुटिरहित प्रविष्टियाँ सुनिश्चित करना है। बालाघाट जिले में भी इस दिवस को लेकर विशेष उत्साह देखा जा रहा है और प्रशासन द्वारा इसे जन-जन से जोड़ने के लिए व्यापक प्रयास किए जा रहे हैं।

आनंद उत्सव कार्यक्रम में युवाओं ने दिखाई प्रतिभा

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश सरकार के आनंद उत्सव कार्यक्रम के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी हुई प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने की पहल जारी है। इसी क्रम में जनपद पंचायत लांजी के अंतर्गत ग्राम मनेरी में आनंद उत्सव का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय निवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में चिखली, मनेरी और चिचोली के विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं के साथ-साथ ग्रामीण युवाओं और सभी आयु वर्ग के प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। आयोजन में पारंपरिक खेल-कूद प्रतियोगिताओं जैसे कबड्डी, खो-खो, बोरा दौड़, रस्सी कशी, कुर्सी दौड़, चम्मच दौड़ और नींबू दौड़ का जोरदार आयोजन हुआ। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों में लोक संगीत, नृत्य, गायन, भजन-कीर्तन और नाटक जैसी

प्रस्तुतियों ने माहौल को और भी रंगीन बना दिया। प्रतियोगिताओं के समापन के बाद सभी विजेताओं को पुरस्कार व सम्मानित किया गया। मंचीय कार्यक्रम का शुभारंभ और संचालन मुख्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। इसमें श्रीमती मनीषा सुभाष सहारे (सरपंच, ग्राम पंचायत मनेरी), पोषण मस्करे (सरपंच, ग्राम पंचायत चिचोली), घनश्याम धामने (सरपंच, ग्राम पंचायत चिखली) और लेखराम रामटेकर (खंड पंचायत अधिकारी, जनपद पंचायत लांजी) ने बतौर विशिष्ट अतिथि शिरकत की।

आनंद उत्सव मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्रतिवर्ष 14 से 28 जनवरी के बीच आयोजित किया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में सामुदायिक सहभागिता बढ़ाना, पारंपरिक खेलों को पुनर्जीवित करना और हर वर्ग के लोगों में खुशियों व उत्साह का संचार करना है। यह कार्यक्रम न केवल प्रतिस्पर्धा पर बल्कि सामूहिक आनंद और एकता पर केंद्रित रहता है।

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

12

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

गणतंत्र दिवस मुख्य समारोह की रिहर्सल सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय बालाघाट में मुख्य समारोह का आयोजन मुलना स्टेडियम ग्राउंड में प्रात: 09 बजे से किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कलेक्टर मृणाल मीना द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा तथा मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया जाएगा। समारोह को भव्य एवं

गरिमामय बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियाँ पूर्ण की जा रही हैं। इसी क्रम में 24 जनवरी को मुलना स्टेडियम में गणतंत्र दिवस समारोह की अँतिम रिहर्सल आयोजित की गई। रिहर्सल के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक सराफ द्वारा परेड का निरीक्षण किया गया एवं सलामी ली गई। रिहर्सल में सीआरपीएफ, कोबरा बटालियन, जिला पुलिस बल, होमगार्ड के जवानों तथा एनसीसी कैडेट्स द्वारा अनुशासित एवं आकर्षक मार्च-पास्ट किया गया। इसके साथ ही 26 जनवरी को प्रस्तुत किए जाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी अभ्यास रिहर्सल संपन्न हुई। रिहर्सल के दौरान पाई गई कमियों को दूर करने एवं आवश्यक सुधार करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों एवं दलों को दिए गए ताकि गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह सफलतापूर्वक एवं गरिमापूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। जिला प्रशासन द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस समारोह में सहभागी बनें और देशभक्ति के इस उत्सव को गरिमा प्रदान करें।

उम्मीदों की सड़क बालाघाट-सिवनी फोरलेन स्वीकृत : दूरी 90 किमी. लागत 3500 करोड़

महत्वाकांक्षी परियोजना की सारी औपचारिकताऐं पूर्ण: पेंच-कान्हा कॉरिडोर से होकर गुजरेगी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

लंबे समय से बहुप्रतीक्षित बालाघाट-सिवनी फोरलेन सड़क निर्माण परियोजना को अब अँतिम स्वीकृति मिल गई है। अधिकारियों के अनुसार इस महत्वाकांक्षी परियोजना को लेकर सभी औपचारिकताएं लगभग पूरी कर ली गई हैं और जल्द ही इसके लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी। बताया जा रहा है कि लगभग 3500 करोड़ रुपये की लागत से इस फोरलेन सड़क का निर्माण किया जाएगा। टेंडर जारी होते ही कार्य एजेंसी का चयन कर अति शीघ्र निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा।

बालाघाट से सिवनी के बीच लगभग 90 किलोमीटर लंबी सड़क को फोरलेन में परिवर्तित करने की मांग लंबे समय से की जा रही थी। बीते वर्षों में कई जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा प्रयास किए गए, एक-दो बार इसके लिए करोड़ों रुपये के बजट की घोषणाएं भी हुईं। बावजूद इसके, पर्याप्त वित्तीय स्वीकृति न मिलने के कारण यह परियोजना अब तक कागजों में ही अटकी रही। अब एक बार फिर इस फोरलेन सड़क को लेकर सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं। संबंधित अधिकारियों के अनुसार बालाघाट-सिवनी फोरलेन सड़क का निर्माण लगभग 3500 करोड़ रुपये की भारी-भरकम लागत से किया जाएगा। इस बार परियोजना की लागत को वास्तविक जरूरतों के अनुरूप बढ़ाया गया है, जिससे इसके धरातल पर उतरने की उम्मीद जताई जा रही है। यह मार्ग कई गांवों और घने वन क्षेत्रों से होकर गुजरता है, जिसके चलते सड़क निर्माण कार्य विभाग के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है। सिवनी जिले के कुछ हिस्सों में यह सड़क पेंच-कान्हा

कॉरिडोर से भी होकर गुजरेगी। ऐसे में वन विभाग सहित और अन्य बिभागों की अनुमति विभाग को लेना अनिवार्य होगा। अधिकारियों का कहना है कि इस वन क्षेत्र में वन्यजीवों की आवाजाही अत्यधिक रहती है। इसे ध्यान में रखते हुए सड़क निर्माण के दौरान वन्यजीव सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके लिए कॉरिडोर क्षेत्र में अंडरपास, ओवरब्रिज और अन्य सुरक्षित मार्गों का निर्माण भी प्रस्तावित है, ताकि जंगली जानवरों की आवाजाही प्रभावित न हो और दुर्घटनाओं की आशंका कम की जा सके।

निर्माण से पहले हटेगा सड़क किनारे का अतिक्रमण

बालाघाट-सिवनी प्रस्तावित फोरलेन सड़क के निर्माण से पहले मार्ग में मौजूद अतिक्रमण को हटाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। एमपीआरडीसी के अधिकारियों ने बताया कि फोरलेन सड़क के मानकों के अनुसार सड़क की चौड़ाई बढ़ाना आवश्यक है, जिसके चलते मार्ग में आने वाले गांवों और सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को हटाना अनिवार्य होगा। अधिकारियों के अनुसार, कई स्थानों पर आम नागरिकों द्वारा सड़क की सीमा में कब्जा कर निर्माण कर लिया गया है। अनेक गांवों में लोगों ने अपने मकानों, दुकानों और अन्य निर्माणों को सड़क तक बढ़ा लिया है। फोरलेन सड़क निर्माण के लिए ऐसे सभी अतिक्रमण हटाए जाएंगे। विभाग ने स्पष्ट किया है कि टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी।

निजी भूमि सहित अन्य जमीनों का होगा अधिग्रहण

एमपीआरडीसी के अधिकारी दीपक आड़े ने दूरभाष पर जानकारी देते हुए बताया कि फोरलेन सड़क के लिए केवल अतिक्रमण हटाना ही नहीं, बल्कि बड़े पैमाने पर भूमि अधिग्रहण भी किया जाएगा। कई ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क के दोनों ओर स्थित खेत, मकान, दुकान और निजी जमीनें फोरलेन की चौड़ाई में आ रही हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान सड़क चौड़ाई फोरलेन के लिए पर्याप्त नहीं है, इसलिए निजी भूमि के साथ-साथ अन्य विभागों की भूमि का भी अधिग्रहण किया जाएगा।

इन मार्गों से होकर गुजरेगा फोरलेन

करीब 90 किलोमीटर लंबा यह फोरलेन मार्ग बालाघाट शहर से प्रारंभ होकर कनकी, लवादा, लालबर्रा, नेवरगांव, कांजई और बरघाट होते हुए सिवनी तक पहुंचेगा। यह मार्ग क्षेत्र के कई गांवों को सीधे तौर पर बेहतर सड़क सुविधा से जोड़ेगा।

जल्द शुरू होगी निर्माण प्रक्रिया-दीपक आड़े

एमपीआरडीसी अधिकारी दीपक आड़े ने बताया कि बालाघाटङ्कसिवनी फोरलेन सड़क के लिए लगभग 3500 करोड़ रुपये की लागत से टेंडर प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जाएगी। टेंडर पूरा होते ही भूमि अधिग्रहण, सर्वे कार्य और विभिन्न विभागों से आवश्यक अनुमतियां लेने की प्रक्रिया एक साथ प्रारंभ कर दी जाएगी। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की है कि जो लोग शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर बैठे हैं, वे स्वयं ही इसे हटा लें, क्योंकि जल्द ही विभाग द्वारा सर्वे और अन्य औपचारिक कार्य शुरू किए जाएंगे। इससे आगे चलकर किसी भी प्रकार की असुविधा से बचा जा सकेगा।

मोटरसाइकिल की टक्कर से गंभीर रूप से घायल वृद्धा की मौत

परसवाड़ा-बैहर रोड पर ग्राम लिंगा में हुआ दर्दनाक सड़क हादसा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। परसवाड़ा थाना अंतर्गत बैहर रोड पर स्थित ग्राम लिंगा में शुक्रवार शाम एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल एक वृद्धा की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। हादसा 23 जनवरी की शाम करीब 6 बजे उस समय शुक्रवार शाम साना बाई सड़क के उस पार स्थित किराना दुकान से सामान खरीदकर वापस लौट रही थीं। इसी दौरान लिंगा से परसवाड़ा की ओर तेज रफ्तार से जा रही एक मोटरसाइकिल ने सड़क पार कर रही साना बाई को जोरदार टक्कर मार दी। मोटरसाइकिल की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि साना बाई गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही बेहोश हो गई। दुर्घटना में मोटरसाइकिल चालक भी घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और 108 एंबुलेंस की मदद से साना बाई को परसवाड़ा अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी

हुआ, जब वृद्धा किराना दुकान से सामान लेकर सड़क पार कर अपने घर लौट रही थी। तभी वहां से गुजर रही तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने इस वृद्धा को ठोस मार दी थी। जिला अस्पताल पुलिस में मृतिका साना बाई पति धीरनलाल उदयपुरे 65 वर्ष ग्राम लिंगा थाना परसवाड़ा निवासी की लाश पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार साना बाई मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करती थीं। उनके परिवार में दो बेटे और एक बेटी हैं, जिनमें से बड़ा बेटा और बेटी विवाहित हैं। परिवार के सभी सदस्य मजदूरी का कार्य करते हैं।बताया गया कि गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान उसी रात करीब 10 बजे साना बाई ने दम तोड़ दिया। 24 जनवरी को जिला अस्पताल पुलिस ने मृतिका का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया।पुलिस द्वारा धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्रवाई के लिए थाना परसवाड़ा भेज दी गई है। इस सड़क दुर्घटना की आगे की जांच परसवाड़ा पुलिस द्वारा की जा रही है।

कार ने मोटरसाइकिल को मारी टक्कर-चाचा भतीजे घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र में आने वाले मोहगांव रोड पर स्थित ग्राम पौनी में कार ने मोटरसाइकिल को ठक्कर मार दी। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार युवक गोल्डी मसीह पिता डेनियल सिह मरावी 24 वर्ष ग्राम बंजारी टोला मलाजखंड निवासी घायल हो गया। वही इस युवक के भतीजे को भी चोटे आई। जिनका इलाज बिरसा के अस्पताल में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोल्डी मसीह अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। 24 जनवरी को सुबह गोल्डी मसीह अपने भतीजे रवि मरावी के साथ मोटरसाइकिल में बंजारी टोला से काम के सिलसिले में मोहगांव गया था और मोहगांव में अपना काम निपटाना के बाद गोल्डी मसीह अपने भतीजे रवि मरावी के साथ मोटरसाइकिल में मोहगांव से अपने घर बंजारीटोला लौट रहे थे। 9:30 बजे करीब जब गोल्डी मसीह पौनी पहुंचे ही थे कि तभी मोहगांव तरफ से तेज रफ्तार से आ रही कार ने गोल्डी मसीह की मोटरसाइकिल को पीछे से ठोस मार दिए। इस दुर्घटना में कार की ठोकर से गोल्डी मसीह और उसका भतीजा रवि मेरावी घायल हो गए और उनकी मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त हो गई।यह दुर्घटना में रवि मरावी को मामूली चोटे आई है। दोनों घायल का इलाज बिरसा के अस्पताल में किया गया। मलाजखंड पुलिस ने गोल्डी मसीह द्वारा की गई रिपोर्ट पर कार के चालक के विरुद्ध तेज रफ्तार लापरवाही पूर्वक कार चला कर चोट पहुंचाने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

बैनगंगा नदी के आमाघाट से मिली लाश की हुई शिनाख्त, ओमेंद्र मोहबे के रूप में हुई पहचान

पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के बैनगंगा नदी स्थित आमाघाट क्षेत्र से गुरुवार को बरामद हुई अज्ञात युवक की लाश की पहचान उसके परिजनों द्वारा कर ली गई है। मृतक की पहचान ओमेंद्र मोहबे पिता कृष्ण कुमार मोहबे 27 वर्ष झांसी रानी चौक, वार्ड न 32, मोती नगर, बालाघाट के रूप में हुई है। कोतवाली पुलिस ने शुक्रवार को शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ओमेंद्र मोहबे तीन भाइयों में से एक था तथा मजदूरी कर जीवन-यापन करता था। वह 13 जनवरी की सुबह साइकिल लेकर घर से निकला था, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटा। परिजनों द्वारा काफी तलाश किए जाने के बावजूद जब उसका कोई पता नहीं चला, तब उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट कोतवाली थाना बालाघाट में दर्ज कराई गई थी।लगातार खोजबीन के दौरान 23 जनवरी को परिजन डेंजर रोड स्थित बैनगंगा नदी के आमाघाट पहुंचे, जहां जंगल क्षेत्र में ओमेंद्र की साइकिल खड़ी मिली। वहीं नदी किनारे उसके कपड़े भी पड़े हुए पाए गए। संदेह होने पर परिजनों ने नदी में तलाश की, जहां नदी के बीच एक पत्थर के ऊपर एक लाश पड़ी हुई मिली, जो अत्यधिक क्षत-विक्षत अवस्था में थी।शव की हालत खराब होने के कारण प्रथम दृष्टया परिजन पहचान नहीं कर पाए। हालांकि निरीक्षण के दौरान मृतक के हाथ एवं बांह पर बने बिच्छू और त्रिशूल के टैटू के आधार पर परिजनों ने लाश की पहचान ओमेंद्र मोहबे के रूप में की।कोतवाली पुलिस ने 24 जनवरी को शव का पोस्टमार्टम कराकर उसे अंतिम संस्कार हेतु परिजनों को सौंप दिया। ओमेंद्र की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस ने मामले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर जांच में लिया

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, नि:संतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

BALAGHAT ENGLISH HIGHER SECONDARY SCHOOL
BALAGHAT (M.P) CBSE
AFFILIATION NO : 1030735
REQUIRED
QUALIFIED AND EXPERIENCED STAFF

MOTHER TEACHER	NUR. TO GRADE 2 (Foundational Group)
TGTs	ENGLISH , , MATHS & EVS/SCIENCE
PGTs	ACCOUNTANCY, HISTORY ,CHEMISTRY, BIOLOGY, ENGLISH , HINDI & YOGA
PTI	PHYSICAL EDUCATION (CLASS XI & XII)
FOREIGN LANGUAGES	FRENCH & GERMAN
OFFICE STAFF	ACCOUNTANT & Clerk .
CO-CURRICULAR	MUSIC & DANCE, Art Teacher ,
Gardner (माली)	1 POST

GOOD COMMUNICATION SKILLS WITH FLUENCY IN ENGLISH IS MUST.
SALARY IS NOT CONSTRAINT
Interested candidates mail CV to
behss123@gmail.com
For more query call :
8770958291, 9893819101

JOBSAHI
जॉब आपकी जेब में !
भारत का सबसे बड़ा
OPEN MEGA CAMPUS DRIVE
100+ COMPANIES 8000+ JOBS
देश के सभी राज्यों के Government एवं Private संस्थानों के छात्र-छात्राओं के लिए नि:शुल्क भर्ती !
(योग्यता: ITI, Polytechnic, BE/BTech, BSc, 10th, 12th, BA, BCom)
मुख्य विशेषताएँ :
- 34,000 रुपए प्रति माह तक की सैलरी*
- Satpuda Group की Guarantee
- पूरी तरह FREE भर्ती
- 24 घंटे में Offer Letter *
SCAN TO APPLY
Satpuda Engineering College, Manjhapur, Lalburra Road, BALAGHAT (M.P.) 481001
+91 6262604133 +91 6262604110 जानकारी एवं सहायता के लिए Google पर Jobsahi सर्च करें या दिए गए संपर्क नंबर पर कॉल करें।

THE ALL NEW
नया Chetak C2501
न्यू लॉंचिंग
HAMARA KAL
HAMARA AAJ
HAMARA BAJAJ
चेतक है इंडिया का नं. 1 बिकने वाला इलेक्ट्रिक स्कूटर अब बालाघाट में भी नंबर-1
बुकिंग स्टार्ट बुकिंग ऑफर 4299/- 31 फरवरी तक
डिलेवरी 1 फरवरी से शुरू
एक्स.शो-रूम प्राईज ₹ 91399/- ₹87100/-
चेतक एक्सक्लूसिव सेंटर साई ऑटोमोबाईल्स
मोती तालाब रोड, नर्मदा नगर बालाघाट Mob:6263158471,9425822517

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट